हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 1 फरवरी 2026

आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹118715/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹144990/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹158270/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Condition apply

ANAND Jewels

Pandri, Raipur

दर्द अनेक, उपचार एक!

प्रदिक्षा आर्थो ऑयल

घुटने का दर्द, साइटिका, गाठिया, हड्डियों का दर्द, मांसपेशियों में सूजन,
जकड़न, आमवात, संधिवात और मोच में भी लाभदायक, बिना किसी साइड इफेक्ट के !

SUPER STOCKIST - पंकज मेडीकोज, बिलासपूर -6261187686, नथानी एजेन्सी, रायपूर - 7746032260, राजनांदगाव - महेश एजन्सी-7000616262, ताराचंद चितलांगीया & कं. -8889669996

Costumer Care : 1800 120 3133 | Mob.: 9112637000, 9823286830 | www.pradikshaherbals.com

₹ 120/-

जिला शिक्षा कार्यालय में आगजनी : दस दिनों में समिति ने सौंपी रिपोर्ट

जिला शिक्षा अग्निकांड, फाइनल रिपोर्ट, 19 अलमारियां जली, दस्तावेज से भरे 150 बस्ते भी खाक, पर साजिश नहीं

डीईओ दफ्तर में 'संदेह' की आग, मध्यान्ह भोजन, अनुकंपा नियुक्ति की फाइलें खाक, घंटेभर मशक्कत के बाद पाया काबू

10 हजार से अधिक शिक्षकों की सेवा पुस्तिका 952 निजी स्कूलों के मान्यता के कागजात खाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जिला शिक्षा कार्यालय में लगी आग को समिति ने हादसा ही माना और साजिश के अंदेशे को खारिज करते हुए कार्यालय को क्लीन चिट दे दिया। समिति ने इसे दुर्भाग्यजनक माना है। 17 जनवरी को रायपुर जिला शिक्षा कार्यालय में आगजनी हुई थी। इसमें कई अहम दस्तावेज जलकर खाक हो गए थे। आग इतनी भयानक थी कि कक्ष के भीतर तक जाने कुछ दीवारों को तोड़ना भी पड़ा था। 12 घंटे से अधिक समय पश्चात आग पर काबू पाया जा सका था। मामले की गंभीरता को देखते हुए आगजनी की जांच के लिए समिति गठित की गई थी। इस समिति को पांच दिनों के भीतर लोक शिक्षण संचालनालय को अपनी रिपोर्ट पेश करनी थी। समिति ने दस दिनों पश्चात अपनी रिपोर्ट डीपीआई को सौंपी है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि यह आग हादसा थी। किसी भी तरह की साजिश से इनकार किया गया है।

इसके अलावा समिति ने उन दस्तावेजों का भी जिक्र किया है, जो आगजनी में जलकर खाक हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 19 अलमारियां इस आगजनी में नष्ट हुई हैं। इनमें दस्तावेजों से भरे 150 बस्ते थे। समिति ने साजिश से इनकार किया है, लेकिन ⏭शेष पेज 8 पर

फॉरेंसिक टीम भी कर रही जांच, इनकी रिपोर्ट अभी नहीं

14 लाख की हानि

समिति ने उन उपकरणों और वस्तुओं का भी आर्थिक ब्यौरा तैयार किया है, जो आग में जलकर खाक हो गए थे। आग में जलकर नष्ट हुए उपकरण और अन्य वस्तुओं की कीमतें कितनी थी, यह भी समिति ने अपनी रिपोर्ट में बताया है। रिपोर्ट के अनुसार, जले हुए उपकरणों की कीमत लगभग 14 लाख रुपए है। इसमें अलमारियां, बस्ते सहित अन्य चीजें भी शामिल हैं। रिपोर्ट तैयार करने के पूर्व समिति ने कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के बयान भी लिए। उनके बयान के आधार पर ही जली हुई सामग्री की कीमतों का अनुमान लगाया गया है।

अंग्रेजों के जमाने में चर्च हुआ करता था तत्कालीन जिला शिक्षा कार्यालय

संदेह की आग बुझाएगी कमेटी, आग लगने की वजह और जले दस्तावेजों की करेगी पड़ताल

दूसरी जांच अभी जारी

डीपीआई द्वारा बैठाई गई जांच कमेटी के अलावा फॉरेंसिक जांच भी चल रही है। फॉरेंसिक टीम 17 जनवरी की मध्यरात्रि आग लगने के बाद अगले दिन जांच के लिए पहुंची थी। उन्होंने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए थे। इनकी रिपोर्ट अभी नहीं आई है। मान्यता, आरटीई, स्थापना तथा छात्रवृत्ति से जुड़े दस्तावेजों के जलने की पुष्टि डीपीआई कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में की है। गौरतलब है कि हरिभूमि ने पहले ही इन दस्तावेजों के जलने की खबर प्रकाशित की थी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पेश करेंगी बजट, हर वर्ग को उम्मीद

युवा, किसान और कारोबारियों को आस आम बजट में आज मिलेगा कुछ 'खास'

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार सुबह 11 बजे संसद में आम बजट 2026-27 पेश करेंगी, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के मौजूदा कार्यकाल का एक अहम बजट माना जा रहा है। पिछले साल बजट 2025-26 में मिडिल क्लास को बड़ी राहत मिली थी। अब बजट 2026 को लेकर हर वर्ग की उम्मीदें बढ़ गई हैं। महंगाई, रोजगार पर बड़ा फोकस हो सकता है, वहीं किसान, युवाओं और निवेशकों को भी सौगात मिलने की उम्मीद है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2026 को लगातार 9वां बजट पेश करेंगी। वित्त मंत्री अपना बजट भाषण लोकसभा में 11 बजे से शुरू करेंगी। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां केंद्रीय बजट 2026-27 में कृत्रिम मेधा (एआई) पारिस्थितिकी तंत्र के विकास, नवाचार और डिजिटल बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के साथ-साथ बाजार में इसके विस्तार के लिए नकदी उपलब्ध कराने के उपायों की उम्मीद कर रही हैं। वित्त मंत्री से किसानों को बड़ी उम्मीदें हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बजट 2026 लंबी अवधि के मजबूती के लिए कृषि क्षेत्र में विशेष पहल करने का एक अवसर है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कृषि के लिए आवंटन लगातार बढ़ रहा है, जो वित्त वर्ष ⏭शेष पेज 8 पर

केंद्रीय कर्मचारियों की नजर

केंद्रीय कर्मचारियों की नजर वित्त मंत्री की स्पीच पर है। दरअसल, आठवें वेतन आयोग के औपचारिक गठन के लगभग तीन महीने बाद बजट पेश होने जा रहा है। दरअसल, वेतन आयोग को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए 18 महीने की समय सीमा दी गई है। अगर केंद्र सरकार संशोधित वेतन और पेंशन के वित्तीय प्रभाव को वहन करने के लिए एक राशि आवंटित करने का निर्णय लेती है तो आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों को तेजी से लागू करने की अटकलें तेज हो जाएंगी।

ईवी और लोकल मैन्युफैक्चरिंग अहम

ऑटो कंपनियां भविष्य की तकनीक जैसे ईवी, सॉफ्टवेयर-बेस्ड गाड़ियां और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग पर लगातार निवेश कर रही हैं। इंडस्ट्री चाहती है कि सरकार रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर टैक्स में छूट दे और कर्मचारियों को नई तकनीक सिखाने के लिए स्किल प्रोग्राम्स को बढ़ावा दे। इससे रोजगार बढ़ेगा और भारत का ऑटो सेक्टर लंबे समय तक मजबूत बना रहेगा।

बजट से एक दिन पहले व्यापार जगत की आवाज तेज

बजट का पिटारा खुलने से ठीक पहले देश के अलग-अलग कोनों से व्यापार जगत की आवाजें तेज हो गई हैं। मेटल एंड स्टील मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष और जाने-माने कारोबारी चंदन मंसाली ने इस बार बजट को लेकर बड़ी बात कही है। मंसाली का कहना है कि सरकार को मेटल इंडस्ट्री के बारे में गंभीरता से सोचना होगा. यह एक ऐसा सर्वव्यापी क्षेत्र है जिसके बिना निर्माण की कल्पना भी नहीं की जा सकती। व्यापारियों का तर्क है कि अगर मेटल उद्योग को करों में छूट या नीतियों में सरलीकरण मिलता है, तो इसका सीधा असर आम आदमी द्वारा खरीदी जाने वाली हर वस्तु की कीमत पर पड़ेगा।

हर वर्ग को बड़ी उम्मीदें

मिडिल क्लास

इस वर्ग को सबसे बड़ी उम्मीद इनकम टैक्स में छूट और टैक्स स्लैब में बदलाव से है। साथ ही, होम लोन के ब्याज पर मिलने वाली डिडक्शन की सीमा बढ़ाने की भी उम्मीद है ताकि घर खरीदना सस्ता हो सके।

महिलाएं

महिलाओं को उम्मीद है कि उज्ज्वला योजना जैसी स्कीमों का दायरा बढ़ेगा और महिला उद्यमियों के लिए सस्ते लोन की व्यवस्था होगी। इसके अलावा, कामकाजी महिलाओं के लिए टैक्स में विशेष छूट की भी मांग है।

युवा

युवाओं की नजर मुख्य रूप से रोजगार के नए अवसरों और स्टार्टअप्स के लिए मिलने वाली सरकारी मदद पर है। वे एजुकेशन लोन पर ब्याज दरों में कमी और स्किल डेवलपमेंट के लिए बड़े बजट की उम्मीद कर रहे हैं।

किसान

किसानों को पीएम किसान योजना की राशि बढ़ाए जाने और खाद-बीज पर सब्सिडी जारी रहने की उम्मीद है, साथ ही, वे फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए ठोस कदम चाहते हैं।

दुर्ग के मोहन नगर थाना अंतर्गत एक प्रतिष्ठित होटल में दिया घटना को अंजाम

नौकरी लगाने का झांसा देकर छह साल तक नाबालिग से अनाचार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

नौकरी लगाने का झांसा देकर युवती से अलग-अलग समय में अनाचार करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अन्य चार आरोपी अब भी पुलिस पकड़ से बाहर हैं। शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है। एएसपी मणिशंकर चंद्रा ने बताया कि वर्ष अप्रैल 2018 से 2025 की अवधि के दौरान पीड़िता से 6 आरोपियों ने गैंगरेप किया।

आरोपी ऊंची रसूख रखने वाले

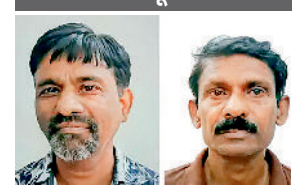

पुलिस ने शुक्रवार की रात को होटल सागर इंटरनेशनल के मैनेजर विजय स्वाईं और जोन 1 खुर्सीपार निवासी अनिल चौधरी को गिरफ्तार किया है। वहीं संजय, बीएन, राजू, नतीन घटना ⏭शेष पेज 8 पर

चार फरार आरोपियों को पुलिस कर रही तलाश

पुलिस सूत्रों ने बताया कि गैंगरेप में बीएन, राजू, संजय, नतीन शहर के बड़े लोग हैं। गैंगरेप को लेकर शनिवार को पूरे दिन शहर में चर्चा रही। इसमें कुछ आरोपी पीडब्ल्यूडी में कोई ठेकेदार तो कोई नौकरी करता है। पीड़िता इसके चंगुल में फंसने का बड़ा कारण पुलिस तलाश रही है। आठ साल से पीड़िता के साथ अनाचार कर उसे लगातार धमकी भी दी जा रही थी। पुलिस ने इस पूरे मामले का अब तक खुलासा नहीं किया है।

महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री

सुनेत्रा बनीं डिप्टी सीएम, पर नहीं मिला वित्त मंत्रालय

एजेंसी ⏭ मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दिवंगत अध्यक्ष अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार (62) ने शनिवार को मुंबई में एक समारोह में महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सुनेत्रा पवार को विभागों का आवंटन भी कर दिया है। उपमुख्यमंत्री पद के साथ-साथ राज्य वह सरकार में आबकारी, खेल और अल्पसंख्यक एवं औकाफ मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालेंगी। हालांकि, उन्हें इन मंत्रालयों के अलावा अहम वित्त विभाग की जिम्मेदारी नहीं दी गई है। उनके दिवंगत पति अजित पवार उपमुख्यमंत्री ⏭शेष पेज 8 पर

सबसे बड़ी चुनौती

सुनेत्रा पवार के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती राकांपा को एकजुट रखना और भाजपा तथा एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ गठबंधन की राजनीति को संभालना है, लेकिन उनकी तात्कालिक चुनौती यह तय करना होगा कि राकांपा का राकांपा (शप) के साथ बहुप्रतीक्षित विलय को आगे बढ़ाया जाए या नहीं।

10 मिनट का समारोह एक मिनट में शपथ

डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार का सादगीपूर्ण शपथ ग्रहण समारोह सिर्फ 10 मिनट तक चला। 5.04 मिनट पर सुनेत्रा अजित पवार ने एक मिनट में मराठी भाषा में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। एक मिनट में शपथ पढ़ने के बाद उन्होंने सिग्नेचर किया। लोकभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में मंच पर पांच कुर्सियां लगी थीं। सफेद रंग की साड़ी में सुनेत्रा कुछ देर पहले लोकभवन पहुंची और प्रफुल्ल पटेल के पास नीचे लगी कुर्सी पर बैठीं। ठीक पांच बजे राज्यपाल देवव्रत और सीएम देवेंद्र फडणवीस डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के साथ पहुंचे।

खुफिया जानकारी के बाद एक्शन

कांकेर से राजनांदगांव आकर अवैध कारोबार, प्रधान आरक्षक सस्पेंड

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

पीएचक्यू के निर्देश पर कांकेर एसपी ने एक प्रधान आरक्षक को शनिवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। यह प्रधान आरक्षक कांकेर जिले में पदस्थ होने के बावजूद राजनांदगांव जिले में आकर अवैध कारोबार का नया सिंडिकेट तैयार कर रहा था। इस मामले की खबर प्रदेश के खुफिया तंत्र को मिलने के बाद यह एक्शन लिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार कांकेर जिले में डीसीबी/डीसीआरवी शाखा में पदस्थ प्रधान आरक्षक विजय पांडे प्रदेश के कई आला अफसरों का ⏭शेष पेज 8 पर

महादेव से भी जुड़ा नाम

सूत्रों की माने तो आरक्षक विजय पांडे का नाम प्रदेश के चर्चित महादेव सट्टा कांड से भी जुड़ चुका है। इसके अलावा आरक्षक पांडे प्रदेश के कई वरिष्ठ पुलिस अफसरों का भी करीब है, जिसका फायदा उठाते हुए ही अवैध कारोबार का नया सिंडिकेट तैयार किया जा रहा था

गृहमंत्री अमित शाह ने सिलीगुड़ी में कार्यकर्ताओं की बैठक में कहा

'घुसपैठ पर लगाम लगाने के लिए टीएमसी सरकार को हटाना जरूरी'

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

बंगाल में इस साल होने हैं विधानसभा चुनाव

गृहमंत्री ने ममता सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

पश्चिम बंगाल में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाला है। इस चुनाव को लेकर प्रदेश में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। बीजेपी टीएमसी को हटाने के लिए पुरजोर कोशिशों में जुटी है। वहीं, ममता सरकार पर लगातार केंद्रीय एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाते आ रही है।

इन आरोप-प्रत्यारोप के दौर के बीच शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सिलिगुड़ी पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने साफ कहा कि ममता बनर्जी सरकार की विदाई का समय अब नजदीक है। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन निश्चित है और जनता बदलाव की उम्मीद रखती है। 'घुसपैठ पर लगाम के लिए टीएमसी सरकार को हटाना बहुत जरूरी है।

समाज के विभिन्न वर्गों में बढ़ी दूरी

शाह ने अपने भाषण में ममता बनर्जी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने अलग-अलग समुदायों को आपस में लड़ाने वाली राजनीति की है, जिससे राज्य की एकता खतरे में पड़ गई है। उन्होंने बताया कि लंबे समय से पश्चिम बंगाल में सामाजिक तनाव को बढ़ावा दिया गया है, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों में दूरी बढ़ी है।

जनता अब ममता सरकार की नीतियों से असंतुष्ट

शाह ने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे संगठन को मजबूत करें और जमीनी स्तर पर सक्रिय रहकर लोगों से जुड़ें। उनका कहना था कि केवल कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बदलाव संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि जनता अब ममता सरकार की नीतियों से असंतुष्ट है और वह बदलाव चाहती है।

आंकड़े गिनाकर दी चेतावनी

अपने संबोधन में शाह ने कहा, 'ममता बनर्जी मेरा मजाक उड़ा रही थीं, ममता दीदी जब प्रभु श्री राम ने राम सेतु बनाया तब रावण ऐसा ही मानता था कि इस प्रकार से मुझे कोई हरा सकता है क्या? मैं आपको बताता हूं 2014 में हमें सिर्फ दो सीट मिली थी, 2019 में 41 फीसदी वोट और 18 सीटें मिली थीं, 2024 में 39 प्रतिशत वोट मिला और 2021 की विधानसभा में 38 प्रतिशत वोट और 77 सीटें लेकर सुवेंदु अधिकारी हमारे विपक्ष के नेता बने हुए हैं। ममता दीदी 38% से 45% का छलांग लगाना है आप इस बार देखना भाजपा का वोट 50% से अधिक होगा और प्रचंड बहुमत से हमारी सरकार बनने वाली है।'

राज्य में हिंसा डर का माहौल

शाह ने यह भी कहा कि राज्य में सालों से हिंसा, डर और भ्रष्टाचार का माहौल रहा है, जिसे बंगाल की जनता अब सहन नहीं करेगी। उन्होंने टीएमसी पर भी कड़ी बात करते हुए कहा कि यह पार्टी हिंसा और भय का पर्याय बन चुकी है और अब जनता इस राजनीति को स्वीकार नहीं करेगी। शाह ने भरोसा जताया कि आने वाले समय में पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा, और यह बदलाव जनता की इच्छानुसार होगा।

घुसपैठियों को खुश करने के लिए वंदे मातरम का विरोध

कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने आगे कहा, 'इस साल वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ है। पीएम मोदी की सरकार ने पूरे देश में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मनाने का फैसला किया है, लेकिन विडंबना देखिए। जब बंगाल में जन्मे और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम पर संसद में चर्चा हुई, तो ममता बनर्जी के सांसदों ने चर्चा का विरोध किया। क्या बंगाल की धरती वंदे मातरम के इस विरोध को बर्दाश्त कर सकती है? हमें यह संदेश बंगाल के हर व्यक्ति, हर वोटर, हर नागरिक तक पहुंचाना है कि ममता बनर्जी और टीएमसी वोट बैंक की राजनीति और घुसपैठियों को खुश करने के लिए वंदे मातरम का विरोध कर रहे हैं।'

कांगो की कोल्टन खदान में लैंडस्लाइड, 200 की मौत

एजेंसी ▶▶| किंशासा

पूर्वी अफ्रीकी देश में बड़ा हादसा

पूर्वी अफ्रीकी देश कांगो में एक खदान हादसा अब अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बन गया है। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) के नॉर्थ किवू प्रांत में स्थित रुबाया कोल्टन खदान में हुए भीषण भूस्खलन में अब तक 200 से ज्यादा लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।

मरने वालों में खदान में काम करने वाले मजदूरों के साथ बच्चे और स्थानीय बाजार में काम करने वाली महिलाएं भी शामिल हैं। यह हादसा बुधवार को हुआ, लेकिन शुक्रवार तक भी मलबे से शव निकालने का काम जारी रहा। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि असली मृतकों की संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है, क्योंकि कई लोग अब भी लापता हैं।

किस चीज की खदान में हुआ हादसा?

रुबाया खदान राजधानी गोमा से करीब 60 किलोमीटर दूर स्थित है। यह खदान इसलिए बेहद अहम मानी जाती है क्योंकि यहां से निकलने वाला कोल्टन दुनिया भर में इस्तेमाल होता है। कोल्टन से टैंटलम नाम की धातु बनती है, जिसका इस्तेमाल मोबाइल फोन, कंप्यूटर, एयरोस्पेस उपकरण और गैस टर्बाइन जैसी आधुनिक तकनीकों में किया जाता है। आंकड़ों के मुताबिक, रुबाया खदान अकेले दुनिया की करीब 15 फीसदी कोल्टन सप्लाई देती है। ऐसे में इस हादसे का असर सिर्फ कांगो तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री पर भी इसका असर पड़ना तय है।

साध्वी प्रेम बाईसा केस में एसआईटी गठित

जयपुर। राजस्थान की मशहूर कथावाचक और भजन गायिका साध्वी प्रेम बाईसा की संदिग्ध हालात में हुई मौत से पूरे प्रदेश में हलचल मच गई है। मामला गंभीर होने के कारण पुलिस ने जांच तेज कर दी है। जोधपुर पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने इस मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) बनाई है, जिसकी जिम्मेदारी एसीपी छवि शर्मा को सौंपी गई है।

साध्वी प्रेम बाईसा की मौत की गुत्थी सुलझने का नाम नहीं ले रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से भी तस्वीर साफ नहीं होने के बाद विसरा सैंपल जांच के लिए जयपुर भिजवाया। इस बीच इस मामले में गहराई से जांचके लिए एसीपी छवि शर्मा की अगुवाई में एसआईटी क गठन किया गया। एसआईटी में तकनीकी और साईबर टीम को भी शामिल किया गया। एसआईटी ने जांच शुरु कर दी. एसीपी छवि शर्मा ने बताय कि इंजेक्शन को लेकर जांच चल रही है कहां से खरीदा. साध्वी को इंजेक्शन लगाने वाले कपांउडर देवी सिंह से भी पूछताछ की। कहा इंजेक्शन सामान्य था इससे मौत की कम संभावना है। साध्वी की मेडिकल हिस्ट्री की भी जांच की जा रही है।

गाजा में अटैक, 12 लोगों की मौत, 6 बच्चे शामिल

तेलअवीव। गाजा में शनिवार को इजराइल ने हमला किया। इसमें 12 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई, जिसमें 6 बच्चे भी शामिल हैं। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा पट्टी के अस्पतालों ने बताया कि हमले में 2 परिवारों के लोग मारे गए हैं। हमले उत्तरी और दक्षिणी गाजा में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग और रिलीफ कैंप पर हुए। हमले की वजह से कैंप में आग लग गई। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने रिकॉर्ड किया है कि 10 अक्टूबर से सीजफायर शुरू होने के बाद इजराइली फायरिंग से 500 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए हैं। यह हमला ऐसे समय हुए जब रविवार को मिस्र बॉर्डर पर रफाह क्रॉसिंग खुलने वाली है, जो अमेरिका की मध्यस्थता वाले सीजफायर के दूसरे स्टेज का हिस्सा है।

केरल हाईकोर्ट का अहम फैसला

मेडिकल तरीके से गिराया जा सकेगा 31 हफ्ते का भ्रूण

एजेंसी ▶▶| तिरुवनंतपुरम

केरल हाईकोर्ट ने एक दंपती राहत दी है। कोर्ट ने उनके 31 हफ्ते से अधिक समय के भ्रूण का चिकित्सकीय गर्भपात कराने की अनुमति दी। यह भ्रूण दिमाग और सिर से जुड़ी जन्मजात गंभीर विकृतियों से पीड़ित है। जस्टिस शोभा अन्नम्मा ईप्पन ने मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर गर्भपात की इजाजत दी। बोर्ड ने राय दी थी कि अगर बच्चे का जन्म होता है तो वह गंभीर शारीरिक विकृतियों से ग्रस्त होगा। मेडिकल बोर्ड ने यह भी कहा कि गर्भावस्था को आगे बढ़ाना महिला के मानसिक स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा हो सकता है। कोर्ट ने मामले के तथ्यों, रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री, इस विषय से जुड़े स्थापित कानूनी सिद्धांतों और मेडिकल बोर्ड की सिफारिशों पर विचार किया। इसके बाद कोर्ट ने कहा कि यदि गर्भपात की अनुमति नहीं दी गई, तो इससे केवल नतीजे में देरी होगी और परिवार की तकलीफ और बढ़ेगी।

कोर्ट ने कोट्टायम मेडिकल कॉलेज को दिया निर्देश :

कोर्ट ने कोट्टायम मेडिकल कॉलेज को गर्भपात कराने का निर्देश दिया। कोर्ट ने मेडिकल कॉलेज को तुरंत एक मेडिकल टीम गठित करने और प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा। कोर्ट ने कहा, मेडिकल टीम अपने विवेक और सर्वोत्तम निर्णय के अनुसार चिकित्सा विज्ञान मंक सुझाई गई सबसे उचित प्रक्रिया अपनाएगी, ताकि गर्भपात किया जा सके और पहली याचिकाकर्ता (महिला) की जान बचाई जा सके। हाईकोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि गर्भपात से पहले अंतिम स्कैन कर भ्रूण की विकृतियों की दोबारा पुष्टि की जाए।

अमेरिका से भारत आएंगी नटराज सहित 3 मूर्तियां

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका का नेशनल म्यूजियम ऑफ एशियन आर्ट शोध के बाद तमिलनाडु के मंदिरों से अवैध रूप से हटाई गई तीन प्राचीन कांस्य मूर्तियों को भारत सरकार को वापस कर रहा है।

इन कलाकृतियों में चोल काल (990 ईस्वी) की 'शिव नटराज', 12वीं शताब्दी की 'सोमास्कंद' और विजयनगर काल (16वीं सदी) की 'संत सुंदरर और परवई' की मूर्तियां शामिल हैं। यह वापसी बुधवार को घोषित की गई, जब शोधकर्ताओं ने पुष्टि कर दी कि इन्हें 1956 से 1959 के बीच तमिलनाडु के मंदिरों में देखा गया था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने इन नतीजों की समीक्षा करके मूर्तियों के अवैध निष्कासन की पुष्टि की है। म्यूजियम के निदेशक चेस रॉबिन्सन ने इसे नैतिक संग्रहालय प्रथाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बताया है। समझौते के तहत शिव नटराज की मूर्ति म्यूजियम में प्रदर्शित रहेगी, जिससे इसके अवैध इतिहास और वापसी के सफर को दुनिया के सामने रखा जा सके। अमेरिका साल 2016 से अब तक भारत को 1500 सांस्कृतिक कलाकृतियां लौटा चुका है।

चोरी पकड़ने के लिए हुआ रिसर्च

म्यूजियम ने अपने दक्षिण एशियाई संग्रह की व्यवस्थित समीक्षा की। साल 2023 में फ्रेंच इंस्टीट्यूट ऑफ पांडिचेरी के फोटो आर्काइव्स की मदद से पता चला कि ये मूर्तियां मूल रूप से तमिलनाडु के तंजावुर जिले और अन्य गांवों के मंदिरों में थीं। जांच में पाया गया कि 'शिव नटराज' की मूर्ति को 2002 में न्यूयॉर्क की एक गैलरी से खरीदा गया था, जिसने बिक्री के लिए फर्जी दस्तावेज पेश किए थे।

तमिलनाडु के मंदिरों से हुई थीं चोरी

मूर्तियों का इतिहास

ये मूर्तियां दक्षिण भारतीय कांस्य ढलाई की समृद्ध परंपरा का बेहतरीन उदाहरण हैं। शिव नटराज की मूर्ति तंजावुर के श्री भाव औषधेश्वर मंदिर से जुड़ी है, जबकि सोमास्कंद की मूर्ति अलात्तूर गांव के विश्वनाथ मंदिर की है। संत सुंदरर और परवई की मूर्ति को 1956 में वीरसोलपुरम गांव के शिव मंदिर में फोटो खींचा गया था। ये सभी मूर्तियां मूल रूप से पवित्र थीं और मंदिर के जुलूसों में इस्तेमाल की जाती थीं।

अमेरिका से कलाकृतियों की वापसी का सिलसिला

भारत और अमेरिका के बीच सांस्कृतिक संपदा की वापसी में तेजी आई है। हाल ही में नवंबर 2024 में 10 मिलियन डॉलर मूल्य की 1,440 लूटी गई वस्तुएं लौटाई गईं. सितंबर 2024 में प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान 297 पुरावशेष वापस मिले थे। इसके अलावा अक्टूबर 2022 में सुभाष कपूर जैसे बदनाम डीलरों से जुड़ी 307 वस्तुएं और जून 2023 में 105 अन्य कलाकृतियां भारत वापस आईं।

ITSA HOSPITALS

क्या आपको भी कैंसर से ज़्यादा, कैंसर के इलाज से डर लगता है?

सही इलाज की शुरुआत सही जानकारी से होती है।

कैंसर के प्रकार:

- स्तन कैंसर
- मुख एवं सिर-गर्दन का कैंसर
- फेफड़ों का कैंसर (ल्यूकेमिया, लिम्फोमा, मायलोमा)
- पाचन तंत्र के कैंसर (पेट, आंत, लीवर, पैंक्रियास)
- स्त्री-रोग संबंधी कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा, गर्भाशय)
- प्रोस्टेट कैंसर
- मस्तिष्क एवं रीढ़ की हड्डी के ट्यूमर
- हड्डी एवं सॉफ्ट टिश्यू ट्यूमर
- बाल्यावस्था के कैंसर

हर कैंसर एक जैसा नहीं होता।
इलाज भी एक जैसा नहीं होना चाहिए।

क्योंकि कैंसर का इलाज सिर्फ ट्यूमर हटाने तक सीमित नहीं होना चाहिए।

ITSA Hospitals में रोगी की बनावट, कार्यक्षमता और जीवन की गुणवत्ता को भी उतनी ही प्राथमिकता देते हैं।

डॉ. जयेश शर्मा
MBBS, MS (Mumbai)
Fellowship in Surgical Oncology (Ahmedabad)
कंसल्टेंट कैंसर सर्जन
25+ वर्षों का क्लिनिकल अनुभव।

लाखों लोगों का भरोसेमंद नाम।
अब आपके निःशुल्क परामर्श के लिए उपलब्ध

दूसरी चिकित्सकीय राय मरीजों को यह समझने में मदद करती है:

- क्या वास्तव में सर्जरी आवश्यक है
- क्या कम आक्रामक इलाज के विकल्प संभव हैं
- रिकंस्ट्रक्शन या रिकवरी के क्या विकल्प उपलब्ध हैं
- रिकवरी और जीवन की गुणवत्ता कैसी हो सकती है

कैंसर का इलाज एक बड़ा फैसला होता है। इसलिए शुरुआत करें

फरवरी 2026 में निःशुल्क परामर्श

अम्बुजा सिटी सेन्टर मॉल के पास, सड्डू, रायपुर, छत्तीसगढ़
+91 7880110000, +91 7880120000 www.itsahospitals.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

विचार पेज
4 चुनौतियों से घिरीं वायुमार्गीय

कारोबारी पूर्व में भी प्रतिबंधित सामान बेचने के आरोप में पकड़ा जा चुका है

खम्हारडीह थाने की पुलिस ने शनिवार को एक कारोबारी के मकान में दबिश देकर लाखों रुपए कीमत का हुक्का, हुक्का पीने के काम आने वाली सामग्री तथा गोगो रोल जब्त किया है। पुलिस जिस कारोबारी के घर में छापे की कार्रवाई करने पहुंची थी, वह पूर्व में इसी तरह के प्रतिबंधित सामान स्टोर करने तथा बेचने के आरोप में पकड़ा जा चुका है। पुलिस कमिश्नर द्वारा गांजा पीने के लिए इस्तेमाल गोगो रोल सहित अन्य रोल पेपर को लेकर हरिभूमि की टीम ने स्टिंग ऑपरेशन कर शनिवार को प्रमुखता के साथ पान ठेला में अभी भी खुलेआम गोगो रोल पेपर बिक्री की खबर प्रकाशित की थी। खबर प्रकाशित होने के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कारोबारी के घर दबिश दी।

हम नहीं सुधरेंगे... कारोबारी से हुक्का गोगो रोल जब्त, पहले भी हो चुकी जब्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खबर का असर

राजीव नगर निवासी अशोक मदानी के निवास में पुलिस ने दबिश देकर घर के अंदर स्टोर कर रखे हुक्का, हुक्का सामग्री के साथ गांजा पीने के लिए इस्तेमाल रोल पेपर जब्त किया है। घर के अंदर से भारी मात्रा में प्रतिबंधित सामान मिलने पर पुलिस ने ▶▶|शेष पेज 8 पर

तीन दिन पूर्व पुलिस कमिश्नर ने लगाई है रोक

गांजा पीने के काम आने वाला किसी भी तरह के पेपर तथा अन्य सामान की खरीदी बिक्री करने पुलिस कमिश्नर ने तीन दिन पूर्व ही रोक लगाने आदेश जारी किया है। रोक के बाद भी कारोबारी के मकान में प्रतिबंधित सामान मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई की है। बताया जा रहा है, कारोबारी शहर के अन्य छोटे दुकानदारों के साथ पान ठेला में गोगो पेपर तथा हुक्का का तंबाखू के साथ पीने के लिए ▶▶|शेष पेज 8 पर

दाम का इतना ज्यादा कम होना कारोबारियों के साथ निवेशकों के भी समझ से बाहर

अजूबा चांदी... चार लाख के पार जाकर 48 घंटे में 2 लाख 95 हजार पर फिसली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

48 घंटों में दाम 118000 हजार कम होकर शनिवार की शाम को जीएसटी के साथ दाम 295000 हो गए। इसके पहले एक ही दिन में शुक्रवार को 82700 रुपए दाम कम हुए थे। चांदी के दाम गुरुवार को बाजार बंद होने पर 4 लाख 13 हजार 700 रुपए थे। इस दाम में शुक्रवार की शाम को छह बजे 71700 रुपए की कमी आ गई और दाम 3 लाख 42000 हो गए। इसके एक घंटे बाद सात बजे जब दाम खुले तो दाम और 11 हजार कम होकर दाम 3 लाख 31000 रुपए हो गए। आधे घंटे बाद दाम में 9 हजार की तेजी आई और दाम 33900 हो गए।

चांदी में नए साल में जिस तरह का दाम को लेकर खेल चल रहा है, वह समझ के बाहर है। कारोबारियों के साथ निवेशक भी नहीं समझ पा रहे हैं कि आखिर हो क्या रहा है। पहले कभी एमसीएक्स में ऐसा नहीं होता था। रात को 12 बजे भी दाम बहुत ज्यादा कम ज्यादा हो रहे हैं। अब शुक्रवार रात की बात लें, रात को 12 बजे 339000 से दाम अचानक 255000 हो गए। इसके बाद फिर दाम तीन लाख के पार हो गए। गुरुवार को दाम चार लाख के पार चले गए थे।

निवेशक भी परेशानी में

चांदी के कम ज्यादा होते दामों के कारण निवेशक भी अब परेशानी में पड़ गए। निवेशकों को समझ ही नहीं आ रहा है कि क्या किया जाए। जिस तरह से एक झटके में 80 से 90 हजार दाम कम हो जा रहे हैं, उससे चांदी में निवेश भी खतरनाक हो गया है। महज फायदे के लिए निवेश करने वाले भी सोच में पड़ गए हैं कि आखिर निवेश करें या नहीं।

कारोबार पूरी तरह से चौपट

चांदी का कारोबार करने वाले सराफा कारोबारी बहुत दयनीय स्थिति में चले गए हैं। कारोबार पूरी तरह से चौपट हो गया है। चांदी में निवेश करने वाले ग्राहकों के साथ ही जेवर लेने वालों का भी टोटा हो गया है। चांदी के थोक कारोबारी लक्ष्मी नारायण लाहोटी के मुताबिक चांदी के जेवर अब वही खरीद रहे हैं जिनको शादी के लिए जरूरत है। इसमें भी अब बहुत कम ग्राम की खरीदारी हो रही है। चांदी की पायल अब 10 और 20 ग्राम की ही बिक पा रही है।

रात को 84 हजार का झटका

शुक्रवार की रात को 12 बजे चांदी के दाम ने 84 हजार का झटका दे दिया और दाम 255000 हो गया। हालांकि ये दाम ज्यादा समय तक नहीं रहा। इसके बाद पहले दाम तीन लाख और फिर दाम तीन लाख पांच हजार हो गए। शनिवार की सुबह को दाम तीन लाख पांच हजार रहे। ये दाम शाम होते-होते दो लाख 95 हजार हो गए। शनिवार को तो सुबह से लेकर शाम तक दाम दस हजार ही घटे, लेकिन गुरुवार से लेकर शनिवार की शाम तक के 48 घंटों में दाम एक लाख 18 हजार टूटे। सराफा कारोबारी हरख मालू के मुताबिक इतने कम समय में पहले कभी इतने दाम कम ज्यादा नहीं हुए हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

31 किलो अल्प्राजोलम टैबलेट जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार करके उनके पास से 31 किलोग्राम अल्प्राजोलम की टैबलेट जब्त किया है। आरोपी कथित तौर पर हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रतिबंधित मादक पदार्थ के अवैध उत्पादन, परिवहन और वितरण में लिप्त एक संगठित नेटवर्क का हिस्सा थे।

बेटा-बेटी के साथ मालगाड़ी के सामने कूदी महिला

हैदराबाद। हैदराबाद में 38 वर्षीय महिला ने अपने बेटे और बेटी के साथ मालगाड़ी के सामने कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। चर्लपल्ली रेलवे स्टेशन के पास रात 12:40 बजे चेंगिचेरला निवासी महिला, उसकी 18 वर्षीय बेटी और 17 वर्षीय बेटा ट्रेन के सामने कूद गए। पोस्टमार्टम के लिए तीनों के शवों को गांधी अस्पताल के शवगृह में भेजा गया है।

दम घुटने से 4 प्रवासी मजदूरों की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक में बेंगलुरु के बाहरी इलाके में किराए के एक मकान में रह रहे चार प्रवासी श्रमिकों की कथित तौर पर दम घुटने से मौत हो गई। ये प्रवासी मजदूर असम के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान जयंत शिंदे, नरेंद्रनाथ, डॉक्टर टाइड और धनंजय टाइड के रूप में हुई है। सभी की उम्र 20 से 25 वर्ष के बीच बताई जा रही है।

3000 करोड़ का निवेश घोटाला

मनोज, गोविंदा, शक्ति कपूर की बढ़ी मुश्किलें, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज : नई दिल्ली

निवेश से जुड़े एक बड़े घोटाले में अभिनेता और बीजेपी सांसद मनोज तिवारी, अभिनेता गोविंदा, शक्ति कपूर और चंकी पांडे समेत कई लोगों की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। इन सभी के खिलाफ निवेशकों को लुभाने और निवेश योजना का प्रचार करने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक गाजियाबाद स्थित कंपनी मैक्सिम टच प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ा यह मामला जमशेदपुर कोर्ट में सामने आया। आरोप है कि कंपनी ने निवेशकों को भारी मुनाफे का लालच दिया था। कंपनी की स्कीम में निवेश करने पर हर महीने करीब 15 प्रतिशत ब्याज देने का वादा किया गया था।

फिल्मी सितारों ने किया था कंपनी का विज्ञापन

बताया जा रहा है कि शिकायत कर्ताओं ने कंपनी में करीब 30 लाख रुपए तक का निवेश किया था। निवेशकों का आरोप है कि कंपनी ने तय समय पर ब्याज और मूलधन वापस नहीं किया। वहीं कंपनी का कहना है कि उसे भारी आर्थिक नुकसान हुआ, जिसके कारण भुगतान नहीं किया जा सका।

कानूनी प्रक्रिया जारी

जानकारी के मुताबिक कंपनी में जमशेदपुर के निवेशकों के करीब 150 करोड़ रुपए और झारखंड के निवेशकों के लगभग 600 करोड़ रुपए फंसे हुए बताए जा रहे हैं। पूरे घोटाले की रकम करीब 3000 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

आज से स्वास्थ्य उपकर

सिगरेट, तंबाकू और पान मसाला महंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क तथा पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर एक फरवरी से लागू हो जाएगा। यह वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की उच्चतम 40 प्रतिशत की दर के ऊपर लगाया जाएगा। ये उपकर और उत्पाद शुल्क इन हानिकारक वस्तुओं पर एक जुलाई 2017 से लागू 28 प्रतिशत जीएसटी और क्षतिपूर्ति ▶▶|शेष पेज 8 पर

पान मसालों पर ऐसी सख्ती

पान मसाला निर्माताओं को नया पंजीकरण कराना होगा। ऐसे उत्पादों के निर्माताओं को सभी पैकिंग मशीनों को कवर करने वाली एक कार्यशील सीसीटीवी प्रणाली लगानी होगी। इसकी फुटेज को कम से कम 24 महीनों तक सुरक्षित रखना होगा। उन्हें उत्पाद शुल्क अधिकारियों को मशीनों की संख्या और उनकी क्षमता की जानकारी भी देनी होगी।

एपस्टीन फाइल्स नई कहानियां, जाल में फंस गए ट्रंप

पीएम मोदी की इजरायल यात्रा सच, बाकी बकवास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

एपस्टीन फाइल्स में प्रधानमंत्री मोदी के इजराइल दौरे के जिक्र से देश में घमासान मचा हुआ है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर हमला बोला है। उधर, विदेश मंत्रालय ने एपस्टीन फाइल्स में पीएम के इजराइल दौरे के जिक्र की बात को विदेश खारिज किया है। मंत्रालय ने कहा है कि 2017 में प्रधानमंत्री मोदी का इजरायल दौरा हुई था। एपस्टीन मेल में इस दौरे की बात पूरी तरह से निराधार और बकवास है। उधर, ट्रंप एपस्टीन फाइल वाले जाल में फंस गए हैं। इससे ट्रंप की मुश्किलें भी बढ़ती दिख रही हैं। दरअसल अमेरिकी न्याय विभाग ▶▶|शेष पेज 8 पर

मस्क को कई बार न्योता

एपस्टीन ने मस्क को अपने प्राइवेट आइलैंड पर आने के लिए कई बार न्योता दिया था लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा ट्रंप की है, जिनका जिक्र इस बार की एपस्टीन फाइल्स में भी है। फाइल्स में ट्रंप के खिलाफ लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों का जिक्र है, साथ ही दस्तावेजों में कई लोगों की गवाही दर्ज है।

ट्रंप-एपस्टीन में दोस्ताना संबंध

एक गवाह के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अक्सर एपस्टीन के पाम बीच वाले घर और निजी क्लब में आते-जाते थे। इतना नहीं कुछ ऐसी तस्वीरें और पुराने मैसेज भी मिले हैं जो ट्रंप और एपस्टीन के बीच दोस्ताना संबंधों को दिखाते हैं।

नए दस्तावेजों में राष्ट्रपति ट्रंप का भी नाम

जारी किए गए नए दस्तावेजों में भी कई प्रभावशाली लोगों के नाम हैं, जिनमें से एक नाम राष्ट्रपति ट्रंप का भी है। इसके अलावा अमेरिकी उद्योग पति बिल गेट्स और एलन मस्क का भी जिक्र हैं। ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू का भी नाम शामिल है। दावा किया है रूसी लड़कियों से संबंध के बाद बिल गेट्स बीमार हो गए थे। इन फाइल्स में एलन मस्क और एपस्टीन के बीच हुए ईमेल एक्सचेंज की जानकारी भी है।

"जमीन के गाइडलाइन के पुनरावलोकन एवं रियायत के बाद
नई संशोधित गाइडलाइन जारी करने पर ,"

धन्यवाद

छत्तीसगढ़ महतारी

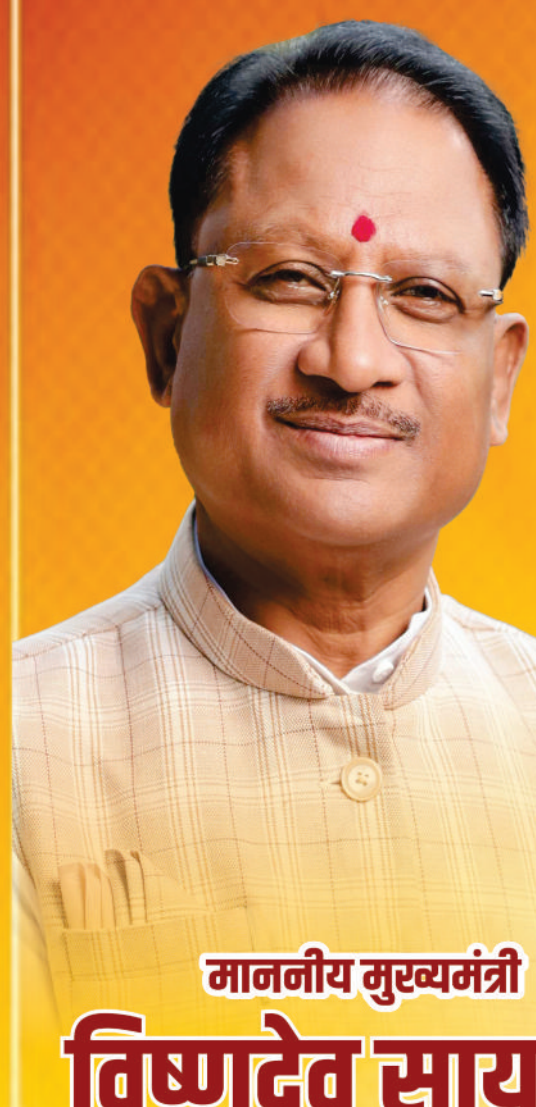

माननीय मुख्यमंत्री
विष्णुदेव साय जी

लोकसभा स्पीकर
डॉ रमन सिंह जी

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष
किरण सिंह देव जी

माननीय उपमुख्यमंत्री
अरुण साव जी

माननीय उपमुख्यमंत्री
विजय शर्मा

वित्त मंत्री, वाणिज्यिक कर मंत्री,
आवास मंत्री एवं पर्यावरण मंत्री
ओ.पी. चौधरी जी

सरलता व्यवहार मा, संकल्प हर काम म,
छत्तीसगढ़ ले विकसित छत्तीसगढ़ बनाए के रद्दा धरे,
हमर मुखिया अऊ ओपी भय्या ला हृदय से आभार।

बृजमोहन अग्रवाल जी

राजेश मूणत जी

अजय चंद्राकर जी

अमित साहू जी

अमित चिमनानी जी

सौजन्य छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट वेलफेयर एसोसिएशन

तरकश

संजय के दीक्षित

एसपी की पीड़ा या दुःसाहस!

छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले के एसपी धर्मेंद्र छवई ने प्रमोशन में नाइंसाफी को लेकर सीधे मुख्यमंत्री और डीजीपी को पत्र लिख डाला। पत्र भी सिंपल नहीं। नाराजगी और गंभीर आरोपों के साथ...फलां-फलां अफसरों का प्रमोशन किया गया तो मेरा क्यों नहीं? हो सकता है, प्रमोशन में एसपी के साथ न्याय न हुआ हो। मगर इससे बड़ा सवाल यह है कि एसपी क्या सीधे मुख्यमंत्री को पत्र लिख सकता है? सरकारी सिस्टम में मुलाजिमों को अपना पक्ष रखने का एक तरीका बनाया गया है। उपर से एसपी ऐसा करें...देश के किसी राज्य में ऐसा नहीं हुआ होगा। जाहिर है, कलेक्टर और एसपी जिलों में मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के तौर पर काम करते हैं। सरकार अपने पसंदीदा अफसरों को ही कलेक्टर-एसपी बनाती है। मगर कलेक्टर-एसपी ही लगे सरकार को निशाने पर लेने तो फिर उस राज्य के सिस्टम का क्या होगा? एक बड़ा प्रश्न यह भी...एसपी ने अगर सीमाएं लांघी तो सिस्टम ने क्या किया? अभी तक नोटिस या शोकॉज जारी होने की भी कोई जानकारी नहीं है। सरकार के अच्छे कामों का संदेश अगर जनता के बीच नहीं जा पा रहा तो इसके पीछे इस तरह की घटनाओं का बड़ा हाथ है।

दमदार अफसर

प्रमोटी आईपीएस अधिकारी सरकार को चमका दे...छत्तीसगढ़ बनने के 25 साल में ऐसा कभी डायरेक्ट आईपीएस अफसरों ने भी नहीं किया। मुकेश गुप्ता जैसे अब तक के सबसे दमदार आईपीएस की भी हिम्मत नहीं पड़ी। अच्छी तरह याद है...मुकेश को डीआईजी से आईजी बनने के लिए कई साल वेट करना पड़ा था। तत्कालीन डीजीपी ओपी राठौर एकदम अड़ गए थे...प्रमोशन नहीं होने दूंगा। मगर मुकेश गुप्ता ने कभी मुख्यमंत्री को पत्र नहीं लिखा। हालांकि, बाद में रमन सिंह ने डीजीपी से बात कर उन्हें मुकेश के प्रमोशन का रास्ता निकाला था। बहरहाल, मुकेश गुप्ता से अधिक डेसिंग वाले प्रमोटी आईपीएस धर्मेंद्र छवई निकले। बता दें, छवई पर बैकडोर से आईपीएस बनने का आरोप लगा था। उन्होंने रापुसे अधिकारी के रूप में पूरी नौकरी एमपी में की थी। वहां एक संवेदनशील केस में सस्पेंड हुए, एफआईआर भी हुआ। खैर, ये निजता का मामला है, इसलिए इस पर टिप्पणी मुनासिब नहीं। बहरहाल, धर्मेंद्र छवई प्लानिंग के तहत एमपी से 18 साल बाद 2018 में छत्तीसगढ़ आए। और उन्होंने छत्तीसगढ़ के रापुसे अधिकारियों के विरोध के बाद भी आईपीएस बनकर दिखा दिया कि उनमें दम तो है। धर्मेंद्र अगर एमपी में होते तो इस साल आईपीएस बनते। बैच भी 2016 या 17 मिलता। छत्तीसगढ़ में वे 2023 में आईपीएस बने और बैच भी 2013 का मिल गया। एसपी के तौर पर बेमेतरा, महासमुंद के बाद कवर्धा उनका तीसरा जिला है। छत्तीसगढ़ में इतने बड़े-बड़े लॉटरी पाने के बाद भी वे सरकार को पत्र लिख मार रहे तो इससे साबित होता है कि वे कितने साहसी पुलिस अधिकारी हैं।

सीएस, डीजीपी की जिम्मेदारी!

छत्तीसगढ़ का सिस्टम अगर डिरेल्ड हो रहा तो, कार्यपालिका की भी जिम्मेदारी बनती है। नए-नए अफसर अगर राज्यपाल के एडीसी बनने से इंकार कर दें, अफसर सरकार का आदेश न माने, पुलिस अधीक्षक नियम-कायदों को ताक पर रख सरकार को पत्र लिख दें, तो इसकी एकाउंटबिलिटी से मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक मुक्त नहीं हो सकते। सरकारी मुलाजिमों की घोर अनुशासनहीनता पर सीएस और डीजीपी अगर कोई कार्रवाई नहीं कर सकते को बुलाकर क्लास लगाने से कौन रोक सकता है। कुल मिलाकर सूबे के मुलाजिमों में अराजकता बढ़ती जा रही है। कर्मचारियों की तुलना में बड़े अधिकारी ज्यादा अनुशासनहीनता कर रहे। इसे अगर ठीक नहीं किया गया तो पूरी पौध खराब हो जाएगी।

आईजी का वसूलीबाज गैंग

पुलिस मुख्यालय जितना सक पा रहा, कार्रवाई भी कर रहा है। एक आईजी साहब ने पिच पर उतरते ही धुआंधार बैटिंग शुरू कर डाली। एक एडिशनल एसपी को गैंग का मुखिया बनाया तो दूसरे जिले के एक सिपाही को भी बुलाकर काम में लगा दिया। मगर बात पहुंच गई इंटेलिजेंस चीफ के पास। उन्होंने आईजी और एडिशनल एसपी को जमकर हड़काया। इससे ज्यादा उनके हाथ में भी नहीं। कॉन्स्टेबल को जरूर एसपी को बोल निपटवा दिया। मगर ये भी सही है कि सिस्टम जब तक सख्त संदेश नहीं देगा, तब तक अराजकता कम नहीं होने वाला।

अफसर सस्पेंड

बात अनुशासनहीनता की निकली तो यहां रायपुर पुलिस कमिश्नर के बैचमेट के निलंबन की घटना ताजा हो गई। बात 2004 की है। सरकार ने नॉन आईपीएस संजय तिवारी को बीजापुर का एसपी बनाया था। उन्होंने नक्सल प्रभावित जिले में जाने से इंकार कर दिया। इस पर डीजीपी ओपी राठौर बड़े नाराज हुए। उन्होंने खुद ही मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह से बात कर संजय तिवारी को सस्पेंड करवाया। बाद मे संजय अपने मूल कैडर एमपी चले गए।

बालाघाट आगे, जशपुर पीछे

छत्तीसगढ़ सरकार ने कुछ साल पहले तय किया था कि अब किसी को न तो एक्सटेंशन दिया जाएगा और न संविदा नियुक्ति। मगर यह संकल्प ऐसा टूटा कि ईएनसी जैसे पदों पर लगातार संविदा नियुक्ति दी जा रही। जल संसाधन के ईएनसी इंद्रजीत को रिटायर होने के बाद जुलाई 2025 में उसी पद पर छह महीने की संविदा नियुक्ति मिली थी। सुना है, उनको अब एक्सटेंशन मिल गया है। ऐसा नहीं कि वहां ईएनसी का कोई दावेदार नहीं। जशपुर के रहने वाले छत्तीसगढ़िया आदिवासी अफसर जेआर भगत ने ईएनसी के संविदा नियुक्ति के खिलाफ कोर्ट में याचिका लगाई तो पर्दे के पीछे पता नहीं क्या चकरी घुमाई गई कि उन्होंने अपनी अर्जी वापिस ले ली। बताते हैं, भगत को बैकफुट पर लाने के लिए उनकी पुरानी फाइल खोल दी गई। उधर, विभाग ने बालाघाट के इंद्रजीत को उपकृत करने ऐसा ताना-बाना बनाया कि एसई से सीई में सालों तक प्रमोशन नहीं हुआ। ताकि, इंद्रजीत को कोई रिप्लेस नहीं कर पाए। भीतरखाने में चर्चाएं ये भी है कि ईएनसी के दावेदार छत्तीसगढ़ियां मुख्य अभियंता को रिटायरमेंट के बाद संविदा पोस्टिंग का प्रलोभन दिया गया ताकि वे मुंह बंद कर लें। पता नहीं इंद्रजीत ने क्या जादू किया कि पूरे सिस्टम को जीत लिया है।

शह-मात की सियासत और गोद

पहले मध्यप्रदेश और फिर राज्य बनने के बाद 18 साल तक बिलासपुर सियासत के मजबूत केंद्र के तौर पर जाना जाता था। मगर 2019 से बिलासपुर की उपेक्षा शुरू हुई, वह निरंतर जारी है। अलबत्ता, अब तो बीजेपी के भीतर ही बिलासपुर में वर्चस्व की लड़ाई छिड़ गई है। पिछले 25 साल से अमर अग्रवाल विधायक हैं। मगर इस समय पड़ोसी जिले के डिप्टी सीएम अरुण साव की नजर बिलासपुर पर है। वे ताकत दिखाने का कोई अवसर नहीं जाने दे रहे। उधर, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू भी बिलासपुर से ही सांसद हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष से लेकर नेता प्रतिपक्ष और विधानसभा अध्यक्ष रह चुके धरमलाल कौशिक बिलासपुर से हैं तो कद्दावर नेता धर्मजीत सिंह भी बिलासपुर के रहवासी हैं। छोटे मियां सुशांत शुक्ला भी जलवा जलाल में कम नहीं। उधर पिछले कुछ दिनों में बिलासपुर में दबदबा कायम करने शह-मात के खेल की कई घटनाएं हुईं, उसका मैसेज अच्छा नहीं गया। लगता है इसीलिए, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बिलासपुर को गोद जैसा लेने का फैसला किया। जाहिर है, शहरों के विकास की बात आई तो सीएम ने रायपुर से पहले बिलासपुर की मीटिंग ली। इस बार 26 जनवरी को उन्होंने झंडा भी बिलासपुर में ही फहराया। 23 साल बाद बिलासपुर में किसी मुख्यमंत्री ने गणतंत्र दिवस को झंडा फहराया। तत्कालीन मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने आखिरी बार 26 जनवरी 2003 को वहां झंडारोहण किया था। इसके बाद डॉ0 रमन सिंह ने 15 साल और भूपेश बघेल ने पांच साल 26 जनवरी को जगदलपुर में झंडा फहराया। बहरहाल, CM का फोकस बढ़ा है तो हो सकता है बिलासपुर का पुराना वजन फिर लौटे। वैसे CM का पुराना संभागीय मुख्यालय बिलासपुर ही रहा है।

रिफार्म पर ब्रेक के पीछे

जमीनों के डायवर्सन के लिए लोगों को रिश्वत देने के बाद भी एसडीएम कार्यालय में काफी चप्पलें घिसनी पड़ती थी। सरकार ने इसकी तोड़ निकाला और आम आदमी को सहूलियत देने के लिए एसडीएम के जमीनों के डायवर्सन के अधिकार को समाप्त कर दिया। डायवर्सन को ऑनलाइन किया गया। कोई भी आदमी खुद ही ऑनलाइन एसडीएम के यहां अप्लाई करेगा और 15 दिन में अगर कोई एक्शन नहीं हुआ तो उसे स्वतः डायवर्टेड मान लिया जाएगा। 13 दिसंबर को नोटिफिकेशन राजपत्र में प्रकाशित भी हो गया। मगर इसके बाद राजस्व विभाग का अमला हरकत में आया। डिप्टी कलेक्टर्स और तहसीलदारों का एक प्रतिनिधिमंडल मंत्री के यहां पहुंच गया। इसका नतीजा यह हुआ कि इस महत्वपूर्ण सुधार के क्रियान्वयन पर ब्रेक लग गया।

CSR का सीईओ

छत्तीसगढ़ के स्टेट कैपिटल रीजन के लिए सरकार ने सेटअप मंजूर कर दिया है। जल्द ही नियुक्यिं शुरू हो जाएंगी। सीएसआर में फर्स्ट पोस्टिंग सीईओ की होगी। सीईओ ही सीएसआर का हेड होगा। पता चला है, सिकेट्री लेवल के आईएएस को इस कुर्सी पर बिठाया जाएगा। अत्यधिक संभावना है कि आवास और पर्यावरण विभाग के सिकेट्री अंकित आनंद को सीईओ की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी जाए। जाहिर है, विभागीय सचिव के नाते सीएसआर का ड्राफ्ट और सेटअप तैयार करने में अंकित की भूमिका रही है।

नेता, समारोह और सोशल मीडिया

सालेक भर से शादी या जन्मदिन जैसी पार्टियों में नेताओं ने एक नया ट्रेंड शुरू किया है। मंत्री, पूर्व मंत्री या जनप्रतिनिधि आजकल पार्टियों में जा रहे तो वहां स्टेज की फोटो और फिर सोशल मीडिया में यह बताते हुए पोस्ट...फलां के यहां शादी या इस कार्यकम में शरीक होकर बधाई दिया। खैर, यह आईडिया बुरा नहीं है। टाईम निकाल नेताजी लोग ऐसे कार्यक्रमों में पहुंचते हैं, तो इसका कुछ आउटकम मिल जाए तो क्या दिक्कत?

प्यास लगने पर कुंआ खोदना

रायपुर में पुलिस कमिश्नरेट लागू हो गया मगर इसके लिए अलग से राशि का प्रावधान नहीं किया गया है। इससे संसाधनों की बात तो दूर, बैठने के ठौर-ठिकानों को लेकर दिक्कतें जा रही। पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला उधारी के कार्यालय में बैठ रहे। पांच डीसीपी पोस्ट हुए हैं, उन्हें कहां बिठाया जाए, यह यक्ष प्रश्न है। पांचों एसपी लेवल के आईपीएस हैं। उन्हें सीएसपी ऑफिस में तो नहीं बिठाया जा सकता। डीसीपी सेंट्रल उमेश गुप्ता को सिविल लाइन थाने के पास ठीकठाक ऑफिस मिल गया है। मगर डीसीपी वेस्ट संदीप पटेल को आमानाका थाने के छत पर बैठना पड़ रहा है। वहीं, डीसीपी नार्थ मयंक गुर्जर के लिए जगह का जुगाड़ नहीं बैठ पा रहा। बाकी एडिशनल डीसीपी और एसीपी को कौन पूछे? सिस्टम को कायदे से पुलिस कमिश्नर के लिए बजट का इंतजाम रखना था। क्योंकि, पुलिस कमिश्नरेट कोई ओवरनाइट नहीं बना है। करीब डेढ़ साल पहले इसकी घोषणा हुई थी। राज्योत्सव के मौके पर ही इसका उद्घाटन किया जाना था, जो किसी कारणों से नहीं हो पाया। 31 दिसंबर को कैबिनेट की बैठक में डेट का भी ऐलान कर दिया गया था। कमिश्नरेट की तैयारी के लिए 23 दिन कम नहीं होते। मगर सिस्टम ने कुछ नहीं किया। अब प्यास लगने पर कुंआ खोदने जैसा काम किया जा रहा।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. क्या ये सही है कि पुलिस कमिश्नरेट बनने से अफसरशाही इतनी दुखी हुई कि उद्घाटन के मौके पर कोई जलसा या कार्यक्रम नहीं किया गया?
2. अफसरों की अनुशासनहीनता पर भी सिस्टम सौम्य क्यों बना हुआ है?

केंद्रीय बजट में बस्तर के लिए विशेष पैकेज घोषित करे मोदी सरकार

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने केंद्रीय बजट में छत्तीसगढ़ के लिए मोदी सरकार से पूर्व में घोषित योजनाओं के लिए बजट प्रावधान और नक्सल प्रभावित बस्तर के विकास और पुनर्वास के लिए विशेष पैकेज की मांग की है।

■ छत्तीसगढ़ की लंबित योजनाओं को शामिल किया जाए- बैज

उन्होंने कहा, भाजपा की सरकार ने रायपुर से राजनांदगांव होकर हैदराबाद हाईवे की घोषणा 2022 के बजट में की थी, आज तक सर्वे तक नहीं हुआ। नया रायपुर में एम्स के लिए राज्य सरकार द्वारा 2022 में जमीन अधिग्रहित करके केंद्र सरकार को हैंडओवर कर दिया गया है, लेकिन आज तक एक नया पैसा नए एम्स के लिए जारी नहीं हुआ। रायपुर से बलौदाबाजार होकर सारंगढ़ उड़ीसा रेल लाइन अब तक केवल घोषणाओं से बाहर नहीं आ पाई है, बिलासपुर में वैगन निर्माण कारखाना और जगदलपुर, बिलासपुर और अंबिकापुर एयरपोर्ट के विस्तार और कार्गो हब को प्रमुखता से शामिल किया जाए।

भारत में वायुमार्गीय यात्रा अप्रत्याशित रूप में असुरक्षित हुई है, इसमें संदेह नहीं है। प्रतिवर्ष कोई न कोई विमान दुर्घटना हो रही है, जो मानव को आधुनिकता तथा विज्ञान के अभिशाप से निरंतर परिचित करा रही है। बढ़ती आबादी, मध्यम वर्ग का विस्तार, व्यापार और पर्यटन में वृद्धि तथा क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की बढ़ती मांग ने हवाई यात्रा को अब केवल लग्जरी नहीं, बल्कि जरूरत बना दिया है। वहीं, देखने में आता है कि राजनीतिक दबाव या समय की कमी के कारण विमान चालक प्रतिकूल मौसम में भी उड़ान भरने का जोखिम उठाते हैं, जबकि मौसम की प्रतिकूलता की स्थिति में राजनीतिक दबाव की तुलना में उड्डयन मानकों का कठोरतापूर्वक पालन सुनिश्चित होना अधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए। कह सकते हैं कि एविएशन सेक्टर में एक तरफ विकास की अपार संभावनाएं हैं तो दूसरी तरफ चुनौतियां भी मौजूद हैं। इसके लिए सरकार को इस क्षेत्र में कनेक्टिविटी के साथ-साथ सिस्टम और सुरक्षा को भी मजबूत बनाना होगा, ताकि विमान हादसों पर यथासंभव रोक लगाई जा सके। दीर्घकालिक नीति, स्थिर निवेश, कौशल विकास, तकनीकी नवाचार और पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण अपनाकर ही इस क्षेत्र को वास्तव में सशक्त बनाया जा सकता है। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

चुनौतियों से घिरीं वायुमार्गीय यात्राएं

विश्लेषण

विकेश कुमार बडोला

वरिष्ठ पत्रकार

हाल ही में हुई विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजित पवार की असामयिक मृत्यु ने देश में वीआईपी वायु यात्रा और वायु मार्गों के सुरक्षा प्रबंधन पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। भारत जैसे विशाल तथा सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में राजनीतिक गतिविधियों और शासन के सुचारू संचालन के लिए आज विमान यात्रा एक आवश्यकता बन चुकी है, किंतु आवश्यकता के बढ़ने पर भी अधि संख्या में होने वाली विमान यात्राओं की शत-प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो सकी है।

विमानों के माध्यम से वायुमार्गीय यात्रा अप्रत्याशित रूप में असुरक्षित हुई है, इसमें संदेह नहीं है। प्रतिवर्ष कोई न कोई विमान दुर्घटना हो ही रही है, जो मानव को आधुनिकता तथा विज्ञान के अभिशाप से निरंतर परिचित करा रही है। सीडीएस विपिन रावत का हेलिकॉप्टर, गुजरात में बोइंग विमान और अब महाराष्ट्र में अजित पवार का निजी विमान, सभी भयंकर रूप में दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। उप-मुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में असामयिक मृत्यु ने देश में वीआईपी वायु यात्रा और वायु मार्गों के सुरक्षा प्रबंधन पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। भारत जैसे विशाल तथा सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में राजनीतिक गतिविधियों और शासन के सुचारू संचालन के लिए आज विमान यात्रा एक आवश्यकता बन चुकी है, किंतु आवश्यकता के बढ़ने पर भी अधि संख्या में होने वाली विमान यात्राओं की शत-प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो सकी है।

हवाई पट्टियों का समुचित प्रबंधन

नवीन विमान दुर्घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। यह घटना केवल एक व्यक्तिगत क्षति नहीं है, बल्कि इसने हमारे देश के विमानन सुरक्षा नवाचार तथा विशेष रूप में लघु नगरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हवाई पट्टियों के समुचित प्रबंधन पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। अजित पवार की मृत्यु ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वायुमार्गीय वीआईपी आवागमन की समयावधि में सुरक्षा के उच्चतम मानकों में थोड़ी सी भी चूक प्राणघाती सिद्ध हो सकती है। अभी भारत में कई ऐसी हवाई पट्टियां हैं जो जनपदीय प्रशासन के अधीन हैं, जहां नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के निर्दिष्ट मानकों का पूर्ण पालन प्रायः चुनौतीपूर्ण होता है।

इस स्थिति में हवाई पट्टियों का समुचित संचालन अत्यावश्यक हो जाता है, और ऐसा होने पर ही वायुमार्ग का आवागमन सुरक्षा की परिधि में हो सकता है। विमान दुर्घटनाओं की त्रासदी के आलोक में, वीआईपी आवागमन को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित करने के लिए अनेक कार्य करने होंगे। इसके लिए सर्वप्रथम विमानन के बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण आवश्यक है।

नेविगेशन की सुविधाएं नगण्य

देश में अधिसंख्य अस्थायी अथवा लघु आकार की हवाई पट्टियों पर रात्रि में विमान को उतारने की सुविधाएं व प्रबंधकीय व्यवस्थाएं अपर्याप्त हैं। प्रतिकूल वातावरण में नेविगेशन की सुविधाएं नगण्य हैं। जो सुविधाएं हैं, वे भी पुरानी हैं। इस दिशा में जो भी सुधार किए जाने हैं, वे तत्काल प्रभाव से युद्ध स्तर पर किए जाने चाहिए। इसके अंतर्गत सभी सक्रिय हवाई पट्टियों पर सटीक दृष्टिकोण पथसंकेतक लगाये जाएं। आधुनिक प्रकाश प्रणाली स्थापित की जाएं। रनवे की सतह और उसकी लंबाई का नियमित रूप में सुरक्षा परीक्षण अनिवार्य हो। मौसम संबंधी पूर्वानुमान प्रणाली को दुर्घटनाओं की चुनौतियों के अनुसार सुदृढ़ किया जाना चाहिए। पहाड़ी या तटीय क्षेत्रों में, जहां मौसम क्षण-प्रतिक्षण परिवर्तित होता रहता है, वहां के लिए विशिष्ट पूर्वानुमान प्रणालियां सुव्यवस्थित ढंग से क्रियान्वित हों। उड़ानों के लिए केवल सामान्य मौसमीय जानकारी पर निर्भर रहने की तुलना में, हवाई पट्टियों पर प्रतिक्षण की मौसमीय जानकारी देने वाले स्वचालित मौसम सूचना प्रणालियां स्थापित की जाएं। विमान चालकों को उड़ान भरने से ठीक पहले मौसम की उपयुक्त जानकारी सुनिश्चित की जाए।

उड्डयन मानकों का पालन

प्रायः देखने में आता है कि राजनीतिक दबाव या समय की कमी के कारण विमान चालक प्रतिकूल मौसम में भी उड़ान भरने का जोखिम उठाते हैं। जबकि मौसम की प्रतिकूलता की स्थिति में राजनीतिक दबाव की तुलना में उड्डयन मानकों का कठोरतापूर्वक पालन सुनिश्चित होना अधिक महत्वपूर्ण होगा। वीआईपी आवागमन का अंतिम निर्णय विमान चालक के स्तर पर होना चाहिए। वहीं निश्चित करें कि उड़ान भरी जानी है अथवा स्थगित करनी है। यदि विमान चालक मौसम या तकनीकी कारणों से उड़ान भरने से मना करता है, तो बिना किसी प्रशासनिक दबाव के उसे स्वीकार किया जाना चाहिए। इसके लिए सुरक्षा संबंधी अतिरिक्त समय-निर्धारण की कार्यसंस्कृति विकसित की जाए, जिसमें निर्धारण हेतु निर्णायक की भूमिका में विमान चालक ही हो। उड्डयन संबंधी जो भी मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारित है, उसका हर परिस्थिति में कठोरतापूर्वक पालन हो। वैसे तो नागरिक उड्डयन महानिदेशक के पास वीआईपी आवागमन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश होते हैं, किंतु धरातल पर इनका पालन नहीं होता। देखा गया है कि राजनीतिक मनमर्जी ऐसे दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करने देती। इस स्थिति पर उड्डयन संबंधी नियमों का कठोर नियंत्रण सुनिश्चित होना चाहिए।

ईंधन गुणवत्ता की सघन जांच

उड़ान से पूर्व विमानों की तकनीकी उपयुक्तता का प्रमाणपत्र तथा ईंधन की गुणवत्ता की द्विस्तरीय सघन जांच होनी चाहिए। विमान को भूमि पर उतारने तथा उड़ान की समयावधि में विमान स्थल के कर्मचारियों और अग्निशमन संसाधनों की उपलब्धता अत्यंत अनिवार्य हो। विमान चालकों का प्रशिक्षण यदि गुणवत्तापूर्ण होगा तथा यदि उनके अधि कार्यघंटों को ध्यान में रख समुचित विश्राम देने का प्रबंधन नियमित होगा, तो भी दुर्घटनाओं की संभावनायें कम होंगी।

चालकों को हो विशेष अनुभव

देखा जाता है कि प्रायः एक ही चालक दल निरंतर कई यात्राओं में उड़ान व्यस्त होता है। यह स्थिति तत्काल प्रभाव से बदली जानी चाहिए। वीआईपी उड़ानों के लिए चालकों का विशेष अनुभव भी निर्धारित होना चाहिए। उन्नत संचार तकनीकों की भी वायुमार्गीय विमान यात्रा को सुरक्षित करने में व्यापक भूमिका हो सकती है।

इसके साथ ही, ध्यान रहे कि जिनके पास इनके संचालन का कार्यदायित्व हो, वे कार्य के प्रति निष्ठापूर्वक होकर समर्पित रहें।

संभावनाओं के साथ चुनौतियां भी कम नहीं

दृष्टिकोण

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

भारत का एविएशन सेक्टर दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। पिछले कुछ सालों में हवाई यात्रा करने वाले लोगों की संख्या बहुत बढ़ी है, लेकिन विमानों की कमी एक बड़ी समस्या बनी हुई है। इस साल एविएशन सेक्टर का भविष्य मिश्रित दिखाई देता है। एक तरफ विकास की संभावनाएं हैं, दूसरी तरफ चुनौतियां - जैसे विमान और पायलटों की कमी तथा वित्तीय नुकसान। सबसे पहले, विमानों की कमी की वजह समझते हैं। भारत में एयरलाइंस जैसे इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट तेजी से फैल रही हैं। विमान बनाने वाली कंपनियां जैसे बोइंग और एयरबस समय पर विमान नहीं दे पा रही हैं। सप्लाई चेन की समस्या, कच्चे माल की कमी और मजदूरों की कमी से उत्पादन प्रभावित हो रहा है। जानकारों का मानना है, 2026 में घरेलू हवाई यात्री ट्रैफिक में सिर्फ 0-3% की बढ़ोतरी हो सकती है। वैश्विक स्तर पर देखें तो अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) की रिपोर्ट कहती है कि 2026 में हवाई यात्री ट्रैफिक में 4.9% की बढ़ोतरी होगी। भारत इसमें बड़ा योगदान देगा, क्योंकि यहां अर्थव्यवस्था मजबूत है और मध्यम वर्ग बढ़ रहा है। 2026 में एविएशन सेक्टर कैसा रहेगा? सकारात्मक पक्ष से शुरू करें। बोइंग ने घोषणा की है कि 2026 में भारतीय एयरलाइंस को 25 नए विमान दिए जाएंगे। यह क्षमता बढ़ाएगा और कनेक्टिविटी बेहतर होगी। कुल मिलाकर, भारत का फ्लीट 2026 में 100 से ज्यादा विमानों से बढ़ सकता है। एयरबस का अनुमान है कि 2035 तक भारत का कमर्शियल फ्लीट तीन गुना होकर 2250 विमानों तक पहुंच जाएगा। अभी यह 850 के आसपास है। यूनियन बजट में एविएशन पर फोकस है। इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार, एयरपोर्ट क्षमता बढ़ाना और सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है। विंग्स इंडिया 2026 जैसे इवेंट में नए सौदे और निवेश की बात हो रही है। बोइंग का कहना है कि 2044 तक भारत और दक्षिण एशिया को 3300 नए विमानों की जरूरत होगी, जिसमें 90% सिंगल-आइसल जेट होंगे। इससे रोजगार बढ़ेगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं हैं। विमानों की कमी से एयरलाइंस ग्रोथ नहीं कर पा रही हैं। जानकारी के अनुसार, 2026 में वैश्विक स्तर पर 120 बिलियन डॉलर के नए विमान डिलीवर होंगे। भारत में पायलटों की कमी एक बड़ी समस्या है। बिजनेस एविएशन में पायलट शॉर्टेज और मेंटेनेंस की दिक्कतें हैं। 2035 तक 35,000 पायलटों की जरूरत होगी, अभी सिर्फ 12,000 हैं। टेक्निकल स्टाफ भी तीन गुना बढ़ाना पड़ेगा। अब बात सुधार की। एविएशन सेक्टर में सुधार के लिए कई कदम उठाए जा सकते हैं। सबसे पहले, सरकार को इंफ्रास्ट्रक्चर पर और निवेश करना चाहिए। इकोनॉमिक सर्वे 2025-26 में कहा गया है कि एविएशन, पोर्ट्स और शिपिंग में मजबूत ग्रोथ होगी, और जीडीपी ग्रोथ 7% तक पहुंच सकती है। 10 सालों में 200 एयरपोर्ट हो सकते हैं, अभी 150 हैं। मेक इन इंडिया के तहत विमान पार्ट्स बनाने वाली फैक्टरियां लगाएं। बोइंग और एयरबस से ज्यादा पार्टनरशिप करें। पायलट ट्रेनिंग के लिए नए संस्थान खोलें। मेंटेनेंस के लिए स्पेयर पार्ट्स की लोकल सप्लाई चेन बनाएं। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करें, जैसे एआई से उड़ान शेड्यूल ऑप्टिमाइज करें और साइबर सिक्योरिटी मजबूत करें। एयरलाइंस को फाइनेंशियल सपोर्ट दें, जैसे टैक्स छूट। सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) पर फोकस करें ताकि पर्यावरण सुरक्षित रहे। 2025 में हुई दुर्घटनाओं से सीखें और ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाएं। कुल मिलाकर, अगर ये सुधार किए गए तो 2027 में ट्रैफिक 6-8% बढ़ सकता है। इस बाबत ईमानदारी से प्रयास किए जाने जरूरी हैं। बेशक, 2026 में भारत का एविएशन सेक्टर चुनौतियों से भरा रहेगा, लेकिन विकास की राह पर है। विमानों की कमी से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। अधिकतर एयरलाइंसों का अपने मुसाफिरों को लेकर रवैया कोई बहुत सही तरह का नहीं रहता। राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ही अराजकता फैली रहती है। मुसाफिरों को यहां से वहां धक्के खाने पड़ते हैं। अगर सरकार, एयरलाइंस और मैन्युफैक्चरर्स मिलकर काम करें तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट बन सकता है। यह न सिर्फ अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा बल्कि लाखों लोगों को रोजगार देगा। उम्मीद है कि आने वाले महीनों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।

बोइंग का कहना है कि 2044 तक भारत और दक्षिण एशिया को 3300 नए विमानों की जरूरत होगी, जिसमें 90% सिंगल-आइजल जेट होंगे। इससे रोजगार बढ़ेगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं हैं। विमानों की कमी से एयरलाइंस ग्रोथ नहीं कर पा रही हैं।

हवाई आधारभूत संरचना में मजबूती लाना जरूरी

मुद्दा

वरिष्ठ पत्रकार

योगेश कुमार सोनी

बीती 28 जनवरी को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान हादसे में निधन हो गया। इस घटना से पूरे राजनीतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार विजिबिलिटी कम होने की वजह से बारामती में रनवे नहीं दिखा और लैंडिंग की कोशिश नाकाम हो गई थी, इसलिए यह हादसा हुआ। इस घटना के बाद से सवाल उठ रहे हैं कि विमान दुर्घटना की जांच को लेकर भारत में इसके लिए कितना इंफ्रास्ट्रक्चर है? और यह सच संपूर्ण रूप से बाहर आ पाता है या नहीं कि दुर्घटना किस वजह से हुई? कमर्शियल से लेकर प्राइवेट प्लेन तक दुर्घटनाओं की चपेट में आ रहे हैं। जबकि भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में प्लेन का सफर सबसे ज्यादा जोखिम भरा माना जाता है। चूंकि यदि छोटी सी भी घटना या प्लेन में कोई कमी हो जाए तो निश्चित तौर पर मौत तय है और इसलिए प्लेन की पूरी तरह से जांच होनी अनिवार्य होती है। इस क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना यह है कि जिस स्तर पर भारत की जनसंख्या बढ़ी और हर तरह के विमान में बढ़ोतरी हुई, उस स्तर पर सिस्टम अपडेट व अपग्रेड नहीं हुआ। आंकड़ों के अनुसार पिछले पांच साल में भारत में कुल 53 हवाई हादसे हुए हैं। इन हादसों में कुल 320 से ज़्यादा लोगों की जान गई है। जबकि करीब 180 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

वहीं, साल 1947 से लेकर अब तक हुए हादसों में 2,000 से अधिक लोगों की जान गई है। भारत में कुल 487 हवाई अड्डे और हवाई पट्टियां हैं जिनमें से भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण 137 का प्रबंधन करता है इनमें 34 अंतरराष्ट्रीय और कई घरेलू हवाई अड्डे शामिल हैं और भारत में लगभग 148 परिचालन हवाई अड्डे हैं, जो यात्रियों को कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं। यह कमर्शियल व प्राइवेट दोनों के लिए हैं। देश में लगभग हर वर्ष एक बड़ा विमान हादसा हो रहा है। इससे तंत्र प्रणाली को सबक लेना चाहिए, चूंकि केवल बजट पारित करने के अलावा हाई टेक सिस्टम के साथ अपडेट होने की जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुसार खासतौर पर टेकऑफ और लैंडिंग के दौरान मौसम का असर सबसे घातक साबित होता है। मौसम सीधे तौर पर विमान की विजिबिलिटी बैलेंस, इंजन कैपेसिटी और पायलट के निर्णय को प्रभावित करता है। खराब मौसम में एक छोटी-सी चूक भी बड़ी दुर्घटना में बदल सकती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार किसी भी फ्लाइट के कुल समय का केवल 5 से 6 प्रतिशत हिस्सा टेकऑफ और लैंडिंग में लगता है लेकिन 70 प्रतिशत से ज्यादा हवाई हादसे इसी चरण में होते हैं और इसके लिए हम किसी भी रूप में अपडेट नहीं हो पाते। यही कारण है कि हम विमान के हादसे की सही से जांच नहीं कर पाते। इसकी वजह से अधिकतर मामलों में सच सामने आ ही नहीं पाता। हमारा इंफ्रा उतना मजबूत नहीं है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय मुख्य काम हवाई अड्डों की योजना, सुरक्षा, विमान नियम बनाना और हवाई यातायात सेवाओं की देखरेख करना है, लेकिन इतने बड़े मंत्रालय के पास अधिकतर अपने कार्य से संबंधित उत्तर नहीं होता तो इसमें आम आदमी को सही उत्तर कहां से मिलेगा। यदि भारत में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़े तो उसके लिए हमारे पास अधिकतर रूट पर बहुत ज्यादा विकल्प नहीं है और स्थिति तो यह भी है कि बड़े-बड़े एयरपोर्ट के पास तक कॉलोनियां बसी हुई हैं। हम हादसों से पहले कभी जागते नहीं और कुछ दिन मात्र अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर फिर से पुराने ढर्रे पर चल पड़ते हैं। बहरहाल, कोई भी सरकार नहीं चाहती कि इस तरह के हादसे हों, लेकिन यदि किसी घटना की आशंका जिस वजह से ज्यादा हो, उस पर गंभीरता दिखाना सरकार का कर्तव्य माना जाता है। उड्डयन तंत्र प्रणाली को लेकर भी अब सजग होना अनिवार्य है। हमारे देश में हर रोज लगभग 6 लाख लोग हवाई सफर करते हैं। हवा में यात्रा करना भरोसा होता है सिस्टम पर, चूंकि एक विमान में 600 तक लोगों के बैठने की क्षमता होती है और उसके संचालित करने के लिए टीम होती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि बीते दशक भर में हमारे देश में सड़कों पर बहुत बड़े स्तर पर काम हुआ है और हम इसी तरह की उम्मीद हवाई यात्रा की तंत्र प्रणाली के लिए करते हैं ,चूंकि अब हवाई सफर करने वालों की संख्या हर रोज बढ़ रही है।

विशेषज्ञों का मानना यह है कि जिस स्तर पर भारत की जनसंख्या बढ़ी और हर तरह के विमान में बढ़ोतरी हुई, उस स्तर पर सिस्टम अपडेट व अपग्रेड नहीं हुआ।

कनेक्टिविटी के साथ-साथ सिस्टम पर भी ध्यान दे सरकार

व्यवस्था

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय एविएशन सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन क्रैश, साइबर अटैक, तकनीकी खराबियों और उड़ानों में अव्यवस्था ने सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं। बजट 2026 से उम्मीद है कि सरकार कनेक्टिविटी के साथ-साथ सिस्टम और सुरक्षा को भी मजबूत करेगी।

भारतीय एविएशन के लिए बीता हुआ साल बेहद मुश्किल साल रहा। एयर इंडिया का एक जानलेवा हादसा, एयरलाइंस और एयरपोर्ट सिस्टम पर साइबर अटैक, लगातार टेक्निकल खराबियां और दिसंबर में इंडिगो की बड़ी गड़बड़ी ने दिखा दिया कि सिस्टम कितना नाजुक हो गया है। इंडियन एविएशन सेक्टर आज जिस स्थिति में खड़ा है, उसे देखकर यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत की आसमान में उड़ान भरने की महत्वाकांक्षा और उसकी जमीनी हकीकत के बीच बेहद गहरा अंतर है। बीते दशक में भारत ने एविएशन के बुनियादी ढांचे, एयरपोर्ट्स, क्षेत्रीय संपर्क और यात्रियों की संख्या के लिहाज से अभूतपूर्व बढ़ोतरी दर्ज की है, लेकिन एयरलाइंस के ऑपरेशन्स, फाइनेंशियल स्टेबिलिटी और कम्पेटिटिव एनवायरमेंट के मोर्चे पर तीव्र संकट से गुजर रहे है। सवाल अहम है कि क्या भारत की एविएशन इंडस्ट्री जितनी तेजी से बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से उसे सुरक्षित रखने वाले सिस्टम भी मजबूत हो रहे हैं? पहले चर्चा सिर्फ विस्तार (एक्सपेंशन) की होती थी, अब बात दबाव और जोखिम की होने लगी है।

यह विरोधाभास जितना चौंकाने वाला है, उतना ही चिंताजनक भी। भारत में एविएशन सेक्टर में विकास की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन यह विकास टिकाऊ तभी होगा, जब मार्केट स्ट्रक्चर हेल्दी हो, नीतियां संतुलित हों और रेगुलेशन स्ट्रॉन्ग हो। आज की स्थिति में इंडिगो जैसी कंपनियों की मोनोपोली जितनी यात्रियों के लिए हानिकारक है, उतनी ही उद्योग के लॉन्ग टर्म फ्यूचर के लिए भी। भारतीय एविएशन सेक्टर को गौर से देखें तो यह दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता एविएशन मार्केट है, जो अभी मुख्यतः इंडिगो और एयर इंडिया पर ही टिका है। भारी संख्या में फ्लाइट पैसेंजर होने के बावजूद दूसरी कोई एयरलाइंस इस इंडस्ट्री में प्रभावी नहीं है। एविएशन एक्सपर्ट के मुताबिक, यह कोई सामान्य समस्या नहीं है, बल्कि खराब पॉलिसी का नतीजा है। पिछले 20 सालों में जब भी जेट

आज की स्थिति में इंडिगो जैसी विमान कंपनियों की मोनोपोली जितनी यात्रियों के लिए हानिकारक है, उतनी ही उद्योग के लॉन्ग टर्म फ्यूचर के लिए भी है।

एयरवेज या किंगफिशर जैसी बड़ी एयरलाइंस डूबीं, तो उस समय भी सरकार की ओर से इन कंपनियों को बचाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अगर सरकार समय से कदम उठाती तो संभवतः आज हजारों नौकरियां सुरक्षित और हमारी हवाई क्षमता बेहतर होती। सरकार एविएशन सेक्टर में किसी भी तरह के नए निवेश को आकर्षित करने में विफल रही है। आज, सरकार की बहुप्रचारित 'उड़ान' योजना का हश्र देखिए। दावा था 2,500 रुपये में हवाई यात्रा का, लेकिन दिसंबर 2025 में सरकार खुद 1500 किमी से कम की उड़ानों के लिए 18,000 रुपये तक की कैपिंग (सीमा) लगा रही है। एकाधिकार की प्रवृत्ति को रोकने के लिए और अधिक एयरलाइंस की सख्त जरूरत है। वर्तमान में, भारतीय घरेलू विमानन बाजार पर मुख्य रूप से दो बड़े समूहों का वर्चस्व है, जिससे प्रतिस्पर्धा का संतुलन बिगड़ गया है। बाजार का लगभग 90 फीसदी हिस्सा केवल इन दो समूहों (इंडिगो और टाटा) के नियंत्रण में है। भारत में और एयरलाइंस की सख्त आवश्यकता है। नई एयरलाइंस न केवल किराया कम करने में मदद करेंगी, बल्कि परिचालन संकट के समय बाजार को स्थिरता भी प्रदान करेंगी। भारत का एविएशन उद्योग सालाना 10 से 12 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, यह दुनिया में सबसे तेज ग्रोथ है। उस हिसाब से नए निवेश को आकर्षित करना चाहिए। मौजूदा हालात से बचने के लिए सरकार को अपना लागत ढांचा तर्कसंगत बनाना चाहिए। अभी बेइंतहां टैक्स है, एयरपोर्ट ऑपरेटर्स यात्रियों से तरह-तरह के शुल्क ले रहे हैं। जीएसटी आदि के नाम पर भी तरह तरह के टैक्स हैं। इन सारी वजहों से इस सेक्टर पर नए निवेश नहीं आ पा रहे हैं।

दूसरी सलाह है, बाज़ार हिस्सेदारी की सीमा तय की जानी चाहिए और 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी की इजाज़त नहीं दी जानी चाहिए। भारत यदि विश्व का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट बनना चाहता है तो उसे नीतियों को विस्तार से परे जाकर गहराई में सुधारना होगा। सबसे पहला उपाय होना चाहिए, एटीएफ को जीएसटी में लाना, दूसरा डीजीसीए को अधिक स्वायत्त, सशक्त और उत्तरदायी संस्था बनाया जाए, तीसरा यात्रियों को यूरोपीय मॉडल की तरह मुआवजे का कानूनी अधिकार मिले और चौथा नए खिलाड़ियों के प्रवेश को सरल बनाया जाना चाहिए, ताकि प्रतिस्पर्धा बनी रहे। भारत का एविएशन सेक्टर आज आईसीयू में है। हमने 'प्रतिस्पर्धा' को मारकर 'एकाधिकार' को चुना है। 2009 के 'राष्ट्रीय परिवहन विकास नीति समिति' ने जिस वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर का सपना देखा था, उसे आज 'सेल्फी पॉइंट्स' और महंगे एयरपोर्ट बर्गर में बदल दिया गया है।

एविएशन सेक्टर : थोड़ा है और थोड़े की जरूरत है

विस्तार

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

निश्चित तौर पर भारत का एविएशन सेक्टर यानी उड्डयन क्षेत्र बीते एक दशक में तेजी से विकसित हुआ है। बढ़ती आबादी, मध्यम वर्ग का विस्तार, व्यापार और पर्यटन में वृद्धि तथा क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की बढ़ती मांग ने हवाई यात्रा को अब केवल लग्जरी नहीं, बल्कि जरूरत बना दिया है। आज हवाई सफर समाज के हर वर्ग की पहुंच में आता दिखाई दे रहा है।

यह बदलाव भारत की बदलती आर्थिक और सामाजिक तस्वीर को भी दर्शाता है। हाल के वर्षों में केंद्र सरकार ने देशभर में हवाई अड्डों के बुनियादी ढांचे के विस्तार पर विशेष जोर दिया है। पटना, दतिया, सतना, अमरावती, तूतीकोरिन, पूर्णिया, नवी मुंबई और गुवाहाटी जैसे शहरों में नए एयरपोर्ट और आधुनिक टर्मिनल सुविधाओं का विकास किया गया है। इससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत हुई है और बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र तथा तमिलनाडु जैसे राज्यों में आर्थिक गतिविधियों को गति मिली है। सरकार और निजी क्षेत्र की साझेदारी ने इस सेक्टर को नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ाया है। इसके बावजूद यह कहना जल्दबाजी होगी कि हम पूरी तरह संतुष्ट स्थिति में पहुंच चुके हैं। इस क्षेत्र में अभी कई बुनियादी जरूरतें और कमियां मौजूद हैं। सीनियर एविएशन कंसल्टेंट जी. एस. बाबा के अनुसार, हम प्रगति के रास्ते पर जरूर हैं और संभावनाएं भी बहुत हैं, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। सबसे पहले विमानों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है। इसके साथ पायलटों के प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता और रखरखाव ढांचे को मजबूत करना भी उतना ही आवश्यक है। सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल की दिशा में तेज प्रगति भी समय की मांग है। विमानों की उपलब्धता के संदर्भ में भी बड़ा अंतर दिखाई देता है। वर्तमान जरूरतों और भविष्य की मांग को देखते हुए बेड़े के विस्तार की आवश्यकता है। ऐसे में 'मेक इन इंडिया' के तहत विमान निर्माण और एयरोस्पेस विनिर्माण को बढ़ावा देने के प्रयास सकारात्मक संकेत देते हैं। पायलट प्रशिक्षण और तकनीकी कौशल विकास के लिए समर्पित समझौते (एमओयू) और प्रशिक्षण ढांचे का विस्तार भी उत्साहजनक कदम है। साथ ही भारत में एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहाल) सुविधाओं का विकास इस क्षेत्र को

दीर्घकालिक नीति, स्थिर निवेश, कौशल विकास, तकनीकी नवाचार और पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण अपनाकर ही इस क्षेत्र को वास्तव में सशक्त बनाया जा सकता है।

आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर इस सेक्टर की रीढ़ है। यदि हम घरेलू यातायात को बेहतर ढंग से विकसित और व्यवस्थित कर लें, तो आत्मनिर्भर एविएशन प्रणाली बनाना कठिन नहीं होगा।सरकार द्वारा छोटे एयरपोर्ट के विकास और छोटे विमानों के संचालन को बढ़ावा देना एक प्रभावी रणनीति साबित हो सकती है। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना 'उड़ान' के माध्यम से टू-टियर और थ्री-टियर शहरों को जोड़ने का प्रयास सराहनीय है। इससे न केवल यात्रियों को सुविधा मिलती है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल और पर्यावरण-अनुकूल नीतियों पर काम भी भविष्य की जरूरतों के अनुरूप है।हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। कई एयरलाइंस आर्थिक दबाव का सामना कर चुकी हैं। ईंधन की ऊंची कीमतें, जटिल टैक्स ढांचा, सीमित एयरपोर्ट स्लॉट, परिचालन लागत और प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी विकास की गति को प्रभावित करती है। छोटे हवाई अड्डों की व्यावसायिक व्यवहार्यता भी एक गंभीर प्रश्न है, वहां इंफ्रास्ट्रक्चर तो बन जाता है, पर यात्री संख्या और उड़ानों की निरंतरता सुनिश्चित करना चुनौती बना रहता है। सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन भी इस क्षेत्र की अनिवार्य जरूरतें हैं। बढ़ते हवाई यातायात के साथ सुरक्षा मानकों को और सख्त करना होगा। एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट, विमान रखरखाव और तकनीकी निगरानी को विश्वस्तरीय बनाना आवश्यक है। साथ ही कार्बन उत्सर्जन कम करने और हरित ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। यह भी जरूरी है कि एविएशन सेक्टर केवल महानगरों तक सीमित न रहे। उत्तर-पूर्व, पहाड़ी और दूरदराज क्षेत्रों में हवाई संपर्क जीवनरेखा का काम कर सकता है। मेडिकल इमरजेंसी, आपदा प्रबंधन और आवश्यक सेवाओं के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए नीतियों में लाभ के साथ सामाजिक उपयोगिता को भी बराबर महत्व मिलना चाहिए। भारत जैसा विशाल और उभरती अर्थव्यवस्था वाला देश अभी एविएशन संभावनाओं का केवल एक छोटा हिस्सा ही उपयोग कर पाया है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत का एविएशन सेक्टर सही दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन यात्रा अभी अधूरी है। दीर्घकालिक नीति, स्थिर निवेश, कौशल विकास, तकनीकी नवाचार और पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण अपनाकर ही इस क्षेत्र को वास्तव में सशक्त बनाया जा सकता है।

खबर संक्षेप

आज पुण्य सरोवर सागर में उमड़ेगा आस्था का सैलाब

सकरी। मांघी पूर्णिमा के पावन अवसर पर रविवार को पुण्य सरोवर सागर में आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिलेगा। तड़के सुबह से ही हजारों श्रद्धालु सागर मइया में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे। मान्यता है कि सागर में स्नान करने से दाद, खाज, खुजली सहित चर्म रोगों से राहत मिलती है, इसी विश्वास के चलते दूर-दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। पावन स्नान के उपरांत आज सागर इया की भव्य महाआरती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं आरती का थाल सजाकर शामिल होंगी। महाआरती से पूर्व शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो प्रमुख मार्गों से होते हुए सागर तट तक पहुंचेगी। शोभायात्रा में ढोल-नगाड़ों, भजन-कीर्तन और जयकारों के साथ श्रद्धालु सागर मइया की महिमा का गुणगान करेंगे। आयोजन को लेकर मेला परिसर को सजाया गया है, वहीं श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए प्रशासन एवं समिति द्वारा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया है। घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और स्वयंसेवकों की तैनाती की गई है। श्रद्धालुओं में आयोजन को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। मान्यता है कि मांघी पूर्णिमा पर सागर मइया की आराधना से रोग, शोक और कष्टों से मुक्ति मिलती है, इसी आस्था के साथ आज सागर तट श्रद्धा और भक्ति से सराबोर रहेगा।

संत रविदास जयंती शोभायात्रा में शामिल होंगे धर्मजीत

सकरी। संत शिरोमणि गुरु रविदास की 649वीं जयंती के अवसर पर सकरी मेहर समाज द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसके तहत दोपहर 1 बजे गुरु पूजन, 2 बजे परिचय सम्मेलन एवं 4 बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी जो नगर के मुख्यमार्ग से होते हुए बटालियन रोड सकरी स्थित कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह रहेगें।

शिवानी का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन

बिल्हा। अग्रसेन महाविद्यालय की प्रतिभावान छात्रा शिवानी कश्यप का खो-खो खेल में राज्य स्तरीय टीम के लिए चयन होने पर पूरे महाविद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर महाविद्यालय के क्रीडा अधिकारी डॉ आलोक कुमार चौरसिया एवं प्राचार्य डॉ सावित्री त्रिपाठी ने शिवानी को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर डॉ आलोक कुमार चौरसिया ने कहा कि, शिवानी की यह उपलब्धि निरंतर परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। यह महाविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। वहीं प्राचार्य डॉ सावित्री त्रिपाठी ने कहा, शिवानी कश्यप ने अपने प्रदर्शन से महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। हमें पूर्ण विश्वास है कि वह राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्था को गौरवान्वित करेंगी।

नवोदय में 9वीं व 11वीं के लिए चयन परीक्षा 7 को

मुंगेली। जवाहर नवोदय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए में कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश हेतु पार्श्व चयन परीक्षा 7 फरवरी को आयोजित की जाएगी। इस संबंध में प्रवेश पत्र जारी किया गया है। विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि कक्षा 9वीं के लिए 226 और कक्षा 11वीं के लिए 210 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। विद्यार्थी विद्यार्थी वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन नम्बर व जन्म तिथि अंकित कर प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

अवैध नशे पर कार्रवाई 10 लीटर महुआ शराब जब्त

तखतपुर। अवैध रूप से रखे कच्ची महुआ शराब को पुलिस ने जब्त करते हुए आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार समडील में एक युवक अपने घर के आंगन में अवैध रूप से शराब छिपाकर रखा हुआ था। जिसकी सूचना पर पुलिस ने छापा मारकर आरोपी नेता भारद्वाज के आंगन से 10 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त कर लिया।

ताला महोत्सव में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री साव

तालागांव से बिलासपुर को मिली अद्वितीय पहचान: साव

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

■ यहां की रुद्र शिव की प्रतिमा जैसी मूर्ति विश्व में कहीं नहीं: धरमलाल

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने शनिवार को तीन दिवसीय ताला महोत्सव के दूसरे दिन बतौर मुख्य आयोजन में शामिल होकर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय विधायक धरमलाल कौशिक ने की। इस अवसर पर क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, जपं अध्यक्ष रामकुमार कौशिक, जिपं सदस्य गोविंद यादव सहित बड़ी संख्या में आसपास के गांवों से लोग मौजूद रहे।

इस ऐतिहासिक क्षेत्र के विकास के लिए राज्य सरकार वचनबद्ध- इस मौके पर अरुण साव ने कहा कि, मनियारी नदी के तट पर स्थित ऐतिहासिक ताला गांव का देवरानी-जेठानी मंदिर और रुद्र शिव की प्रतिमा से बिलासपुर और छत्तीसगढ़ को अद्वितीय प्रसिद्धि और पहचान मिली है। इस ऐतिहासिक क्षेत्र के विकास के लिए राज्य सरकार वचनबद्ध है। श्री साव ने कहा कि, बीते 2 सालों में क्षेत्र में 200 करोड़ से ज्यादा राशि के 8 महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत हुए हैं, जो कि क्षेत्र के विकास के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, इसके अलावा जो भी सड़कें बची होंगी, उन सब को स्वीकृति देकर 3 साल में पूरा किया जाएगा। दिन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत अच्छी पहल- कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि, इस साल से ताला महोत्सव में दिन के समय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत की गई है, जो कि मेला आयोजन समिति की अच्छी पहल है। इससे कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। उन्होंने कहा, ताला की रुद्र शिव की प्रतिमा जैसी मूर्ति विश्व में कहीं नहीं हैं। इस प्राचीन मूर्ति की विशेषता यह है कि, इसके शरीर और चेहरे पर विभिन्न जानवरों और जीवों की आकृतियां उकेरी गई हैं। उन्होंने कहा कि ताला में काफी विकास हुआ है, लेकिन अभी और बहुत कुछ किया जाना बचा है। उन्होंने कहा कि, गांव-गांव में अब पीएम आवास बन रहे हैं। पीने के लिए पानी, खाने का चावल और इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड सभी लोगों का बना है। उन्होंने लोक निर्माण मंत्री के समक्ष मंदिर प्रवेश के लिए सड़क और सौंदर्यीकरण कार्य की मांग रखी।

क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी ने बताया कि, राज्य शासन द्वारा ताला महोत्सव के आयोजन के लिए संस्कृति विभाग द्वारा 5 लाख रुपए की राशि प्रदान की जाती है। उन्होंने क्रेडा की ओर से मंदिर परिसर में 11 लाख रुपए की लागत से दो हाई मास्ट सोलर लाइट के स्वीकृत होने की जानकारी दी। इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से एसडीएम आकांक्षा त्रिपाठी और तहसीलदार राजेंद्र भारत ने उपमुख्यमंत्री का स्वागत किया। लोगों ने सुनील सोनी के नेतृत्व में आयोजित लोक कला टीमों की प्रस्तुति का भरपूर आनंद उठाया।

शिवतराई में मेगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आज

बिलासपुर। विधायक अटल श्रीवास्तव, रोटरी क्लब मिडटाउन एवं इंडियन मेडिकल एशोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में रविवार 1 फरवरी को सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक शासकीय हाईस्कूल प्रांगण शिवतराई में एकदिवसीय निशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया है।

■ शिविर का लाभ आदिवासी बाहुल क्षेत्र के लोगों को मिलेगा: अटल

शिविर में हड्डी रोग, हृदय रोग, त्वचा रोग, स्त्री रोग, शिशु रोग, नेत्र रोग, नाक-कान-गला रोग, दंत रोग व कैंसर रोग के विशेषज्ञ सर्जन उपस्थित होकर अपनी सेवा प्रदान करेंगे। बिलासपुर जिले के प्रख्यात चिकित्सक डॉ हेमंट चर्टर्जी, डॉ संजीव खंडूजा, डॉ विपिन बैस, डॉ अभिषेक घाडके, डॉ अखिलेश देवरस, डॉ अनिरूद्ध कौशिक, डॉ अखिलेख वर्मा, डॉ दीपक सरकार, डॉ गौरी देशकर, डॉ राजेश्वर उद्देश्य, डॉ उज्वला कराडे, डॉ अशोक मेहता डॉ नमिता श्रीवास्तव, डॉ संजय मेहता, डॉ संदीप तिवारी, डॉ अभिजित रायजादा, डॉ नेहा सिंह ठाकुर, डॉ मिनी श्रीवास्तव, डॉ सृजीता साहू, डॉ निरज शर्मा, डॉ सुनिल केडिया, डॉ संतोष उद्देश्य, सौरभ भण्डारी, डॉ एस अग्रवाल, डॉ अंचल प्रधान, डॉ चन्द्रशेखर राहलकर, डॉ जेएन शर्मा, डॉ सुरेश कुमार गिडवानी उपस्थित रहेंगे।

अटल ने की लोगों से लाभ उठाने की अपील- विधायक अटल श्रीवास्तव ने कोटा विधानसभा क्षेत्र के कोटा बेलगहना रतनपुर के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर का लाभ उठाने की अपील की। अटल श्रीवास्तव ने बताया कि, शिविर के आयोजन का दूसरा वर्ष है। सुदूर वनांचल क्षेत्र के निवासियों के लिए शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर में शहर के प्रसिद्ध चिकित्सक अपनी सेवांए देंगे जिसका लाभ वनांचल आदिवासी बाहुल के ग्राम के लोगों को मिलेगा। अटल श्रीवास्तव ने बताया कि, रोटरी क्लब मिडटाउन एवं इंडियन मेडिकल एशोसिएशन के सहयोग से शिविर आयोजित है, जिसमें ग्रामीणों को निशुल्क दवा एवं आवश्यक स्वास्थ्य सहायक उपकरण भी प्रदान किए जाएंगे।

मंगल स्पंज एंड स्टील में सड़क सुरक्षा माह

बिल्हा। मंगल स्पंज एंड स्टील प्राइवेट लिमिटेड में 10 से 31 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया गया। संयंत्र सुरक्षा समिति के सभापति मनोज अग्रवाल के मार्गदर्शन में 'सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा' थीम पर आयोजन राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का उद्घाटन महाप्रबंधक ए दुर्गा प्रसाद ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह पर जारी पोस्टर का विमोचन ए दुर्गा प्रसाद, पी प्रसाद, आरए यादव, आरबी सिंग, पीके साहू, शिवगुलाम विश्वकर्मा, एके त्रिपाठी, दिपक तिवारी, विरेन्द्र तिवारी, मोक्षानंद शर्मा, कांशीराम गायकवाड, सीताराम यादव आदि ने किया। आयोजन में निबंध, चित्रकला, प्रश्नोत्तरी, स्लोगन एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को पुरस्कार प्रदान किया गया। 31 जनवरी को समापन समारोह में ए दुर्गा प्रसाद ने सभी कर्मचारियों को सुरक्षित ड्राविंग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, रक्षात्मक ड्राविंग करना ही अपनी सुरक्षा का सही तरीका होता है। अप्रायश्चित स्थिति से अपने आप को सुरक्षित रखने मे माहिर होना चाहिए है। सुरक्षा अधिकारी शिवगुलाम विश्वकर्मा ने बताया कि, परिवहन मंत्रालय, समाज सेवी संस्थानों, कल-कारखानों के माध्यम से सड़क सुरक्षा को जन-जन तक जागरूकता लाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। 24 जनवरी को बिलासा ब्लड बैंक के द्वारा रक्तदान करने वाले 74 रक्तदाताओं को सेफ्टी हेलमेट प्रदान करना सराहनीय कार्य रहा है। कार्यक्रम का समापन स्वल्पाहार एवं धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

सशक्त एप की मदद से चोरी का ट्रैक्टर, 7 बाइक जब्त

लोरमी। नगर में एक ट्रैक्टर सहित 7 बाइक चोरी करने वाले शातिर गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने चोरी की बाइक, ट्रैक्टर एवं घटना में इस्तेमाल बाइक को जब्त कर नाबालिग सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि, प्रार्थी कुंजबिहारी तिवारी ने 12 जनवरी को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि, उसका ट्रैक्टर इंजन महेन्द्रा युवो 275 डीआई क्रमांक सीजी 28 के 5178 गायत्री मंदिर लोरमी के पास से चोरी हो गया। रिपोर्ट पर धारा 303(2) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

■ नाबालिग सहित 5 आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों की पतासाजी के दौरान मुखबीर की सूचना पर सायबर सेल व लोरमी पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए ग्राम हरदीडीह से दिलेश सप्रे को हिरासत मे लेकर पूछताछ की। पूछताछ में दिलेश सप्रे ने बताया कि, पूर्व मे अपने साथी पवन जगत निवासी हरदीडीह, मनीष साहू निवासी राजपुर एवं अपचारी बालक के साथ मोटरसायकल चोरी की थी। उसने बताया कि, चारों 11 जनवरी रात ट्रैक्टर की चोरी की थी।

पुलिस ने संदेहियों को हिरासत में लेकर व अपचारी बालक को साथ मे लेकर पूछताछ करने पर आरोपियों ने ट्रैक्टर चोरी सहित अलग-अलग जगहों से 4 मोटरसायकल की चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 303(2) बीएनएस के तहत विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा। साथ ही विधि से संघर्षरत बालक की सामाजिक पृष्ठिभूमि भरकर कार्रवाई की गई।

पकड़े गए आरोपी

दिवप्रसाद बर्मन पिता हुलास राम 35 साल हरदीडीह, दिलेश स्प्रे पिता राजकुमार 22 साल हरदीडीह, पवन जगत पिता भोप सिंह 36 साल हरदीडीह, मनीष साहू पिता चितराम 18 साल राजपुर, एक नाबालिग।

जब्त वाहन-ट्रैक्टर इंजन सीजी 28 के, 5178
पेशन प्रो सीजी 10 ईएल, 6748
टीवीएस रिडोन सीजी 25 एल, 9107
पेशन प्रो बिना नम्बर इंजन 07 के 05 एम
हीरो होण्डा सीजी 10 ईई 4203
पेशन प्रो सीजी 28 बी 9154
प्लेटिना सीजी 10 ईबी 4083
घटना में बाइक सीजी 09 जेएच 1531

बगैर रायल्टी खनिज संसाधनों का अवैध परिवहन

तखतपुर। प्रशासन की नाकों के तले शासन को लाखों रूपए की चूना लगाते हुए बगैर रायल्टी खनिज संसाधनों का अवैध परिवहन किया जा रहा है।

स्थानीय प्रशासन के संरक्षण पर नगोई ढनढन में शासकीय भूमि से बिना रायल्टी के मिट्टी और मुरूम अवैध रूप से खनन कर उसका निजी उपयोग किया जा रहा है। इसको लेकर ग्रामीणों ने कई बार आपत्ति भी दर्ज कराई, पंचायत को भी सूचना दी गई, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, बल्कि खनन और परिवहन लगातार जारी है। ग्रामीणों का कहना है कि, पंचायत के साथ-साथ खनिज विभाग को भी कई बार सूचना दी गई, परंतु इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। लोगों ने बताया कि, लोगों की नजर से बचने रात में उत्खनन किया जा रहा है। यदि विधिसम्मत मुरूम और मिट्टी का उत्खनन और परिवहन होता तो शासन को लाखों रूपए का रायल्टी मिलता और इस राशि का ग्रामीण विकास में उपयोग होता। लेकिन कुछ लोगों की उदासीनता के कारण उत्खन्न पर रोक नहीं लग रही है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि, यदि इस पर तत्काल रोक नही लगाई गई तो वे आंदोलन करने का बाध्य होंगे।

कार्रवाई की जाएगी

नगोई ढनढन मार्ग पर शासकीय जमीन पर अवैध उत्खनन की जानकारी नहीं है। तत्काल जानकारी लेकर कार्रवाई की जाएगी।

- शशांक शेखर शुक्ला
तहसीलदार तखतपुर

मनरेगा व धान खरीदी तिथि बढ़ाने कांग्रेस का चक्काजाम

बिल्हा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आदेश अनुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिल्हा ने 'मनरेगा बचाओ संग्राम' व किसानों के धान खरीदी के तिथि बढ़ाए जाने के मांग को लेकर सांकेतिक चक्काजाम किया एवं तहसीलदार को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया। साथ ही शनिचरी से पद यात्रा करते हुए गांधी चौक पहुंच कर महात्मा गांधी को नमन करते हुए उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेन्द्र गंगोत्री, प्रभारी सुधीर सींग व नाजिम खान सहित बिल्हा विधानसभा के पूर्व विधायक सियाराम कौशिक उपस्थित रहे। महेंद्र गंगोत्री ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार को मजदूर विरोधी बताते हुए महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना को षडयंत्रपूर्वक बंद करने का आरोप लगाया। जनता का विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि, केंद्र में बैठी भाजपा सरकार एवं प्रदेश की भाजपा सरकार दोनों जनता को ठगने का काम मिलकर कर रही है। नाजिम खान और सुधीर सींग ने भी भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेकर उसे जनविरोधी सरकार बताया। रपूर्व विधायक सियाराम कौशिक ने कहा, भाजपा की कथनी और करनी में जमीन-आसमान का अंतर हमेशा से रहा है। मनरेगा को भाजपा साजिश कर बंद करना चाह रही है। गीतांजलि कौशिक ने कहा वर्तमान सरकार गरीबों के हक अधिकार को छीनना चाहती है। कार्यक्रम का संचालन आंशु निर्मलकर ने व आभार प्रदर्शन ब्लॉक अध्यक्ष गीतांजली कौशिक ने किया। इस मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष विमल अग्रवाल, नानक रेलवानी, केशव पांडे, ब्रजेश शर्मा, देवी सिंह ठाकुर, हजारी भारद्वाज, रोहिणी नौबतका, मनोज वर्मा, जेपी तिवारी, प्रकाश बिंदल, घनश्याम डहरिया, इन्द्राणी कौशिक, राहुल राजपूत, पार्षद लाल यादव, सरस्वती डहरिया, गोल्डी पंजवानी, रोहित साहू, अमृत कोसले, हाशिम खान, विपिन राजपाल, रूपेंद्र वर्मा, धनुष मरावी, धर्मेंद्र फरवी, जीवन यादव, टीकाराम यादव, वीरेंद्र कौशिक, राजू ध्रुव, जगनाथ धुरी, अमर टंडन, प्रदीप कौशिक, लव वर्मा, लाला वर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

गुमशुदा

कु.अनुराधा पटेल

एक लड़की जिसकी उम्र 23 वर्ष, रंग साँवला लाल रंग की टी शर्ट लोवर एवं काले रंग की स्वेटर की पहनी है। जो कि कल दिनांक 30/01/2026 को सुबह 9 बजे से माता चौरा पानी टंकी के पास, मंगला बिलासपुर से लापता है। इनकी दिमागी हालत कुछ ठीक नहीं है। जिस किसी सज्जन को यह लड़की दिखे या मिले कृपया निम्न पते पर तत्काल सूचित करें। सूचित करने वाले को उचित ईनाम दिया जाएगा।

सीताराम पटेल-मो.9993715112
9340359196
शीतल पटेल-मो.7222934719
दीपक पटेल- 6268646422

वीबीजी-रामजी योजना को लेकर जन जोहार चौपाल

लोरमी। लोरमी विधानसभा क्षेत्र के डिंडोरी भाजपा मंडल के ग्राम चरनीटोला में प्रदेश भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के आह्वान व उपमुख्यमंत्री अरुण साव के मार्गदर्शन में वीबीजी-रामजी योजना को लेकर जनजागरण अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत 'जन जोहार चौपाल' का आयोजन किया गया। जन जोहार चौपाल कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री विनय साहू ने कहा, इस योजना पर जनता का भरोसा इस बात का प्रतीक है, कि सरकार की योजनाएं केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि वास्तविक परिवर्तन लाती हैं। इस मौके पर धनीराम यादव, महाजन जायसवाल, विक्रम सिंह प्रतिनिधि जनपद अध्यक्ष, देवचरन भास्कर, राजेन्द्र साहू मंडल अध्यक्ष, प्रदीप मिश्रा ,जीवन साहू, जपं उपाध्यक्ष राजेंद्र साहू, अभिषेक पाठक, रघुवीर साहू, नरेंद्र जायसवाल, डीहाराम साहू,उत्तम लुनिया, हंसराज पात्रे,योगेश साहू, देव प्रसाद यादव,दुजराम यादव, गाजेंद्र साहू, हरी शंकर साहू, रामायण साहू सरपंच, मंजूषा घृतलहरे, शिव मांडले, सहेलू घृतलहरें, धरमलाल डिपलेश घृतलहरे, ओमप्रकाश रघुवर, झूलन भाई, देव कुमारी गगोत्री, दयालदास,नीमचंद, उमेश चंद्र भाई, राम कुमार, संगीता सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि मेरे आसामी ललीता पति खेलाराम निवासी रामनगर लिंगियाडीह तह व जिला बिलासपुर (छ.ग.) प्रमिला मानिकपुरी पति मनोहर दास निवासी अपोलो अस्पताल के सामने राम नगर लिंगियाडीह तह व जिला बिलासपुर की ओर से अधिकृत होकर यह आम सूचना प्रकाशित करता हूं कि विक्रेता श्रीपाद पिता यशवंत दाण्डेकर निवासी दयालबंद बिलासपुर (छ.ग.) के नाम से मौजा मोपका प.ह.न. 29 रा.नि.म. मोपका तह व जिला बिलासपुर में स्थित भूमि खसरा नं. 1347/4 रकबा 0.0200 भुमि को विक्रय करने का सौदा किया गया है। उक्त किये जा रहे भूमि विक्रय के संबंध में यदि भी व्यक्ति संस्था निकाय की किसी भी प्रकार की दावा आपत्ति हो तो इस नोटिस प्राप्ति के 60 दिवस के अंदर दस्तावेज के साथ स्वयं या अपने अधिकृत के माध्यम से अपना आपति मेरे कार्यालय में उपस्थित हो कर दर्ज करा सकते है। समयवधि पश्चात दावा आपत्ति स्वीकार नहीं होगा। तथा मेरा पक्षकार उक्त भूमि का विक्रय विलेख-निष्पादित करने हेतु स्वतंत्र होगा। सो सूचना।

राम कुमार सूर्या अधिवक्ता
पता संत रविदास नगर करबला
तह व जिला बिलासपुर (छ.ग.)
मो. 9329444288

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुराना नाम विकास दुबे पिता श्री संतोष कुमार दुबे निवासी सी-15 राजस्व कॉलोनी, सरकण्डा बिलासपुर (छ.ग.) 495001 अपना पुराना नाम को बदलकर नया नाम - विकास दुबे पिता संतोष दुबे रख लिया हूँ।

अत: अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम विकास दुबे पिता श्री संतोष दुबे से जाना एवं पहचाना जावे।

शपथकर्ता
विकास दुबे
पिता- संतोष दुबे
म.नं. सी-15,
राजस्व कॉलोनी सरकण्डा,
बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार तखतपुर जिला बिलासपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. /ब-121/2025-26
ग्राम देवतरी तहसील तखतपुर जिला बिलासपुर छ.ग.

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मोहन सिंह क्षत्री पिता खेदू सिंह क्षत्री जाति क्षत्री निवासी ग्राम देवतरी प.ह.नं. 14 तहसील तखतपुर जिला बिलासपुर छ.ग. के द्वारा अपने पुत्र गजेन्द्र सिंह पिता मोहन सिंह क्षत्री के लिये केन्द्र सरकार के अंतर्गत लोक पदों एवं सेवाओं में नियुक्त/शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश प्राप्त करने हेतु आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ई.डब्लू.एस) के लिये आय एवं संपत्ति प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। तत्संबंध में उक्त प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

प्रस्तुत प्रकरण में दिनांक 09/02/2026 को सुनवाई नियत किया गया है। उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में यदि कोई व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना चाहता है तो वे या तो स्वयं या अपने किसी मान्य अभिकर्ता अधिवक्ता के द्वारा नियत तिथि को मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनाक 21/01/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार, तखतपुर

न्यायालय तहसीलदार बिलासपुर जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रमांक/Q/तह./वा./2026
बिलासपुर, दिनांक 28/01/2026
ग्राम तालापारा क्षेत्र

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम तालापारा तहसील व बिलासपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदिका कुलसुम फतिमा पिता सफदर अली निवासी ग्राम तालापारा बिलासपुर तहसील व जिला बिलासपुर छ.ग. द्वारा अपने स्वय कुलसुम फतिमा पिता सफदर अली की जन्म दिनांक 12/05/2004 का पंजीयन करने हेतु रजिस्ट्रार जन्म/मृत्यु नगर पालिक निगम बिलासपुर/मुख्य कार्यपालन अधिकारी विकासखण्ड बिल्हा तहसील व जिला बिलासपुर छ.ग. जन्म/ मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 एवं छ.ग. जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत निर्देश देने हेतु शपथपत्र एवं पार्षद प्रमाण पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की सत्यापित छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो वे स्वत: या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर सुनवाई दिनांक 13/02/2026 को दावा आपत्ति पेश कर सकता है। सुनवाई तारीख के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार सकरी जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र......../ अ-6-अ/2025-26
ग्राम-उस्लापुर तहसील-सकरी, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है आवेदक सोहन वैष्णव, उस्लापुर, बिलासपुर के द्वारा ग्राम उस्लापुर, प.ह.नं. 60, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 251/13 रकबा 2206 वर्गफीट भूमि को आवेदक द्वारा अमृत लाल साहू पिता भोंदू लाल साहू से दिनांक 22.06.2020 को क्रय किया गया था। अधीक्षक भू-अभिलेख बिलासपुर के प्रकरण क्रमांक 1353/अ-6-अ/2019-20 आदेश दिनांक 05.10.2025 के अनुसार नामांतरण पश्चात अभिलेख दुरूस्त किया गया, परंतु वर्तमान ऑनलाईन भुईयां में खसरा नंबर 251/13 रकबा 1106 वर्गफीट भूमि में नाम प्रदर्शित नहीं हो रहा है। जो कि त्रुटिपूर्ण है जिसे सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 115 के अधीन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह अपना दावा/आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में नियत पेशी दिनांक 16/02/26 तक प्रस्तुत कर सकते हैं।

आज दिनांक 29/1/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील व मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार, सकरी

आम सूचना / नोटिस

मैं अपने मुवक्किला संगीता जायसवाल पति स्व. श्री राधेश्याम जायसवाल निवासी कुम्हारपारा जरहाभाठा बिलासपुर छ.ग. वाले से अधिकृत व नियुक्त होकर उसके कहे व बताये अनुसार निम्नलिखित आम सूचना का प्रकाशन कराता हूँ कि संबंधित पक्षकार राकेश गुलाल पिता स्व. श्री भैयालाल गुलाल निवासी इंदु चौक जरहाभाठा बिलासपुर वाले एवं आम जनता शासकीय एवं वित्तीय संस्थायें एवं सर्वसाधारण लोग अवगत होवें कि मेरे मुवक्किला के पति स्व.श्री राधेश्याम जायसवाल अधिवक्ता के द्वारा अपने जीवनकाल में राकेश गुलाल से उसके नाम पर दर्ज संपति मौजा जरहाभाठा तहसील व जिला बिलासपुर में स्थित नजूल संपति शीट नंबर 04 भूखण्ड क्रमांक-16 नजूल भूखण्ड क्रमांक-68 क्षेत्रफल 2665 वर्गफुट को क्रय करने का पक्का लिखित अनुबंध पत्र राकेश गुलाल के साथ किया है तथा राकेश गुलाल ने राधेश्याम जायसवाल अधिवक्ता के पक्ष में विक्रय का अनुबंध पत्र / इकरारनामा लिखित में निष्पादित किया है तथा मेरी मुवक्किला स्व. राधेश्याम जायसवाल के वैधानिक वारिस / पत्नी है तथा उसे उक्त संपति को अनुबंध के अनुसार क्रय करने का पूरा अधिकार प्राप्त है अत: कोई भी व्यक्ति उक्त अनुबंध के विपरीत जाकर उपरोक्त संपति के क्रय विक्रय, अंतरण, नामांतरण इत्यादि की कार्यवाही न करे, अन्यथा मेरी मुवक्किला उक्त के विरूद्ध वाद दायर कर उसे शून्य घोषित करायेगी तथा साथ ही उसके द्वारा उपरोक्त संपति के संविदा के अनुपालन का वाद भी दायर किया जायेगा तथा अवैध तरीके से क्रय विक्रय किये जाने पर सक्षम न्यायालय में दाण्डिक परिवाद प्रावधानों के अनुसार दायर करेगी तथा अनुबंध के विपरीत क्रय करने वाले क्रेता को कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा।

सो सूचना जानें।

भवदीय
सुरेश दुबे
(अधिवक्ता)
पता-नवीन सामुदायिक भवन
जिला न्यायालय परिसर बिलासपुर (छ.ग.)

दुनिया की भीड़ में क्यों बढ़ रहा है अकेलापन

देश-दुनिया की आबादी भले ही दिनों-दिन बढ़ रही हो, लेकिन इसके उलट लोगों का अकेलापन भी बढ़ रहा है। अकेलेपन की समस्या विश्वव्यापी है। भारत समेत अनेक देशों के लोग इस समस्या का सामना कर रहे हैं। अकेलेपन का हमारे स्वास्थ्य ही नहीं पूरे जीवन पर दुष्प्रभाव पड़ता है। ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि इसके कारणों को जाना जाए और इसे दूर करने का हर संभव प्रयास किया जाए।

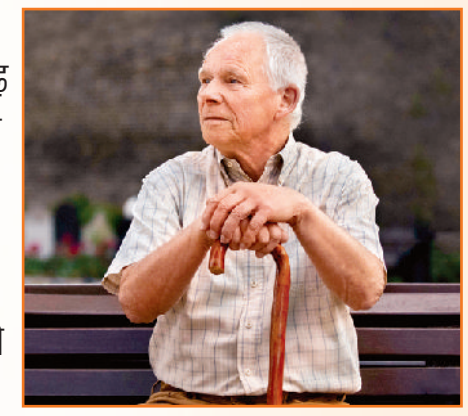

कवर स्टोरी
एस. भाग्यम शर्मा

यह सही है कि दुनिया में आठ अरब से अधिक और हमारे अपने देश में 140 करोड़ से अधिक लोग रहते हैं। लेकिन दुख की घड़ी में शायद ही एक कंधा ऐसा मिले, जिस पर सिर रखकर हम रो सकें। सोशल मीडिया पर भले ही हमारे हजारों दोस्त होंगे, फॉलोअर्स होंगे, लेकिन असल जिंदगी में एक भी हमारे साथ नहीं होता। यानी आज लोगों की भीड़ में भी हर कोई खुद को अकेला महसूस कर रहा है।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

अगर कोई शारीरिक बीमारी हो तो इसका असर दूसरों को नजर आता है। अकेलेपन का दुष्प्रभाव धूम्रपान और मोटापे की तरह शरीर पर नजर नहीं आता है। दरअसल, अकेलापन हमारे मन को बीमार बना देता है। अकेलापन एक दिन में 15 सिगरेट पीने से भी ज्यादा खतरनाक असर हमारे स्वास्थ्य पर डालता है। अकेलापन समय से पहले मृत्यु के खतरे को 25% तक बढ़ा देता है। अकेलेपन से ब्रेन स्ट्रोक और हृदय रोग का खतरा 30% तक बढ़ता है। यह डिमेंशिया के खतरे को 50% तक बढ़ा देता है, इसलिए यह बहुत आवश्यक है कि समय रहते अकेलेपन की इस बीमारी को पहचान लें और यह जानें कि कहीं आप भी अकेलेपन के अंधेरे में खोते तो नहीं जा रहे हैं।

दुनिया भर में लोग हैं परेशान

वर्ष 2023 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अकेलेपन को एक वैश्विक स्वास्थ्य संकट घोषित किया था। अकेलेपन को परिभाषित करते हुए डब्ल्यूएचओ ने कहा था कि अकेलापन व्यक्ति की अपनी भावनात्मक पीड़ा है, जो सामाजिक अलगाव और सार्थक रिश्तों की कमी से पैदा होती है। आज के दौर में अकेलापन दुनिया भर में एक गंभीर बीमारी का रूप ले चुका है। जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में कई लोग इस कदर अकेले हो चुके हैं कि अगर उनकी मृत्यु भी हो जाए तो कई-कई दिनों तक बाहरी दुनिया को उनकी मौत के बारे में पता ही नहीं चलता।

वहां से आई खबरों के अनुसार पिछले साल जापान में करीब 76,000 लोगों की उनके घर में अकेले रहते हुए मौत हुई। 4,000 लोग ऐसे थे, जिनके मरने के करीब एक महीने के बाद बाहर के लोगों को उनकी डेड बॉडीज मिलीं। जापान में तो अकेलेपन को दूर करने के लिए ज्यादा उम्र के लोग कई बार जान-बूझकर अपराध करने के लिए भी तैयार हो जाते हैं, जिससे उन्हें सजा मिले और सजा के बाद वे जेल में दूसरे लोगों से मिलकर कुछ बातचीत कर सकें, उनका अकेलापन दूर हो, उनका मन लग सके।

बढ़ रहे हैं एकल परिवार

भारत में भी अकेलापन तेजी से फैल रहा है। इसकी मुख्य वजह है भारतीय समाज में टूटते संयुक्त परिवार। पहले के दौर में हमारे घर-परिवार में साथ रहने वाले अपने माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी के साथ हम अपना सुख-दुख शेयर कर लिया करते थे। लेकिन अब वह दौर नहीं रहा। अब संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है, जहां परिवार में पति-पत्नी ही रहते हैं। कई कपल तो बच्चे तक पैदा नहीं करना चाहते। बच्चे इसलिए नहीं पैदा करना चाहते, क्योंकि वे जानते हैं कि अगर बच्चे हुए तो उनकी देखभाल करने वाला परिवार में कोई नहीं है। महानगरों में 'ड्यूल इनकम-नो किड्स' का चलन बढ़ रहा है।

बढ़ती सामाजिक दूरी भी है वजह

पिछली सदी तक हम सब अनजान लोगों से भी बातचीत कर लिया करते थे। कोई रास्ता पूछता था तो बड़े मन से उसे रास्ता बताते, कई बार तो उन्हें उनके गंतव्य तक छोड़ कर आ जाते थे। बाजार जाते तो किराने की दुकान या सब्जी की दुकान पर दुकानदार से बातचीत कर लिया करते थे। अड़ोसी-पड़ोसी से उनका हाल-चाल पूछ लिया करते थे। चाय की दुकानों पर जाने-अंजाने लोग भी खूब बतियाते थे। लेकिन अब ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते ट्रेंड से लोगों का बाजार आना-जाना भी बहुत कम हो गया है। सब इतने व्यस्त हो गए हैं कि किसी के पास समय ही नहीं रह गया है, एक-दूसरे की खबर लेने का।

बच्चे-युवा भी हो रहे प्रभावित

2021 के ग्लोबल सर्वे के मुताबिक, अकेलेपन से प्रभावित होने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश भारत है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शहरों में 43% लोग अकेलापन महसूस करते हैं। चिंताजनक बात यह है कि 13 से 15 साल की उम्र के 25 % बच्चे भी अकेलापन अनुभव कर रहे हैं। सोशल मीडिया की वजह से भी अकेलापन तेजी से बढ़ रहा है। कई स्टडीज में सामने आया है कि सोशल मीडिया की लत, युवाओं में अलगाव, अकेलापन और डिप्रेशन को बढ़ा रही है।

मशीनी हो रही भावनाएं

अकेलापन इसलिए भी बढ़ रहा है कि लोग एक-दूसरे के साथ अपनी भावनाएं साझा नहीं करते हैं। सोशल मीडिया में कोई इमोजी भेजकर खुद को दायित्वमुक्त समझ लेते हैं। आजकल लोगों को लगता है कि भावनाओं को व्यक्त करने के लिए किसी की आंखों में आंख डालने की जरूरत नहीं है। किसी का हाथ थामने की जरूरत नहीं है। लोगों को लगता है कि भावनाओं को व्यक्त करने के लिए इमोजीज भेजना ही पर्याप्त है। यानी जब हम दुखी महसूस करते हैं तो हमारे साथ किसी की वास्तविक भावनाओं के स्थान पर ढेरों इमोजीज होते हैं।

अकेलापन दूर करने का करें प्रयास

हमें बचपन से ही सिर्फ यह सिखाया जाता है कि सफलता ही खुशी का सबसे बड़ा पैमाना है और जीवन में हर कीमत पर सफल होना सबसे जरूरी है। जो सफल है, वह खुश भी रह लेगा। हमें रिश्तों की अहमियत नहीं सिखाई जाती। सफलता और अधिक से अधिक पैसा, सुख-सुविधाएं अर्जित करने की अंधी दौड़ में ज्यादातर लोग अपने रिश्तों को पीछे छोड़ देते हैं। जाहिर है, इससे जीवन में अकेलापन आएगा ही। अकेलापन किसी सफलता से या दौलत कमाने से या शानदार करियर से नहीं, अपनों के साथ होने से दूर होता है। इसलिए अगर आप भी अकेलापन महसूस करते हैं तो सोशल मीडिया पर ही नहीं अपने दोस्तों, रिश्तेदारों से मिलने उनके घर जाइए, उन्हें अपने घर बुलाइए। परिवार के साथ समय बिताइए। अंजान लोगों से भी बात करने में न हिचकिचाइए। यही नहीं अगर आपके परिवार में या आस-पास कोई ऐसा व्यक्ति है, जो अकेलापन महसूस कर रहा है तो उससे बात कीजिए। उसके अकेलेपन को दूर करने का प्रयास कीजिए। जरूरत पड़ने पर काउंसलर की मदद भी ले सकते हैं। ऐसा करने से उस व्यक्ति का अकेलापन तो दूर होगा ही, आपको भी आत्मीय खुशी, संतुष्टि मिलेगी। *

कई देशों में हो रही नई पहल

अकेलेपन की समस्या से निपटने के लिए अलग-अलग देशों में अब कई तरह की पहल की जा रही है। जैसे दक्षिण कोरिया में बुजुर्गों के लिए हैप्पी कैब्स चलाई जा रही हैं। यह एक कैब सर्विस है, जिसमें बुजुर्ग लोग अंजान लोगों के साथ बैठकर घूमने जा सकते हैं। उनसे बातचीत कर सकते हैं, अपने सुख-दुख साझा कर सकते हैं। इससे उन्हें अपना अकेलापन दूर करने में मदद मिलती है। इसी तरह अकेलेपन की समस्या के समाधान को तलाशने के लिए ब्रिटेन ने वर्ष 2018 में ही लोनलीनेस मिनिस्टर की नियुक्ति शुरू कर दी थी। एक अलग मंत्रालय, एक अलग मंत्री, जो सिर्फ यह देखेगा कि देश में लोगों के अकेलेपन को कैसे दूर किया जा सकता है? वहां अकेलेपन से जूझ रहे लोगों को काउंसिलिंग और मेडिकल सपोर्ट उपलब्ध कराए जाते हैं।

जिंदगी को खुशमिजाज बनाना हमारे ही हाथों में होता है। अगर हम अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ बदलाव कर लें, कुछ आदतों को शामिल कर लें तो हमारी जिंदगी खुशमिजाज बन सकती है। ऐसा किस तरह हो सकता है, जानिए।

जीने के अंदाज में करें बदलाव खुशमिजाज हो जाएगी जिंदगी

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

हमारा दिमाग ही हमारी सोच और नजरिए का स्रोत होता है। जब दिमाग अशांत या उद्वेलित रहता है तो हमें हर चीज में उथल-पुथल, नकारात्मकता और बुराई नजर आती है। लेकिन जब दिमाग शांत रहता है, हम खुशमिजाज रहते हैं तो हमें हर चीज सकारात्मक अच्छी और सही लगती है। खुशमिजाजी और सुकून के लिए कुछ बातें और आदतें अपनानी जरूरी हैं।

लोगों से बनाए अच्छे संबंध

भले ही सबको खुश रखना दुनिया का सबसे कठिन काम है लेकिन सबके साथ खुश रहना दुनिया का सबसे आसान काम है। हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट के डायरेक्टर और मनोचिकित्सक रॉबर्ट वालडिंगर का कहना है कि लोगों के साथ मजबूत और मधुर संबंध खुशी की प्रमुख वजह बन सकते हैं। ये लोग रोमांटिक पार्टनर, आपके दोस्त, बच्चे, सहकर्मी, पड़ोसी, रिश्तेदार या भाई-बहन कोई भी हो सकते हैं। भले ही हम सब स्वतंत्रता को खास मानते हों, लेकिन यह ना भूलें कि हम सब एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं। जब हम अपने इर्द-गिर्द मौजूद लोगों के साथ अच्छे संपर्क रखते हैं तो मानसिक खुशी तो मिलती ही है, एक बड़ा सपोर्ट सिस्टम भी मिलता है, जो हमें हर तरह से सुकून देता है।

अजनबियों से करें बातचीत

ओटावा (कनाडा) की कार्लटन यूनिवर्सिटी के मनोविज्ञानी जॉन जेलवेंसकी कहते हैं कि आपको एक्सट्रोवर्ट होना चाहिए। अंतर्मुखी, गंभीर और चुप्पी साध कर रहने वाले लोग उदास रहते हैं, जबकि सबसे आसानी से घुल-मिल जाने वाले और अजनबी लोगों से बातचीत करने की कला जानने वाले अकसर खुशमिजाज रहते हैं। साथ ही ऐसे लोग आसानी से अपना सोशल सर्किल और बिजनेस सर्किल भी बढ़ा लेते हैं, जिससे इन्हें सफलता मिलती है। जाहिर है, सफलता भी खुशी मिलने की एक महत्वपूर्ण वजह है।

पालतू के साथ समय बिताएं

वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक ताजा अध्ययन में पाया गया कि पालतू जानवर के साथ बिताया गया 10 मिनट का समय भी दिमाग को सुकून देने वाला होता है। इससे कार्टिसोल नामक स्ट्रेस हार्मोन का स्तर गिरता है। अमेरिकी नागरिकों द्वारा किए गए एक शोध में पाया गया कि सबसे ज्यादा सुकून देने वाले पालतू कुत्ते होते हैं।

कुदरत को निहारें

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के शोधकर्ताओं ने 90 स्टूडेंट्स पर किए गए शोध में पाया कि कुदरत को निहारना मन को सुकून देने वाला एहसास होता है। जब हम पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं को निहारते हैं तो हमारा ध्यान परेशानियों से हटकर पूरी तरह उन्हीं पर लग जाता है। इससे दिमाग को सुकून मिलता है।

फल-सब्जी ज्यादा खाएं

सोशल साइंस एंड मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित ताजातरीन स्टडी रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रचुर मात्रा में फल और सब्जी खाने से खुशमिजाजी और सुकून मिलता है। इसलिए रोज कच्ची सब्जियों का सलाद और फल खाएं। सबसे बड़ी बात यह है कि अगर आप खान-पान, आराम और सोने का समय निर्धारित कर लेते हैं तो आपका हैप्पीनेस लेवल बढ़ जाता है। न्यूट्रीशन, एक्सरसाइज और रेस्ट, खुशी के मूल मंत्र हैं।

वाटर बॉडीज के पास जाएं

जर्नल आफ एनवॉयर्नमेंटल साइकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि पानी के संग्रह स्थल नजदीक रहने से लोगों में पॉजिटिव इमोशंस का संचार होता है। स्विमिंग पूल, समुद्र या नदी के किनारे खड़े होकर पानी की हलचल को निहारना सुकून देता है। इससे स्ट्रेस लेवल भी कम होता है। *

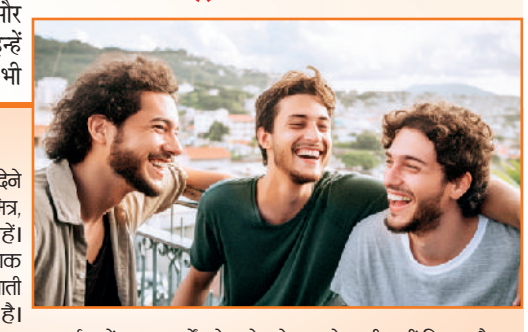

इन पर भी करें अमल

जीवन के हर आयाम को बराबर समय देने की कोशिश करें, जैसे- परिवार, व्यापार, मित्र, जीवनसाथी, समाज आदि क्षेत्रों में सक्रिय रहें। हंसी-मजाक करें, लेकिन दूसरों का मजाक ना उड़ाएं। कई बार इससे स्थिति बिगड़ जाती है और तनाव का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा नए अनुभवों पर पैसा और समय खर्च करें। उन कार्यों को करे, जो आपने कभी नहीं किया और देखा। जैसे हॉर्स राइडिंग करना, घुड़दौड़ देखना, अंडरवाटर स्पोर्ट देखना या इसमें शामिल होना, थिएटर में जाकर नाटक देखना, किसी बर्फीले स्थान की यात्रा करना आदि।

व्यंग्य
अंशुमान खरे

गणित में बचपन से ही हम बगैर होशियार होकर भी होशियार थे। न मालूम गणित के मास्साब कहां-कहां से सवाल लाते थे, लेकिन पिटते-पिटाते किसी तरह गणित में पास कर दिए जाते थे। घर वालों की तमन्ना डॉक्टर, इंजीनियर बनाने की थी। कक्षा में हमेशा अपराधी की तरह बैठे रहते थे। गणित के गुरु जी हमेशा हमें अंतरराष्ट्रीय गणितज्ञ बनाने का मजाक करते रहते थे। पर हमें कुछ भी समझ नहीं आता। हमारे गणित के गुरु जी फिरकी लेते थे कि मुझे भगवान भी नहीं समझा सकते। गणित की क्लास हमारे लिए आफत से कम नहीं थी। मास्साब के सवाल भी माशाअल्लाह अद्भुत होते थे। एक औरत एक काम को चार घंटे में पूरा कर लेती है तो बताओ उसी काम को आठ औरतें कितने समय में पूरा करेंगी? मैं कहता, 'आठ औरतें काम तो पूरा कर नहीं पाएंगी। हां, रायता जरूर फैला देंगी।'

गणित के मास्साब को पहली बार किसी सवाल पर नर्वस होते देखा। इसलिए मैं बार-बार उनसे इस प्रश्न को पूछता रहा। मास्साब को भी समझ नहीं आ रहा था कि कौन-सा फार्मूला लगाएं कि दो लीटर दूध बराबर चालीस लीटर दूध हो जाए। कुछ तो गड़बड़ है।

प्रतिभा सम्मान

सवाल से सवाल निकालने की कला में हमारे मास्साब का कोई सानी नहीं था। कपड़े पर अटक गए तो उसी से जुड़े सवाल पर सवाल पूछने लगते, 'बताओ बच्चो, अगर एक साड़ी धूप में एक घंटे में सूखती है तो चार साड़ियां सूखने में कितना समय लेंगी?'

बहुत सरल सवाल सोचकर मैं हाथ उठाकर बोल पड़ा, 'वेरी सिंपल, चार घंटे।' मास्साब जवाब सुनकर आपे से बाहर हो गए। मैं समझ नहीं पा रहा था, मास्साब को सीधा-सा गुणा करना नहीं आता क्या?

मैंने हिम्मत करके एक सवाल पूछ लिया, 'गुरु जी, अगर एक गांव में एक गाय है और वह दो लीटर दूध देती है तो बताइए गांव वाले चालीस-चालीस लीटर दूध बाहर कैसे सप्लाई करते हैं?' मास्साब का माथा ठनका और तमतमा कर क्लास से बाहर चले गए। मेरा सवाल अनुत्तरित रह गया। मेरे सवाल पर क्लास में चर्चा होने लगी। सब हैरान। प्रश्न तो उचित है। मास्साब नाराज क्यों हो गए? गणित के मास्साब का वैसे भी स्कूल में काफी जलवा था। प्रधानाचार्य से लेकर सभी अध्यापक और छात्र उनको आदर की दृष्टि से देखते थे। दूध की सप्लाई का सवाल गणित के मास्साब के गले की फांस बन गया। कुछ दोस्तों ने कहा, 'पानी मिला लेते होंगे।'

पर इतना पानी मिलाकर दूध रह ही नहीं पाएगा। सब पानी-पानी हो जाएगा।

मास्साब इस बात को पता लगाने में जी-जान से जुट गए कि इस प्रश्न को किसके इशारे पर उनसे पूछा गया है। यह किस अध्यापक की साजिश है, पता लगाना जरूरी है। गणित के मास्साब को पहली बार किसी सवाल पर नर्वस होते देखा। इसलिए मैं बार-बार उनसे इस प्रश्न को पूछता रहा। मास्साब को भी समझ नहीं आ रहा था कि कौन-सा फार्मूला लगाएं कि दो लीटर दूध बराबर चालीस लीटर दूध हो जाए। कुछ तो गड़बड़ है। इस तरह के सवाल किसी किताब में नहीं होते हैं। मास्साब मेरे प्रश्न में उलझते जा रहे थे। मैं उनकी तरफ आशाभरी दृष्टि से टकटकी लगाकर धैर्य से देखता रहता था।

मेरे प्रश्न को दूर-दूर तक पहुंचाया गया। कहीं से समस्या का समाधान निकले। प्रधानाचार्य जी ने ऐसा गांव पहचाना, जहां के लोग दो लीटर दूध से चालीस लीटर दूध बनाने में सफल हुए हैं। उन्होंने गांव के लोगों को सम्मानित करने की योजना बनाई। गांव के प्रधान गांव को सम्मानित करने के नाम से उत्साहित दिखे। ऐसे प्रतिभाशाली लोगों की ओर सबका ध्यान खींचने के लिए मुझे भी मालाओं से लाद दिया गया। क्षेत्र के विधायक, सांसद, सभी ने गांव को सम्मानित करने में रुचि दिखाई। श्वेत क्रांति के लिए पूरे गांव के लोगों को बधाई देने वालों का तांता लग गया। शासन, प्रशासन ने भी गांव को सम्मानित करने के सुर में सुर मिला दिया। जिलाधिकारी से लेकर सारे कर्मचारी मुस्तैदी से सम्मान समारोह की तैयारी में जुट गए हैं। लेकिन मैं और गणित के मास्साब प्रश्न अनुत्तरित रहने से चिंतित हैं। हम दोनों शून्य में उत्तर खोजने की कोशिश कर रहे हैं। दुग्ध क्रांति की गुत्थी उलझती जा रही है। सुना है कि गांव के सम्मान समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री भी आएंगे और ऐसी प्रतिभाओं को सम्मानित करेंगे, जो दो लीटर दूध से चालीस लीटर दूध सप्लाई करने का 'हुनर' जानते हैं। *

लघुकथा / निशा भास्कर

छांव से दूर

अस्पताल जाते समय सड़क की भीड़ और अब वहां सैकड़ों की संख्या में कतारबद्ध खड़े लोगों को देखकर बाबूजी बोले, 'महानगरों के सड़कों पर दौड़ती-हांफते वाहनों के साथ, यहां का आम जीवन थरथराते हुए गुजरता है।'

'राजधानी में अच्छी सुविधा मिलेगी, यह सोचकर सभी राज्यों से लोग आकर यहां बसना चाहते हैं और बसते भी हैं, इसलिए भीड़ तो होगी ही।' बाबूजी की ओर देखकर मयंक धीरे से बोला। बाबूजी बड़ी मुश्किल से इलाज के लिए अपना घर और गांव छोड़कर अपने बेटे मंयक के पास इस महानगर में आए थे। कहीं बाबूजी गांव वापस जाने की जिद्द न करने लग जाएं, यह ख्याल आते ही मयंक बोला, 'बाबूजी एक बार आपका अच्छी तरह से इलाज हो जाए बस और हमें क्या चाहिए!' 'अरे बेटा! मुझे लगता है यहां तो हम और भी बीमार हो जाएंगे। स्वस्थ क्या खाक होंगे?' कहकर वे तेज-तेज खांसने लगे। उनकी आंखें भी लाल हो गईं। मयंक ने घबराकर इधर-उधर देखा। अस्पताल का प्रतीक्षालय पूरी तरह से भरा हुआ था। एक भी सीट खाली नहीं थी, जहां बाबूजी को वह बैठा सके। एक व्यक्ति जो उसी की तरह दिख रहा था। मयंक ने उसे आग्रहपूर्ण नजरों से देखा। उस व्यक्ति ने खड़े होकर बाबूजी को बिठाने का इशारा किया। मयंक ने बाबूजी को बिठाया और दोनों हाथ जोड़कर उस व्यक्ति का आभार व्यक्त किया और बाबूजी से बोला, 'मैं अभी आया।' फिर वह शीघ्रता से अस्पताल से बाहर निकल गया। थोड़ी ही देर में पानी की बोतल लेकर आया और बाबूजी को पानी पिलाकर बोला, 'आप चिंता न करें, हम जिस डॉक्टर से दिखाने के लिए आए हैं, उनका बहुत नाम है। उनके इलाज से कितना भी पुराना रोग, ठीक हो जाता है।' बाबूजी, बेटे की बात सुनकर बोले, 'अरे! यह तो बुढ़ापे का रोग है। खांसना-खंखारना तो लक्षण है, बुढ़ापे का। लेकिन बेटा, मेरी एक बात ध्यान से सुन, यह शहर बड़ा है, डॉक्टर बड़ा है पर हम तो बड़े लोग नहीं हैं न! बड़ा शहर और इसकी सुविधाएं बड़े लोगों के लिए होती हैं। हम इनके फोटो देखकर अपने से झूठ बोलते हैं कि मैं भी इसका हिस्सा हूं। पर हमारी इतनी औकात नहीं है।' मयंक की आंखें गीली हो गईं। वह बोला, 'सच कह रहे हैं बाबूजी! बीस साल की नौकरी में क्या ही कर लिया मैंने? आज तक बीवी बच्चों को इस शहर में एक छत भी न दे सका।' बेटे को इस तरह उदास देखकर बाबूजी उसके सिर पर हाथ रखकर बोले, 'बेटा हम अपने गांव चलेंगे। वहीं के अंग्रेजी स्कूल में मेरी पोती पढ़ेगी और मैं अपने बड़े से आंगन में नीम की छांव तले बैठकर उसके साथ खेलूंगा और' तभी नर्स ने टोकन नंबर बहत्तर रामजस को आवाज दी। मयंक बाबूजी का हाथ थाम कर बोला, 'चलिए बाबूजी, अपना नंबर आ गया।' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

अलग मिजाज की कहानियां

वरिष्ठ कथाकार हबीब कैफी की चुनी हुई सत्रह कहानियां 'तमन्ना खानम' पुस्तक में प्रकाशित हुई हैं। करीब साढ़े पांच दशक के कालखंड में लिखी गई ये कहानियां, हमें समाज के अलग-अलग तबके से ताल्लुक रखने वाली स्त्रियों की जिंदगी से रूबरू कराती हैं। कहीं पुरुषत्व के दंभ से दमित लेकिन फिर भी उसके साथ रहने को विवश भंवरी नजर आती है (औरत), तो कहीं गणिकाओं के जीवन की त्रासदी भोगती मरजीना की कराह सुनाई पड़ती है (मरजीना)। 'तमन्ना खानम' कहानी में उच्च वर्ग की महिला तमन्ना को अपनी जिंदगी की पेचीदगियों को अपने अंदाज में सुलझाते देखा जा सकता है। बहुत अलग मिजाज की ये कहानियां, कहीं-कहीं उर्दू के मशहूर कथाकार मंटो की याद दिलाती हैं। इन कहानियों में भाषा की रवानगी भी देखने लायक है। *

पुस्तक: तमन्ना खानम (कहानी संग्रह), **लेखक:** हबीब कैफी,
मूल्य: 299 रुपए, **प्रकाशक:** कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली

क्या कृषि नीति में बदलाव के बीज बो पाएगा बजट

उम्मीद है कि एक फरवरी को आने वाला बजट इस बार खेती को सिर्फ कल्याणकारी योजना न मानकर, इसे एक उत्पादक और तकनीकी-सक्षम क्षेत्र के रूप में विकसित करेगा।

बजट 2026 भारत की कृषि नीति में बदलाव के बीज बो सकता है। यह ऐसा क्षेत्र है जो भारत–अमेरिका व्यापार वार्ताओं में एक प्रमुख विवाद बिंदु बनकर उभरा है। खेती के मुद्दे पर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पलटवार करने का फैसला किया। 7 अगस्त को दिल्ली में ट्रंप द्वारा टैरिफ की घोषणा के एक दिन बाद, उन्होंने कहा कि भारत अपने किसानों, डेयरी क्षेत्र और मछुआरों के कल्याण से कभी समझौता नहीं करेगा। अब सबकी निगाहें इस बात पर हैं कि सीतारमण अपने बही-खाते में भारत के अन्नदाताओं के लिए क्या खोलती हैं। क्या बजट 2026 केवल लेखा-जोखा संतुलित करेगा या घरेलू प्राथमिकताओं और वैश्विक व्यापार दबावों के बीच फंसे इस क्षेत्र के लिए किसी बड़े पुनर्संतुलन का संकेत देगा।

समय की आवश्यकता

2050 तक भारत की जनसंख्या 1.6 अरब तक पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही सतत विकास तथा एसडीजी लक्ष्यों के अनुरूप देश की कृषि निर्यात क्षमता को खोलना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। विशेषज्ञ इस चुनौती से निपटने के लिए 4पी दृष्टिकोण की जरूरत बताते हैं।

प्रोड्यूज (उत्पादन): अनुसंधान एवं विकास में निवेश के जरिए अधिक उत्पादन

प्रोसेस (प्रसंस्करण): मूल्य संवर्धन और अवसंरचना के माध्यम से अधिक उत्पादन मूल्य

प्राइस (कीमत): कुशल आपूर्ति श्रृंखला और बेहतर मूल्य प्राप्ति के जरिए अधिकतम मूल्य

प्रोटेक्ट (संरक्षण): दीर्घकालिक स्थिरता के लिए संसाधनों की लचीली और टिकाऊ सुरक्षा

कृषि क्षेत्र
सेंट्रल डेस्क

प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाएं

2026 में भारत वैश्विक मंच पर दो प्रमुख उपलब्धियों के साथ प्रमुख भूमिका में होगा। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष घोषित किया है, जो कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका और कृषि व ग्रामीण आजीविका में लैंगिक अंतर को पाटने की तत्काल आवश्यकता को मान्यता देता है। भारत अपनी अध्यक्षता में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जो अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने का अवसर देगा। आगामी केंद्रीय बजट महिला-नेतृत्व वाली कृषि पहलों के लिए संसाधन आवंटित कर व वैश्विक कृषि-खाद्य निर्यात में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने वाले कार्यक्रमों को सशक्त बनाएगा।

अधिक धन की संभावना

पिछले केंद्रीय बजट में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए आवंटन वित्त वर्ष 2025 में 1.52 लाख करोड़ और वित्त वर्ष 2026 में 1.37 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया था, जबकि एमएसपी और इनपुट सब्सिडी सहित क्षेत्र पर वास्तविक प्रभावी व्यय 3.91 लाख करोड़ से अधिक रहा। अनुमान है कि इस क्षेत्र के लिए आवंटन में उत्तर की ओर बढ़त हो सकती है। अधिक आवंटन उभरते क्षेत्रों को प्रोत्साहन देगा और निर्यात लक्ष्यों, आत्मनिर्भरता, अनुसंधान एवं विकास तथा तकनीक-आधारित खेती को समर्थन प्रदान करेगा। यह बजट ऐसे समय में आ रहा है जब कृषि क्षेत्र सुस्ती के दौर से गुजर रहा है।

परिवहन में सड़ते अरबों रुपये

मजबूत अनाज उत्पादन के बावजूद भारत में भंडारण और लॉजिस्टिक्स की कमी के कारण फल और सब्जियों जैसी वस्तुओं का 15% से 20% तक नुकसान हो जाता है। पीडीएस भी रिसाव, अवसंरचना की कमी और बर्बादी जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। यह कृषि उत्पादकता के लिए बड़ी बाधाएं हैं। आगामी बजट में फसल कटाई के बाद प्रबंधन हेतु कोल्ड चेन, आधुनिक गोदाम, प्रसंस्करण इकाइयां और डिजिटल आपूर्ति-श्रृंखला प्रबंधन जैसी कृषि अवसंरचना में निवेश तेज किया जाना चाहिए। मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) का विस्तार होना चाहिए। इसका उपयोग पहले से प्याज और दाल की कीमतों को स्थिर करने के लिए किया जा रहा है। अन्य सस्ती आवश्यक वस्तुओं जैसे दाल, आटा और चावल की उपलब्धता नेटवर्क को मजबूत करना, निम्न-आय वर्ग के लिए वहनीयता बनाए रखने में मदद करेगा।

खाद्य सुरक्षा के लिए कदम

सरकार के राष्ट्रीय खाद्य तेल–तिलहन मिशन और आत्मनिर्भर दाल मिशन, आत्मनिर्भरता की स्पष्ट दिशा दर्शाते हैं। इसमें तिलहन के लिए 2030–31 तक 10,103 करोड़ रुपये का प्रावधान है। उत्पादन को 39 मिलियन टन से बढ़ाकर लगभग 70 मिलियन टन करने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें 40 लाख हेक्टेयर धान-परती भूमि को तिलहन के तहत लाने की योजना शामिल है। इसी प्रकार 1,000 करोड़ के समर्थन वाले दाल मिशन का लक्ष्य 2027 तक चयनित दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करना है, जिसके तहत 126 लाख क्विंटल प्रमाणित बीजों का वितरण और 88 लाख मुफ्त बीज किट उपलब्ध कराई जाएंगी। बजट में इन प्रयासों को और मजबूत करना चाहिए, खासकर इसलिए क्योंकि भारत अभी भी अपनी खाद्य तेल आवश्यकता का लगभग 60% आयात करता है और दालों का भी बड़ा हिस्सा बाहर से लाता है। खाद्य और पोषण सुरक्षा की शुरुआत खेतों से होती है। भारतीय कृषि में पैमाना भी है और स्थायित्व भी। बजट 2026 यह तय करेगा कि सरकार पुरानी लकीरों पर ही हल चलाती रहेगी या इस क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर बड़ी फसल काटने में मदद करेगी।

खाद्य सुरक्षा
सेंट्रल डेस्क

कीटनाशक देश को खाद्य सुरक्षा देने में भी अहम फसल सुरक्षा के लिए स्पष्ट नियमों की दरकार

भारतीय कृषि एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। एक ओर देश आत्मविश्वास के साथ स्वयं को वैश्विक खाद्य महाशक्ति, दुनिया के लिए एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता और कृषि विनिर्माण के केंद्र के रूप में स्थापित करने की बात करता है। दूसरी ओर फसल सुरक्षा, किसानों की स्थिरता और खाद्य मूल्य संतुलन की रीढ़ से जुड़ा नीतिगत पारिस्थितिकी तंत्र सक्रिय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। जैसे-जैसे केंद्रीय बजट 2026 नजदीक आ रहा है, यह समय अधिक स्पष्टता, विश्वास और विज्ञान-आधारित निर्णय प्रक्रिया के प्रति नए सिरे से प्रतिबद्धता का अवसर प्रदान करता है। पिछले वर्ष के दौरान फसल सुरक्षा पर सार्वजनिक विमर्श विशेष रूप से सक्रिय रहा है। कीटनाशकों पर अक्सर केवल जोखिम के दृष्टिकोण से चर्चा होती है, जबकि फसल हानि रोकने, किसानों की आय की रक्षा करने और खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखने में उनकी भूमिका पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया जाता है। यह असंतुलन ऐसे समय में सामने आता है जब भारतीय किसान हर वर्ष कीटों, रोगों और खरपतवारों के कारण 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की फसलें खो देते हैं। यह ऐसी हानि है जिसे खाद्य सुरक्षा और निर्यात नेतृत्व की आकांक्षा रखने वाला कोई भी देश अनदेखा नहीं कर सकता।

सही संतुलन की जरूरत

प्रस्तावित कीटनाशक प्रबंधन विधेयक, 2025 का उद्देश्य भारत की नियामकीय रूपरेखा को आज की वास्तविकताओं के अनुरूप बनाना है। निगरानी को मजबूत करने, अनुपालन में सुधार लाने और किसानों व उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का इरादा समयानुकूल और आवश्यक है। हालांकि, सभी बुनियादी सुधारों की तरह इसका वास्तविक प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि इन उद्देश्यों को व्यवहार में कितनी प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है। इस दृष्टि से प्रस्तावित कीटनाशक प्रबंधन विधेयक को ऐसे बजट का पूरक समर्थन मिल सकता है, जो नियामकीय क्षमता, आधुनिक परीक्षण अवसंरचना और कुशल मूल्यांकन समयसीमा को सुदृढ़ करे। ये कदम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि नई रूपरेखा सुरक्षित कृषि की ओर पुल का काम करे। इसलिए बजट से फसल सुरक्षा क्षेत्र एक मूलभूत आर्थिक वास्तविकता की स्पष्ट स्वीकृति चाहता है। असल में उपज की रक्षा करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उसका उत्पादन करना। इसलिए फसल सुरक्षा उत्पाद उत्पादकता बनाए रखने में अनिवार्य भूमिका निभाते हैं। उन्हें आवश्यक कृषि इनपुट के रूप में मान्यता देना कृषि लचीलापन और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में उनके योगदान को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करेगा।

किसान-केंद्रित सुधार होगा जीएसटी को तर्कसंगत बनाना

बजट की सबसे तात्कालिक अपेक्षाओं में से एक है फसल सुरक्षा उत्पादों पर जीएसटी को अधिकतम 5% तक तर्कसंगत बनाना, ताकि उन्हें अन्य उर्वरकों (बायोस्टिमुलेंट/जैविक उत्पादों) के समान स्तर पर लाया जा सके। ऐसा कदम किसानों पर लागत के दबाव को कम करेगा और उच्च गुणवत्ता वाले वैध उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाकर जिम्मेदार उपयोग को प्रोत्साहित करेगा। इस दृष्टि से यह रियायत से अधिक एक किसान-केंद्रित सुधार है, जो कृषि मूल्य श्रृंखला में उत्पादकता, सुरक्षा और अनुपालन को मजबूत करता है।

विनिर्माण का अवसर

नए फसल सुरक्षा अणुओं के निर्माण के लिए लक्षित प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) ढांचा वैश्विक स्तर के निवेश आकर्षित करने, घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को गहरा करने और भारत को अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं में अधिक मजबूती से एकीकृत करने में मदद कर सकता है। यह केवल आयात प्रतिस्थापन का मामला नहीं, बल्कि वैश्विक बाजारों के लिए भारत को एक विश्वसनीय और प्रतिस्पर्धी उत्पादक के रूप में स्थापित करने का अवसर है।

नवाचार को वित्तीय समर्थन

फसल सुरक्षा नवाचार विज्ञान-प्रधान, पूंजी-आधारित और स्वाभाविक रूप से दीर्घकालिक प्रक्रिया है। एक नए अणु के विकास में एक दशक से अधिक समय लग सकता है, जिसके लिए सतत निवेश और नियामकीय निश्चितता आवश्यक है। यद्यपि भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार को मान्यता देने में प्रगति की है, फिर भी कृषि अनुसंधान एवं विकास के लिए वित्तीय समर्थन को और मजबूत करने की गुंजाइश है। भारत फसल सुरक्षा को किसान लचीलापन, निर्यात वृद्धि और खाद्य सुरक्षा के लिए एक रणनीतिक साधन के रूप में सुदृढ़ कर सकता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि वित्तीय और नियामकीय ढाँचे राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा के अनुरूप आगे बढ़ें। लिया गया निर्णय न केवल उद्योग के परिणामों को प्रभावित करेगा, बल्कि भारत की कृषि अर्थव्यवस्था की दीर्घकालिक स्थिरता और प्रतिस्पर्धात्मकता को भी आकार देगा।

इंश्योरेंस सेक्टर्स को भी चाहिए बड़ी राहत

बीमा
सेंट्रल डेस्क

इंश्योरेंस सेक्टर को बजट 2026 से काफी उम्मीदें हैं। बढ़ती मेडिकल लागत, कम इंश्योरेंस कवरेज और महंगे प्रीमियम को देखते हुए इस सेक्टर को बजट से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद भी की जा रही है। इंश्योरेंस सेक्टर को बजट से कई उम्मीदें होती हैं, खासकर टैक्स छूट और पॉलिसीधारकों के लिए सुविधाओं में वृद्धि की ऐसे में आइए जानते हैं इस बजट में इंश्योरेंस सेक्टर के लिए क्या कुछ खास पेश हो सकता है। एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण केंद्रीय बजट 2026 पेश करने वाली है। ऐसे में अब देखना यह है कि बजट 2026 में वित्त मंत्री क्या क्या ऐलान करती हैं और इन ऐलानों से आम लोगों और अलग अलग सेक्टर्स को क्या क्या लाभ मिलता है। बात करें इंश्योरेंस सेक्टर की तो इंश्योरेंस सेक्टर को बजट 2026 से काफी उम्मीदें हैं। बढ़ती मेडिकल लागत, कम इंश्योरेंस कवरेज और महंगे प्रीमियम को देखते हुए इस सेक्टर को बजट से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद भी की जा रही है।

- वित्त मंत्री एक फरवरी को कर सकती हैं बड़े ऐलान

सेक्शन 80डी की टैक्स सीमा

इलाज और मेडिकल खर्च लगातार तेजी से बढ़ रहे हैं। बावजूद इसके इनकम टैक्स एक्ट की धारा 80डी के तहत हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर मिलने वाली 25,000 रुपये की टैक्स कटौती सीमा कई सालों से बिना बदलाव के बनी हुई है। ऐसे में इस समय में यह सीमा आम लोगों को पर्याप्त राहत नहीं देती है। ऐसे में अब उम्मीद है कि सरकार इस बजट में इस सीमा को 25,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर सकती है।

टर्म इंश्योरेंस पर फोकस

भारत में आज भी बड़ी संख्या में लोगों के पास पर्याप्त लाइफ इंश्योरेंस सुरक्षा कवर नहीं है। रिपोर्ट्स के अनुसार, देश में करीब 17 ट्रिलियन डॉलर का मॉर्टलिटी प्रोटेक्शन गैप मौजूद है यानी लोगों को जितनी जीवन बीमा सुरक्षा की जरूरत है, उसके मुकाबले लगभग 83 प्रतिशत जरूरतें अब भी पूरी नहीं हो पाई हैं। ऐसे में सरकार को टर्म इंश्योरेंस को प्रोत्साहन देना चाहिए। इसके लिए हेल्थ इंश्योरेंस पर टैक्स छूट, टर्म इंश्योरेंस प्रीमियम पर अलग टैक्स छूट मिलनी चाहिए।

जीएसटी और इंश्योरेंस प्रीमियम

इंश्योरेंस सेक्टर लंबे समय से जीएसटी से जुड़ी राहत की मांग कर रहा है. बीमा कंपनियां केवल जीएसटी से छूट नहीं, बल्कि पूरे सेक्टर को जीरो-रेटेड दर्जा दिए जाने की मांग कर रही हैं। अगर इंश्योरेंस को जीरो-रेटेड किया जाता है, तो कंपनियां अपने रोजमर्रा के खर्चों पर चुकाए गए टैक्स का इनपुट टैक्स क्रेडिट ले सकेंगी। इससे यह अतिरिक्त टैक्स बोझ प्रीमियम में नहीं जोड़ा जाएगा और ग्राहकों को कम प्रीमियम देना पड़ेगा।

यह भी चाहिए

- **टैक्स छूट:** इंश्योरेंस पॉलिसियों पर टैक्स छूट की सीमा बढ़ाने की मांग।
- **पॉलिसीधारकों के लिए सुविधाएं :** पॉलिसीधारकों के लिए क्लेम सेटलमेंट प्रक्रिया को सरल बनाने और अधिक सुविधाएं प्रदान करने की उम्मीद।
- **इंश्योरेंस पेनेट्रेशन बढ़ाना :** इंश्योरेंस सेवाओं को अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए सरकार से समर्थन की उम्मीद।
- **नियमों में बदलाव :** इंश्योरेंस सेक्टर को अधिक लेबल प्लेयरों को आकर्षित करने और विकास को बढ़ावा देने के लिए नियमों में बदलाव की उम्मीद।

यह भी जानिये

किस वित्त मंत्री ने पेश किए कितने बजट

भारत में हर साल 1 फरवरी के केंद्रीय बजट पेश किया जाता है। यह बजट भारत के वित्त मंत्री द्वारा पेश किया जाता है। हर साल की तरह इस साल भी केंद्रीय बजट 2026 आने वाली 1 फरवरी को भारत, की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया जाएगा। 1947 में आजादी के बाद से अब तक भारत के कई वित्त मंत्रियों ने संसद में बजट पेश किए हैं। कुछ वित्त मंत्री थोड़े समय के लिए रहे और कम बजट पेश किए। वहीं, कुछ वित्त मंत्री लंबे समय के लिए रहें और उन्होनें कई बजट पेश किए। आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं। हम आपको बताएंगे कि 1947 में आजादी के बाद से भारत के किन वित्त मंत्रियों ने कितने बजट पेश किए। आइए जानते हैं पूरी जानकारी।

आजादी के बाद पहला बजट

- आर. के. शनमुखम चेट्टी आजादी के बाद भारत के पहले वित्त मंत्री थे. उन्होंने 26 नवंबर 1947 में स्वतंत्र भारत का पहला बजट पेश किया था। आर. के. शनमुखम चेट्टी एक वकील और इकोनॉमिस्ट भी थे।
- भारत के सबसे ज्यादा बजट पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने पेश किए हैं. उन्होंने कुल 10 बजट पेश किए हैं। हालांकि, यह 10 बजट उन्होंने लगातार पेश नहीं किए। उन्होंने पहले 1959 से 1964 के बीच 6 बजट पेश किए और 1967 से 1969 के बीच 4 बजट पेश किए।
- पी चिदंबरम भारत के पूर्व वित्त मंत्री रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कुल 9 बजट पेश किए। उन्होंने अपना पहला बजट 1996 में पेश किया था. वहीं साल 2004 से 2008 के बीच उन्होंने 5 बजट पेश किए. बाद में वह साल 2009 में एक बार फिर वित्त मंत्री बनें और उन्होंने साल 2013 से 2014 के बीच बजट पेश किए।
- पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने भी भारत में बजट पेश किए हैं। उन्होंने पहले वित्त मंत्री के रूप में भी कार्यकाल संभाला था। इस दौरान उन्होंने कुल 8 बजट पेश किए थे। उन्होंने पहले 3 बजट साल 1982 से 1984 के बीच पेश किए। वहीं साल 2009 से 2011 के बीच उन्होंने 5 बजट पेश किए।
- निर्मला सीतारमण भारत की वर्तमान वित्त मंत्री है और वह साल 2019 से इस पद पर है। अब तक वहां 8 बजट पेश कर चुकी हैं और आने वाली 1 फरवरी को वह 9वां बजट पेश करने वाली हैं।

बजट से कंपनियों को बड़ी उम्मीद, अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने का खाका तैयार

इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, ग्रीन एनर्जी और एमएसएमई पर भी ध्यान दे केंद्र सरकार

बजट में इन सेक्टर्स पर फोकस बढ़ेगा तो बदलेगी ग्रोथ की तस्वीर लॉजिस्टिक कॉस्ट घटेगी, निवेश बढ़ेगा और रोजगार पैदा होंगे

इन्फ्रा
सेंट्रल डेस्क

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को आम बजट पेश करेंगी। इस बजट से भारतीय कंपनियों को कई बड़ी उम्मीदें हैं। उद्योगों से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि केंद्र सरकार को इस बार बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, मैन्युफैक्चरिंग में वैल्यू एडिशन बढ़ाने, ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने और एमएसएमई सेक्टर को सस्ता और आसान कर्ज दिलाने पर खास फोकस करना चाहिए, ताकि लॉजिस्टिक कॉस्ट घटे और बिजनेस की रफ्तार बनी रहे। इंडस्ट्री के एक्सपर्ट्स का कहना है कि मौजूदा वैश्विक हालात में ग्रोथ बनाए रखने के लिए शॉर्ट टर्म राहत से ज्यादा जरूरी है कि अर्थव्यवस्था की बुनियाद को मजबूत किया जाए। कंपनियों का भरोसा बढ़ेगा व लंबे समय में देश की प्रतिस्पर्धा क्षमता भी बेहतर होगी।

ग्लोबल तनाव बढ़ा रहे चुनौतियां

अमेरिका के बढ़ते टैरिफ, लगातार चल रहे जियो-पॉलिटिक्स तनाव और सप्लाई चेन में बदलावों की वजह से कंपनियों के लिए अब लागत को काबू में रखना, नीति की स्थिरता और प्रोजेक्ट्स को समय पर पूरा करना बहुत अहम हो गया है। यही वजह है कि निवेश और व्यापार से जुड़े फैसले पहले से ज्यादा सोच-समझकर लिए जा रहे हैं।

भारत की स्थिति बेहतर

दुनिया भर में कंपनियों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था पहले की तुलना में मजबूत स्थिति में है। इसकी वजह सरकार का पब्लिक इन्वेस्टमेंट पर लगातार फोकस, टैक्स सुधार और कंपनियों की बेहतर बैलेंस शीट है। अब चुनौती यह है कि इस मजबूती को लंबे समय तक टिकाऊ ग्रोथ में बदला जाए और मैन्युफैक्चरिंग व एक्सपोर्ट को और मजबूत किया जाए।

कम हुई लॉजिस्टिक कॉस्ट

पिछले एक दशक में सरकार ने सड़क, रेलवे और इंफ्रास्ट्रक्चर में लगातार निवेश बढ़ाया है, जिससे कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। वित्तवर्ष 18 से वित्तवर्ष 26 के बीच इंफ्रास्ट्रक्चर पर बजट सपोर्ट करीब 12% सीएजीआर से बढ़ा है। इसका असर यह हुआ है कि देश की लॉजिस्टिक कॉस्ट घटकर अब करीब 7.97% रह गई है। चूंकि रेलवे सामान ढोने का सबसे सस्ता जरिया है, इसलिए बजट में रेलवे की क्षमता बढ़ाने और प्राइवेट सेक्टर के लिए कार्गो सुविधा बढ़ाने पर जोर जारी रहना चाहिए। इसके साथ ही सड़कों पर कैपेक्स बनाए रखते हुए बीओटी मॉडल के जरिए निजी निवेश को भी बढ़ावा देना जरूरी है।

मैन्युफैक्चरिंग को मजबूत करने की जरूरत

भारत में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान जीडीपी में अभी करीब 17% है, जबकि सरकार का लक्ष्य इसे 25% तक ले जाना है। पीएलआई स्कीम (1.9 लाख करोड़, 14 सेक्टर) से कुछ फायदा जरूर हुआ है, लेकिन अब भी लोकल मैन्युफैक्चरिंग, लागत और एफिजक्यूशन से जुड़ी कई चुनौतियां बनी हुई हैं। इसलिए बजट में रिसर्च एंड डेवलपमेंट, टेक्निकल स्किल और इनोवेशन पर टैक्स छूट या इंसेंटिव देने की जरूरत है, खासतौर पर इलेक्ट्रॉनिक्स, ईवी, डेटा सेंटर, एनर्जी स्टोरेज और सोलर जैसे सेक्टरों में।

ग्रीन एनर्जी पर भरोसेमंद पॉलिसी जरूरी

भारत ने 2030 तक जीडीपी की एमिशन इंटेंसिटी 45% घटाने, 500 जीडब्ल्यू नॉन-फॉसिल पावर कैपेसिटी हासिल करने और 2070 तक नेट-जीरो बनने का लक्ष्य रखा है। अब कंपनियों को जरूरत है स्पष्ट पॉलिसी और लॉन्ग टर्म फंडिंग की, ताकि वे भरोसे के साथ ग्रीन प्रोजेक्ट्स में निवेश कर सकें। बजट से उम्मीद है कि ग्रीन इन्वेस्टमेंट के लिए बेहतर फाइनेंसिंग सिस्टम बने, क्लीन एनर्जी क्लस्टर विकसित हों और प्रोजेक्ट्स को तेजी से लागू किया जा सके।

एमएसएमई को सस्ता और आसान लोन मिलना जरूरी

एमएसएमई सेक्टर देश के जीडीपी का करीब 30% और एक्सपोर्ट का 45% योगदान देता है, लेकिन इन्हें अब भी महंगा कर्ज और पेमेंट डिले जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बजट में ऐसे कदम जरूरी हैं, जिससे एमएसएमई को तेजी से और कम ब्याज पर लोन मिल सके। इसके साथ ही मुद्रा योजना के तहत लोन की सीमा बढ़ाने की जरूरत है, क्योंकि प्रोजेक्ट्स की लागत अब पहले से कहीं ज्यादा हो चुकी है।

इन क्षेत्रों को भी चाहिए बूस्ट

फार्मा और मेडटेक को लेकर बड़ी उम्मीद

बजट 2026 में सरकार को फार्मा और मेडिकल डिवाइस सेक्टर में आत्मनिर्भरता पर जोर देना चाहिए। उनका सुझाव है कि मेडिकल डिवाइस सेक्टर के लिए 10,000 करोड़ रुपये का पीएलआई पैकेज दिया जाना चाहिए, जिससे ऑन्कोलॉजी, इमेजिंग और इम्प्लांट जैसे सेगमेंट में घरेलू मैन्युफैक्चरिंग बढ़े। जीवन कसारा के मुताबिक, अगर यह पीएलआई सपोर्ट मिलता है, तो भारत की मेडिकल डिवाइसेज में 70% तक की आयात निर्भरता घट सकती है और 2030 तक देश में 1.2 लाख करोड़ रुपये का घरेलू उत्पादन खड़ा किया जा सकता है।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएँ • लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

प्रथम पृष्ठ का शेष

जिला शिक्षा अग्निकांड,...

कार्यालय में आगजनी से निपटने पुख्ता इंतजाम ना होने की बात भी कही है। डीपीआई द्वारा गठित इस तीन सदस्यीय समिति की अध्यक्षता रायपुर संभागीय संयुक्त संचालक संजीव श्रीवास्तव कर रहे थे। टीम में डीपीआई के सहायक संचालक बजरंग प्रजापति और सतीश नायर भी थे।

युवा, किसान और...

2013-14 में 21,933 करोड़ रुपये से बढ़कर अब 1.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। बोनेंजा के रिसर्च एनालिस्ट अभिनव तिवारी के मुताबिक, जलवायु परिवर्तनशीलता, इनपुट लागत और बाजार पहुंच जैसी चुनौतियों के बीच केंद्रीय बजट 2026-27 में कृषि क्षेत्र को प्राथमिकता मिलने की उम्मीद है। भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि क्षेत्र का लगभग 18-20% योगदान है, सरकार लक्षित आवंटन और सुधारों के जरिए उत्पादकता, टिकाऊपन और किसान आय बढ़ाना चाहती है।

ऐसी उम्मीद है कि बजट के बाद सोना-चांदी खरीदना सस्ता हो सकता है। सरकार इस पर लगने वाली कस्टम ड्यूटी को 6% से घटाकर 4% कर सकती है। अगर ऐसा होता है तो सोना प्रति 10 ग्राम करीब 3 हजार और चांदी 6 हजार रुपए सस्ती हो सकती है। 2025 में सोना 75% और चांदी 167% बढ़ी है। अभी यानी जनवरी 2026 में 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.50 लाख और एक किलो चांदी 3.50 लाख रुपए में मिल रही है। बता दें, बीते 15 सालों के आंकड़ों को अगर देखें तो बजट के दिन अच्छा नहीं रहता है। हालांकि, उसके बाद के हफ्ते में तेजी देखने को मिलती है। पुराने आंकड़े बताते हैं कि प्री बजट सप्ताह में निफ्टी औसतन रूप से 0.52 प्रतिशत नीचे आ जाता है। वहीं, बजट के दिन निफ्टी बैंक में औसतन तेजी ही देखने को मिलती है। यूनियन बजट 2026 के दिन स्टॉक मार्केट खुला रहेगा। रविवार होने के बावजूद भी स्टॉक मार्केट में सामान्य दिनों की तरह कारोबार होगा। स्टॉक एक्सचेंज ने 1 फरवरी को मार्केट ओपनिंग की जानकारी दी है। आजाद भारत के इतिहास में यह दूसरा मौका होगा जब रविवार के दिन शेयर बाजार में सामान्य दिनों की तरह कारोबार होगा। इससे पहले 28 फरवरी 1999 को अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में रविवार के दिन घरेलू शेयर बाजार खुला था। बता दें, स्टॉक मार्केट के प्री सेशन की ओपनिंग 9 बजे से शुरू होगा। वहीं, सामान्य बाजार 9:15 से 3:30 बजे तक खुला रहेगा।

नौकरी लगाने का...

की जानकारी के बाद से फरार हैं। उनके बारे में पतासाजी की जा रही है। पुलिस ने उन्हें पकड़ने के लिए अलग-अलग टीम बनाई है। जगह-जगह दबिश दी जा रही है। पुलिस के पास पीड़िता अपनी मां के साथ 30 जनवरी को पहुंची थी, जहां महिला पुलिस थाने में घटना की जानकारी लिखित में दी गई। आरोपियों को पीड़िता नाबालिग होने की जानकारी लगने के बाद भी उसके साथ अनाचार किया। पीड़िता को धमकी देकर लगातार आरोपियों ने आठ साल से अनाचार करते रहे। इस दौरान पीड़िता मानसिक और शारीरिक रूप से प्रभावित रही। पुलिस का कहना है कि प्रकरण की जांच अत्यंत संवेदनशीलता के साथ विधि अनुसार की जा रही है। पीड़िता को न्याय मिल सके और दोषियों को सख्त कार्रवाई हो पाए। मामले में विवेचना के दौरान आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। मामले में सांसद विजय बघेल के निज सहायक का नाम घटना में सामने आने की चर्चा है। इसे लेकर सांसद विजय बघेल ने कहा कि आरोपी मेरा निज सहायक नहीं है, मेरे सिर्फ दो सहायक हैं, एक दिल्ली और दूसरा जिले में है।

सुनेत्रा बनीं डिप्टी...

होने के साथ इन चारों मंत्रालयों का प्रभार संभाल रहे थे। राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे चुकीं सुनेत्रा को यहां लोक भवन में आयोजित एक संक्षिप्त समारोह में राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इससे पहले दिन में, उन्हें औपचारिक रूप से राकांपा विधायक दल का नेता चुना गया। भाजपा, एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और अजित पवार नीत राकांपा के घटक वाली 'महायुति' सरकार में अजित पवार उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री थे। उनकी 28 जनवरी को बारामती में एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई। सुनेत्रा पवार जब शपथ लेने के लिए उठीं तो 'अजित दादा अमर रहें' जैसे नारे लगाए गए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे और छगन भुजबल सहित अन्य लोग समारोह में उपस्थित थे। सुनेत्रा पवार के छोटे बेटे जय पवार और उनकी पत्नी भी शपथग्रहण समारोह में मौजूद थीं। सुनेत्रा राज्य विधानमंडल के किसी भी सदन की सदस्य नहीं हैं। उनके बारामती विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की संभावना है जो उनके पति अजित पवार के निधन से खाली हुई है। राजनीतिक परिवार से संबंध रखने वाली और चर्चाओं से दूर रहने वाली सुनेत्रा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने चुनावी करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने पवार परिवार के गृह क्षेत्र बारामती में अपनी ननद और मौजूदा राकांपा (शप) की सांसद सुप्रिया सुले के खिलाफ चुनाव लड़ा था। सुले से हारने के बाद, वह राज्यसभा के लिए चुनी गईं।

पीएम मोदी ने दी बधाई-

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री के रूप में अपना कार्यकाल शुरू करने वाली सुनेत्रा पवार को हार्दिक शुभकामनाएं। वह इस पद को संभालने वाली पहली महिला हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि वह राज्य की जनता के कल्याण के लिए अथक परिश्रम करेंगी और दिवंगत अजित दादा पवार के सपनों को साकार करेंगी।

कांकेर से राजनांदगांव...

करीबी है। आरक्षक द्वारा पिछले एक सप्ताह से राजनांदगांव जिले में आकर अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों से मुलाकात की जा रही थी। सूत्रों के अनुसार बैठक के दौरान अवैध कारोबार को लेकर प्लान पर चर्चा हुई है। इस बैठक की सूचना प्रदेश के खुफिया तंत्र को मिली थी, जिसके बाद एक्शन लेते हुए प्रधान आरक्षक को सस्पेंड करने की कार्रवाई की गई है। इसके अलावा राजनांदगांव पुलिस महकमा को भी स्पष्ट कर दिया गया है की ऐसे आरक्षकों से दूर रहा जाए, यदि भविष्य में उक्त प्रधान आरक्षक द्वारा हस्तक्षेप किया जाता है तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

हम नहीं सुधरेंगे...

कारोबारी से वैध पेपर की मांग की, तो कारोबारी पुलिस के सामने किसी तरह से वैध पेपर पेश नहीं कर पाया और पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की।

तीन दिन पूर्व...

इस्तेमाल समान की खरीदी-बिक्री करता था। इन प्रतिबंधित समान के कारोबारी पर तय कीमत से कई गुना ज्यादा मुनाफा लेकर खरीदी-बिक्री करने का आरोप है।

सिगरेट, तंबाकू...

उपकर का स्थान लेंगे। इसके अलावा, एक फरवरी से तंबाकू उत्पादों (चबाने वाला तंबाकू, फिल्टर खैनी, जर्दा युक्त सुगंधित तंबाकू और गुटखा) के लिए अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) आधारित मूल्यांकन की नई व्यवस्था शुरू होगी। इसके तहत जीएसटी का निर्धारण पैकेट पर घोषित खुदरा बिक्री मूल्य के आधार पर किया जाएगा।

पीएम मोदी की...

की तरफ से एपस्टीन फाइल्स की नई खेप जारी की गई है। इसमें एपस्टीन केस से जुड़े 30 लाख पन्नों के दस्तावेज हैं। इसके अलावा 2,000 से ज्यादा वीडियो और एक लाख 80 हजार तस्वीरें जारी हुई हैं। जारी किए गए दस्तावेजों में कोर्ट रिकॉर्ड, जांच रिपोर्ट और फ्लाइट लॉग शामिल हैं।

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- आफिस एवं कंस्ट्रक्शन कार्य हेतु 5 युवक, युवतियों एवं एक ड्राइवर आवश्यकता है स्वयं की गाड़ी अनिवार्य वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- के.डी. एसेट्स, नेहरू चौक बिलासपुर 93003 96412 **(39816)**

आवश्यकता है- एक बुक बाइन्डर (प्रिन्टिंग सम्बंधित कार्य हेतु) दो महिला दुकान एवं मार्केटिंग हेतु सम्पर्क करें- यशस्वी स्टेशनरी एण्ड प्रिन्टर्स शक्ति चौक के पास राजकिशोर नगर बिलासपुर 9098609939 **(39808)**

आवश्यकता है- सर्वमंगला टेन्ट हाउस में काम करने हेतु मैनेजर एवं ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- कुम्हारपारा रोड राजीव गांधी चौक बिलासपुर, 62602 73334, 9826601147 **(39814)**

आवश्यकता है- होटल नटराज में काम करने के लिए अनुभवी हाउस कीपिंग एवं वेटर स्टाफ की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- होटल नटराज अग्रसेन चौक बिलासपुर 99778 61508 **(39813)**

आवश्यकता है- होलसेल कपड़ा दुकान में काम करने हेतु कर्मचारी एवं टैली ऑपरेटर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- टूटेजा क्लॉथ सिंडिकेट, श्री राम क्लॉथ मार्केट, अग्रसेन चौक, बिलासपुर 9753000030 **(39818)**

आवश्यकता है- पुस्तकों के मार्केटिंग हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र का कोई बंधन नहीं वेतन 8000 से 10000+ कमिशन पता- आदर्श लॉ हाउस डीपी कॉलेज के सामने पुराना हाईकोर्ट रोड बिलासपुर 9827079947 **(39800)**

आवश्यकता है- बिलासपुर की रियल एस्टेट कम्पनी में आफिस एक्जीक्यूटिव की आवश्यकता है। योग्यता (1) किसी भी विषय में स्नातक (2) रीयल एस्टेट में अनुभवी को प्राथमिकता (3) अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स, वेतन योग्य उम्मीदवार हेतु कोई सीमा नहीं। सम्पर्क- 9630023355 **(39811)**

आवश्यकता है- प्रो सोलर एनर्जी कम्पनी में प्रचार प्रसार हेतु लड़के चाहिए बिलासपुर कोटा, लोरमी, मुंगेली, बिल्हा, मस्तूरी, पथरिया, रतनपुर सैलरी 10000+ पेट्रोल 3000 पता- सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 88895 80567, 9302158989 **(39807)**

आवश्यकता है- OCEAN कम्पनी में ऑफिस हेतु लड़के/लड़कियां चाहिए योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट, उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, पता- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर 8818877406, 96444 33021, 07752337082 **(39783)**

आवश्यकता है- यूनिफॉर्म टेक्समार्ट बिलासपुर में टेलर (दर्जी 8), डेटा एंट्री ऑपरेटर (2), मशीन ऑपरेटर प्रेस (2), हाउस कीपिंग (1 महिला, 1 पुरुष) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- यूनिफॉर्म गार्डन के पास, R3 महामाया विहार, वेयर हाउस रोड, बिलासपुर 9111002777, 8711887744 **(39817)**

आवश्यकता है- हलवाई, मिस्त्री एवं होटल में काम करने के लिए लड़का की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- यदुनन्दन नगर तिफरा बिलासपुर 93005 21234 **(39809)**

आवश्यकता है- अनुभवी डेंटल असिस्टेंट (महिला) एवं वार्ड ब्वॉय की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मार्क अस्पताल, गीता मैरिज हॉल के पास चांटीडीह रोड, सरकंडा, बिलासपुर 9827174705 **(39797)**

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित संस्थान में पढ़े लिखे अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है । वेतन - 15,000/- लाइसेंस के साथ संपर्क करें - 97558-49255, 9406211101 **(39804)**

आवश्यकता है- बिलासपुर की Pvt. Ltd. कम्पनी को Manager, Service Manager, Marketing Manager, Counselor, Telecaller, वेल्डर, हेल्फर, फिल्ड ऑफिसर, सर्वेयर, ड्राइवर, ऑफिस ब्वाय (प्यून) की आवश्यकता है। वेतन 10000 - 35000 सम्पर्क करें- नारायण प्लाजा, बिलासपुर 9755990933, 62692 22003 **(39799)**

आवश्यकता है- विनोबा नगर में ऑटोमेटिक SUV कार हेतु अनुभवी ड्राइवर एवं महिला की देखभाल 24घंटे साथ में रहकर बिलासपुर में और बाहर भी जाने हेतु नर्स युवती चाहिए सम्पर्क करें- 7804000314 **(39803)**

आवश्यकता है- मकान में प्लास्टर मिस्त्री, टाइल्स लगाने हेतु मिस्त्री, बिजली ठेकेदार, छोटा हाथी चलाने हेतु ड्राइवर, दुकान कार्य हेतु मेहनती लड़का। पता- पारस सेल्स, मारुति शोरूम के पास, मोपका, बिलासपुर 9300350334 **(39789)**

आवश्यकता है- रोजगार सूचना LIC एजेन्ट बनें शुरू करें स्वतंत्र केरियर असीमित आय, रॉयल्टी इनकम, गृह ऋण विदेश यात्रा आफिस अलाउन्स पार्ट/ फुल टाइम ग्रेजयुटी सुविधा 10वीं पास सम्पर्क अजयकुमार सिंह 98933 11075 **(39794)**

आवश्यकता है- ज्वैलरी शोरूम में कार्य करने हेतु स्टाफ की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें- सराफ मनसुखलाल ज्वेलर्स, सदर बाजार बिलासपुर 99932 51234, 9827108605 **(39796)**

आवश्यकता है-नल, सेनेटरी पाइप फिटिंग दुकान में अनुभवी फील्ड सेल्समैन, अनुभवी सुपरवाइजर, दुकान में कार्य हेतु लड़को की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। सम्पर्क करें- गीता ट्रेडर्स रायपुर रोड तिफरा 9752317779, 91790 17779 **(39763)**

आवश्यकता है- एकाउंट कार्य हेतु अनुभवी एकाउंटेंट एवं दुकान हेतु लड़के, लड़की, सफाई लड़का/ लड़की/ महिला चाहिए पता- श्रीबजाज ट्रेडर्स सेनेटरी एण्ड बाथरूम फिटिंग्स सीएलसी प्लाजा के सामने मंगला चौक बिलासपुर 7000727385 **(39782)**

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड वेतन 13000/- सुपरवाइजर वेतन 15000/- फील्ड अधिकारी वेतन 15000/- आवास मुफ्त, योग्यतानुसार वेतन सम्पर्क करें-अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 77460 00016, 7746000019. **(348)**

आवश्यकता है- साड़ी, रेडीमेड दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता आनुसार सम्पर्क करें- शिव क्लॉथ स्टोर बिलासा चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर 9827916580 9827887934 **(39770)**

आवश्यकता है- फील्ड कार्य हेतु अनुभवी, ग्रेजुएट युवकों की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार अनुभवी बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- जाजोदिया टाइल्स, होटल ग्रैंड अम्बा के सामने, पुराना बस स्टैण्ड के पास, बिलासपुर 9009658882 **(39781)**

आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित स्टाफ की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अर्पण शुगर क्लीनिक, होमगार्ड ऑफिस के सामने, कुदुदण्ड बिलासपुर 9827492030, 8435360206 **(39784)**

आवश्यकता है- चश्मा शोरूम में काम करने हेतु सेल्समेन चाहिए वेतन 8000 से 15000 योग्यतानुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- गुरुनानक चश्मा राजीव प्लाजा जिला चिकित्सालय के सामने पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर **(39779)**

आवश्यकता है- घर के सभी काम सफाई, घर की देखरेख हेतु एक ईमानदार मेहनती लड़का चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार पता- हंसा विहार कॉलोनी मैग्नेटो मॉल के पास श्रीकांत वर्मा मार्ग बिलासपुर 7974460190 **(39780)**

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड, गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई। वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री। पता- श्रीसांई सिक्युरिटी सर्विस, सांई निवास कॉम्प्लेक्स, जेजे हॉस्पिटल के बाजू में तोरवा बिलासपुर 9301186703, 8253010291 **(39669)**

आवश्यकता है- शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए।. आयु 18से 30 बर्ष वेतन 9000 + कमीशन + बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया + कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करें-, 8085189675 89620 00161 **(528)**

हमारा अशियाना
META PROPERTIES
3BHK VILLA & PLOTS AVAILABLE
VIP CITY, Saddu, Vidhan Sabha, Raipur, C.G.
812 000 8290

आवश्यकता है-रायपुर, बलौदाबाजार, जांजगीरचांपा, कोरबा, रायगढ़ हेतु वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन, गार्ड, हेल्पर, कटरफिटर, कम्प्यूटर ऑपरेटर ड्राइवर, चपरासी स्टोरकीपर, सुपरवाईजर 5वीं-ग्रेजुएट वेतन 11000 से 30000 रहना फ्री नया पता बस स्टैण्ड बिलासपुर 7898973405 **(39659)**

आवश्यकता है- कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं ग्राफिक डिजाइनर की अतिशीघ्र आवश्यकता है हिन्दी टाइपिंग अनिवार्य है। सम्पर्क करें- गगन फ्लैक्स 27 खोली चौक बिलासपुर 96399 68650, 9425535104 **(39776)**

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य हेतु अविवाहित लडको की उम्र 18-28, 10th, 12th पास जो आगरा में काम कर सके वेतन 12,000/- + कमीशन + बोनस रहना फ्री शीघ्र संपर्क करे - इंटरव्यू परशुराम चौक चम्पा 9359941800, 92442 74370 **(526)**

आवश्यकता है- चायपत्ती के आफिस के एकाउटेट की एवं सेल्समेन व ड्राईवर की आवश्यकता है। संपर्क करे - जैन ट्रेडर्स नियर SBF ATM आकृति विहार अमलीडीह 9753674707, 0771-4075490 **(6548)**

आवश्यकता है- 10 से 5:30 ऑफिस में कार्य करने के लिए लड़कियों की आवश्यकता है सैलरी 5,000+ कमीशन संपर्क करें:- 27 खोली बिलासपुर 7898428784, 80851 06943 **(497)**

बेचना है

बेचना है- रामा लाइफ कॉलोनी सकरी बिलासपुर में स्थित 40×80= 3200 वर्गफुट का डायवर्टेड प्लॉट तत्काल बेचना है सम्पर्क करें- 9630 990940 **(1485)**

बेचना है- वाद्य एकार्डियन मेड इन इटली 120 बेस ऐन्टीक, एकार्डियन मेड इन जर्मनी 48 बेस पुरानी ट्वाय एकार्डियन पुरानी बेचना है। साथ ही ब्रांड न्यू XPS 10, 30, 60 रोलेण्ड की बोर्ड, साथ ही न्यू एवं ओल्ड गिटार बेचना है सम्पर्क करें- आशीर्वाद वैली, हाईकोर्ट रोड L-3-95 बिलासपुर 78030 98408 **(39815)**

बेचना है- सरकंडा बिलासपुर सीपत चौक महामाया चौक से 250 मीटर अन्दर प्राइम लोकेशन हॉस्टल हब में बहुत ही शानदार डाइवर्टेड 1600 वर्गफुट जमीन मौके पर जमीन 2500 वर्गफुट है। बेचना है कीमत मात्र 3000/- वर्गफुट कृपया खरीददार ही सम्पर्क करें- 9993865036 **(39810)**

बेचना है- बिलासपुर दोमुहानी नगर निगम वार्ड 43 आवासपारा के पास 25×45 1125 वर्गफुट चारों तरफ बाउंड्रीवॉल से घिरा सर्वसुविधायुक्त डायवर्टेड प्लाट बेचना है कीमत 760/- वर्गफुट खरीददार ही सम्पर्क करें 9827150471 **(39788)**

बेचना है- विकसित T&C एप्रूव्ड आवासीय कॉलोनी आर.के. रेसीडेन्सी तिफरा में स्वतंत्र 3BHK मकान 80 लाख में बेचना है, 1900/1350 प्लाट/ बिल्टअप एरिया। सम्पर्क करें- 9300635493 **(39752)**

बेचना है-लोखण्डी मेन रोड से लगे हुए व्यावसायिक, आवासीय सर्वसुविधायुक्त प्लाट, मकान उपलब्ध है सम्पर्क करें- एस.के. कंस्ट्रक्शन नारायणी हॉस्पीटल के बगल वंदना ट्रेडर्स के ऊपर मंगला चौक बिलासपुर 90986 49603, 7987295995 **(39605)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

Medicare Specialists
गुप्त रोगी स्वयं मिले
शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी ■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता ■ लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन ■ लिंग में टेढ़ापन ■ वीर्य में शुक्राणु की कमी ■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी ■ पेशाब में धातु जाना ■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाउस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 इन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाये।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081 9083218330

इसे जरूर पढ़िये और समझिये
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एस.वी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल
बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659, 93039-48500
96177-89223, 93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

बेचना है- श्यामा विहार कालोनी बोदरी परसदा नया बस स्टैण्ड के पास 22x50=1100 वर्गफीट डायवर्टेड प्लाट प्राईम लोकेशन में तत्काल बेचना है संपर्क करें 8839278711 **(39798)**

बेचना है- गोकुल धाम में 2BHK मकान एवं डायवर्टेड प्लाट गोकुल धाम, नारायणी होम्स एवं लोखण्डी में बेचना है रोड, नाली, पानी, बिजली सर्वसुविधायुक्त, बुकिंग प्रारंभ पता- राजपूत कन्ट्रक्शन बिलासपुर 8815964187, 9993864783 **(39576)**

बेचना है- महाराणा प्रताप चौक के पास अज्ञेय नगर स्थित A सुपर डबल स्टोरी पूर्व मुखी मकान प्लाट साइज 2525 वर्गफुट प्राइम लोकेशन एक करोड़ 60लाख में बेचना है सम्पर्क करें- 9425540759 **(39812)**

बेचना है- बिलासपुर नगर निगम सकरी में टाऊन एण्ड कन्ट्री एप्रूव्ड विकसित प्लॉट मात्र 1290/- रूपए प्रति वर्गफुट 90% फाईनेंस। शर्तें लागू। साइट विजिट फ्री। सम्पर्क करें- 7987374690, 9770468361 **(39791)**

आपके सपनों का आशियाना
जल्द होगा आपका...
पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड
सब कुछ है यहां

किराया

किराया - दो कमरा, दो हाल, पूजा व कीचन 2 लेटरिंग बाथरूम गैरेज केवल फैमली संपर्क करें पता यमुना नगर मंगला राधा गोविन्द भवन मो. 9424953932 **(39805)**

किराया - नेहरू नगर, अर्चना विहार के पास 2BHK मकान किराये से देना है छोटी फैमिली को प्राथमिकता। कराया 9000/- मासिक संपर्क 9644252091, 97524 40173 **(39806)**

किराया- उसलापुर गोकुल धाम नारायणी में 1 बीएचके का दो नया फ्लैट सर्वसुविधायुक्त किराए से देना है कार पार्किंग सुविधा के साथ बैचलर्स, फैमिली, मार्केटिंग वाले सभी व्यक्ति संपर्क करें- 62644 85630 **(498)**

फायनेंस

फायनेंस- विनायिका फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज) (30% छूट) संपर्कः- 7587708423 **(505)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

वैवाहिकी

वधु चाहिए

ब्राह्मण सरयूपारी
47 वर्षीय 5'.7"
एजुकेशन b.com
मुबंई निवासी हेतु
सुंदर सुशील
युवती चाहिए
संपर्क करें:-
8839287764
7977728830

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

कीवी टीम को 46 रन से हराकर भारत ने 4-1 से जीती टी20 सीरीज

ईशान की आंधी, अर्शदीप की घातक गेंदबाजी 272 रन चेज करते हुए लड़खड़ाया न्यूजीलैंड

एजेंसी ▶▶| तिरुवनंतपुरम

ईशान किशन के पहले टी20 शतक ने संजू सैमसन की नाकामी की भरपाई कर दी और उनके साथ अर्शदीप सिंह ने 5 विकेट लेकर न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को पांचवें और आखिरी मैच में भारत को 46 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने श्रृंखला 4-1 से जीतकर अगले सप्ताह शुरू हो रहे टी20 विश्व कप की तैयारी पुख्ता कर ली। ईशान ने 43 गेंद में 103 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 10 छक्के शामिल थे। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 30 गेंद में 4 चौकों और 6 छक्कों की मदद से 63 रन की पारी खेली। दोनों ने करीब दस ओवर में 137 रन की साझेदारी की। न्यूजीलैंड की टीम जवाब में 19.4 ओवर में 225 रन पर आउट हो गई। तेज गेंदबाज अर्शदीप ने 51 रन देकर पांच विकेट लिए। उन्होंने पहले दो ओवर में 40 रन दिए और टिम सीफर्ट का विकेट लिया लेकिन इसके बाद अगले दो ओवर में 11 रन देकर 4 विकेट चटकाए।

भारत ने इंग्लैंड को छोड़ा पीछे, सीरीज में लगाए 69 छक्के

भारतीय टीम की तरफ से न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की इस टी20 सीरीज में कुल 69 छक्के देखने को मिले, जिसमें आखिरी मुकाबले में टीम इंडिया की पारी में कुल 23 छक्के लगे। वहीं टी20 इंटरनेशनल में 5 मैचों की किसी द्विपक्षीय सीरीज में ये अब तक किसी एक टीम का सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी बन गया है। इससे पहले ये कीर्तिमान इंग्लैंड की टीम के नाम पर था, जिन्होंने साल 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में कुल 64 छक्के लगाए थे, जिससे अब टीम इंडिया ने चकनाचूर करने के साथ नया रिकॉर्ड बना दिया है।

एलन ने खेली 80 रनों की पारी

विशाल टारगेट का पीछा करने उतरी कीवी टीम 19.4 ओवरों में 225 रन पर ऑलआउट हो गई। मेहमान टीम ने 17 के स्कोर पर टिम सीफर्ट (5) का विकेट खो दिया था। यहां से रचिन रवींद्र ने फिन एलन के साथ दूसरे विकेट के लिए 48 गेंदों में 100 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। यह जोड़ी 9वें ओवर की अंतिम गेंद पर टूटी। एलन 38 गेंदों में 6 छक्कों और 8 चौकों के साथ 80 रन बनाकर आउट हुए। इस साझेदारी के टूटते ही कीवी टीम बिखर गई। डेरिल मिचेल ने 26 रन, जबकि ईश सोढ़ी ने 33 रन का योगदान टीम के खाते में दिया, लेकिन न्यूजीलैंड को जीत नहीं दिला सके।

सूर्या ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

न्यूजीलैंड के खिलाफ 5वें टी20 मुकाबले में कप्तान सूर्यकुमार यादव का बल्ला जमकर चला। सूर्यकुमार ने बेहद आकर्षक पारी खेलते हुए इस मैच में 26 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और 30 गेंदों पर 6 छक्के और 4 चौकों की मदद से 63 रन बनाए। सूर्यकुमार ने कीवी टीम के खिलाफ 5वें मैच में 210.00 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए साथ ही अपनी इस पारी के दम पर वो टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे कम गेंदों पर 3 हजार रन बनाने वाले दुनिया के पहले बैटर बने साथ ही साथ उन्होंने मार्टिन गप्टिल के इस रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। सूर्यकुमार यादव ने टी20आई में 3 हजार रन पूरा करने के लिए 1822 गेंदों का सामना किया और वो टी20आई में सबसे कम गेंदों पर 3 हजार रन बनाने वाले दुनिया के पहले बैटर बने। सूर्या ने यूएई के खिलाड़ी मुहम्मद वसीम को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने ऐसा 1947 गेंदों पर किया था। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर जोस बटलर हैं, जिन्होंने ऐसा 2068 गेंदों पर किया था।

इशान ने 239.53 के स्ट्राइक रेट से जड़ा शतक

इशान किशन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 5वें टी20 मैच में 42 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया और 43 गेंदों पर 10 छक्के और 6 चौकों की मदद से 103 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 239.53 का रहा और ये उनके टी20 क्रिकेट करियर का छठा शतक भी रहा। इसके बाद वो टी20 क्रिकेट में बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बैटर्स की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए। इशान ने कामरान अकमल को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने टी20 में बतौर विकेटकीपर 5 शतक लगाए थे। पहले नंबर पर क्विंटन डिकॉक हैं, जिन्होंने कुल 8 शतक लगाए हैं। इशान ने सबसे तेज शतक लगाने वाले बैटर्स की लिस्ट में 5वें नंबर पर आ गए। उन्होंने सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ा, जिन्होंने भारत के लिए इस प्रारूप में 45 गेंदों पर शतक लगाया था। इस लिस्ट में पहले नंबर पर रोहित शर्मा हैं, जिन्होंने 35 गेंदों पर शतक लगाया था।

रिबाकिना ने किया बड़ा उलटफेर, विश्व नंबर 1 सबालेंका को हराया, पहली बार जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब

एजेंसीः मेलबर्न

एलेना रिबाकिना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के फाइनल में विश्व नंबर 1 आर्यना सबालेंका को हराकर एक बड़ा उलटफेर किया और अपना पहला खिताब जीता। इस रोमांचक तीन-सेट की जीत के साथ, रिबाकिना ने 2023 के फाइनल में सबालेंका से मिली हार का बदला भी पूरा कर लिया। साल 2026 के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के खिताब पर वर्ल्ड नंबर चार एलिना रिबाकिना ने कब्जा जमाया। वर्ल्ड नंबर 1 एरिना सबालेंका साल 2023 और साल 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने के बाद इस बार हैट्रिक लगाने उतरीं थी। लेकिन उनके सपने को रिबाकिना ने तोड़ा और महिला सिंगल्स के फाइनल मुकाबले में 6-4, 4-6, और 6-4 से हराया। इसके साथ ही कजाखस्तान से आने वाली रिबकिना ने अपने करियर का दूसरा और पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता। इससे पहले रिबकिना ने साल 2022 मे विंबलडन का खिताब जीता था।

सबालेंका ने की वापसी

दूसरे सेट में सबालेंका ने पहले अपनी सर्विस पर गेम जीता। इसके बाद दूसरे गेम में रिबकिना ने तीन ब्रेक पॉइंट बचाए और अपनी सर्विस ब्रेक नहीं होने दी। जबकि बाद में रिबकिना अपनी सर्विस नहीं कभा सकीं तो उनको दूसरे सेट में 4-6 से हार का सामान करना पड़ा।

तीसरा सेट जीत रचा इतिहास

तीसरे सेट में रिबकिना दूसरे गेम में अपनी सर्विस गंवा बैठी लेकिन बाद में फिर उन्होंने शानदार विनर्स लगाते हुए सबालेंका को बैकफुट पर धकेला, जिससे वो दो बार अपनी सर्विस गंवा बैठी और बाद में फिर रिबाकिना ने उनको वापसी करने का मौका नहीं दिया। इससे तीसरे सेट को रिबकिना ने 6-4 से अपने नाम करने के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता और वह कजाखस्तान के लिए इस टूर्नामेंट को जीतने वाली पहली महिला टेनिस खिलाड़ी बनीं। जबकि सबालेंका लगातार तीसरी बार इस खिताब को अपने नाम नहीं कर सकीं।

अंडर-19 विश्व कप चिर प्रतिद्वंद्वी के बीच रोमांचक मुकाबला आज दोपहर 1 बजे से

पाकिस्तान से हिसाब बराबर करने उतरेगा भारत, तेंदुलकर ने की हौसला अफजाई

एजेंसी ▶▶| बुलावायो

पांच बार का चैंपियन भारत रविवार को आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप के सुपर सिक्स मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से एशिया कप फाइनल में मिली शर्मनाक हार का बदला लेने की कोशिश करेगा। भारत पिछले साल 21 दिसंबर को दुबई में हुए अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान से 191 रन से हार गया था जबकि 14 दिसंबर को उसने इसी टूर्नामेंट का ग्रुप मैच इस चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ 90 रन से जीता था। रविवार को आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली भारतीय टीम उस हार का बदला लेने के लिए बेताब होगी। किसी भी मैच से पहले सचिन तेंदुलकर से वर्चुअल हौसलाअफजाई मिलना सपनों के सच होने जैसा होता है और भारतीय खिलाड़ियों को इस महान खिलाड़ी से कुछ कीमती सलाह मिली।

विश्व कप में भारत का शानदार प्रदर्शन

अंडर-19 विश्व कप में अब तक भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने अमेरिका पर छह विकेट की जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की और फिर ग्रुप चरण में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड को हराया। भारत ने अपने पहले सुपर सिक्स मैच में 27 जनवरी को मेजबान जिम्बाब्वे को 204 रन से हराकर जीत का सिलसिला जारी रखा। पाकिस्तान के रूप में भारत का अगला मैच एक मजबूत विरोधी के खिलाफ होगा और एशिया कप फाइनल में बड़ी हार म्हात्रे की अगुआई वाली टीम को परेशान कर सकती है। विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू (चार मैच में 183 रन) और वैभव सूर्यवंशी (चार मैच में 166 रन) लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। दोनों ने दो-दो अर्धशतक लगाए हैं लेकिन वे इन्हें तीन अंकों में बदलना चाहेंगे।

टीमें इस प्रकार

भारत : आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद एनान, उद्धव मोहन और किशन सिंह।

पाकिस्तान : फरहान यूसुफ (कप्तान), उस्मान खान, अली हसन बलूच, हमजा जहूर, हुजैफा अहसान, मोहम्मद शायन, समीर मिन्हास, अहमद हुसैन, अब्दुल सुभान, अली रजा, दानियाल अली खान, मोहम्मद सैयाम, मोमिन कमर, नकाब शफीक, उमर जैब।

मर्टेन्स- झेंग और हैरिसन-स्कुप्स्की ने जीता युगल का

मेलबर्न। एलिस मर्टेन्स ने चीन की झेंग शुआई के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतकर महिला युगल में नंबर एक रैंकिंग पर वापसी की जबकि अमेरिका के क्रिश्चियन हैरिसन और ब्रिटेन के नील स्कुप्स्की ने पुरुष युगल खिताब जीता। चार साल बाद एक टीम के तौर पर वापसी करने वाली मर्टेन्स और झेंग पहले सेट में 0-3 और 1-4 से पीछे थीं लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए कजाखस्तान की एना डैनिलिना और सर्बिया की एलेक्जेंड्रा क्रूनिक को 7-6, 6-4 से हराया। पुरुष युगल के फाइनल में हैरिसन ने मैच प्वाइंट पर ऐस लगाकर स्कुप्स्की के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया के जेसन कुबलर और मार्क पोलमैन्स की जोड़ी को 7-6, 6-4 से शिकस्त दी। कुबलर का अपने घरेलू ग्रैंडस्लैम फाइनल में उतरने से पहले जीत-हार का रिकॉर्ड 14-3 था।

निलंबन के बाद गारगा की नजरें नई शुरुआत पर

नई दिल्ली। करीब डेढ़ साल तक शटल के रैकेट के तारों से टकराने की आवाज भारतीय पुरुष युगल खिलाड़ी कृष्ण प्रसाद गारगा के लिए सुकून और तकलीफ दोनों देने वाली थी। सुकून इसलिए क्योंकि बचपन से उन्हें सिर्फ बैडमिंटन ही पसंद था। तकलीफ इसलिए क्योंकि उन्हें नहीं पता था कि वह फिर कभी भारत के लिए खेल पाएंगे या नहीं। थॉमस कप 2022 में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे काकीनाडा के 25 साल के पुरुष युगल खिलाड़ी गारगा का उभरता हुआ करियर तब रुक गया जब फरवरी 2024 में प्रतियोगिता के इतर परीक्षण के दौरान 'ह्यूमन कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन' के लिए उनका परीक्षण पॉजिटिव आया और इसके बाद उन पर चार साल का प्रतिबंध लगा।

पश्चिम मध्य रेल

शुद्धि-सूचना क्र. 1 दिनांक 29.01.2026

क्र.1, ईपीसी अनुबंध में अनुलग्न- II (अनुसूची-ए) के अंतर्गत नोट को संशोधित किया गया है और दिनांक **08.01.2026** को जारी एनआईटी संख्या जेबीपी-प्रोजेक्ट-ईपीसी-2025-02 में संलग्न दस्तावेजों को अपलोड कर दिया गया है, **क्र.2, 22.01.2026** को आयोजित पूर्व-बोली बैठक के दौरान बोलीदाताओं द्वारा उठाए गए पूर्व-बोली प्रश्नों के उत्तर वर्तमान निविदा के लिए **IREPS** पर अपलोड कर दिये गए हैं। **नोटः** शेष वस्तुएँ यथावत एवं अपरिवर्तित रहेंगी।

(हस्ता.)
उप मुख्य विद्युत अभियंता (परियोजना)
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना क्रमांक- एन/आई/टी/81/26/01 **दिनांकः 29.01.2026**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/ वि.लो.शेड दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर संभाग निम्नलिखित सामाग्रियों हेतु ई-निविदा आमंत्रित करता हैः

क्र.	निविदा संख्या	निविदा खुलने की तिथि	निविदा खुलने का समय	निविदा पत्र लागत (रु.)	अर्नेस्ट मनी डिपोसिट (रु.)
1	81255195	02/03/2026	10:30	00	614670.00

विवरण 1:- WAG9 लोको के लिए उपयुक्त मोटरयुक्त बोगी (ड्राइंग IB011-00065, WAG9, गियर अनुपात-21:1 07), CLW/MS/3/SPEC/ ELDO-BOGIE/001 और RDSO विनिर्देश संख्या RDSO/2016/EL/SPEC/0124 (REV-0)) **[वारंटी अवधिः डिलीवरी की तारीख से 30 महीने]**

*निविदाकर्ता कृपया हमारी वेब साइट **www.ireps.gov.in** जाएं।

''नोटः- विवादास्पद मामले में मूल अंग्रेजी पाठ प्रमाणिक मानी जाएगी।

वरि. मंडल सामाग्री प्रबंधक
सीपीआर/10/653 *द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर*

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृष — धैर्यशीलता में कमी भी हो सकती है। संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन के रखरखाव एवं वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। लाभ में वृद्धि होगी।

कर्क — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कुछ चिंता परेशान भी हो सकती हैं। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

तुला — कला एवं संगीत में रुचि रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कारोबार में भाग-दौड़ बढ़ेगी, परन्तु स्वास्थ्य के प्रति सचेत भी रहे।

वृश्चिक — संयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन अशान्त भी रहेगा। आत्मसंयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। फिर भी धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित भी रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

मीन — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। पिता का साथ मिलेगा। किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है।

इतिहास रचने उतरेंगे जोकोविच-अल्कारेज

थकान और खुशी के पल में नोवाक जोकोविच ने भीड़ में मार्गरिट कोर्ट को पहचान लिया और उन्हें इतनी देर तक जागकर उन्हें अब तक के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी बनने से सिर्फ एक जीत दूर पहुंचते हुए देखने के लिए धन्यवाद दिया। रोड लेवर एरिना में 83 साल की कोर्ट दो बार के गत ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन यानिक सिनर पर जोकोविच की पांच सेट की जीत के दौरान वीआईपी दर्शकों के बीच मौजूद थीं। यह मुकाबला शनिवार सुबह डेढ़ बजे खत्म हुआ। ये दोनों 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब का सर्वकालिक रिकॉर्ड साझा करते हैं लेकिन रविवार को यह बदल सकता है। सिनर पर जोकोविच की कड़ी जीत ने शीर्ष रैंकिंग वाले अल्कारेज के खिलाफ खिताबी मुकाबला तय किया।

सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने की राह पर अल्कारेज

स्पेन का 22 साल का यह खिलाड़ी करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनने की राह पर है। अल्कारेज और सिनर मिलकर अब तक जोकोविच को 25वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने से रोकने में सफल रहे हैं। दोनों ने पिछले आठ ग्रैंडस्लैम खिताब बराबर संख्या में जीते हैं।

जोकोविच के पास लगभग हर रिकॉर्ड

जोकोविच के पास लगभग हर रिकॉर्ड है। उन्होंने रोजर फेडरर और रफेल नडाल के बनाए रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। उनके पास सेरेना विलियम्स से एक अधिक खिताब है। सेरेना के नाम महिलाओं के ओपन युग के रिकॉर्ड 23 एकल खिताब हैं। जोकोविच ने यह बात नहीं छिपाई है कि वह सिर्फ 25वें खिताब के लिए ऑस्ट्रेलिया में हैं। 'सिनकारेज' (सिनर और अल्कारेज को मिलाकर) प्रतिद्वंद्विता के एक हिस्से को तोड़ने के बाद जोकोविच को मेलबर्न पार्क में अपने करियर के 11वें फाइनल में एक और खिताब जीतने का मौका मिलेगा। उन्होंने अब तक सभी 10 फाइनल जीते हैं।

* **जोहानिसबर्ग।** दक्षिण अफ्रीका के सीनियर बल्लेबाज डेविड मिलर को अगले सप्ताह शुरू हो रहा टी20 विश्व कप खेलने के लिए मेडिकल मंजूरी मिल गई। मिलर को एसए 20 के दौरान मांसपेशी में खिंचाव आ गया था।

शब्द पहेली - 6125

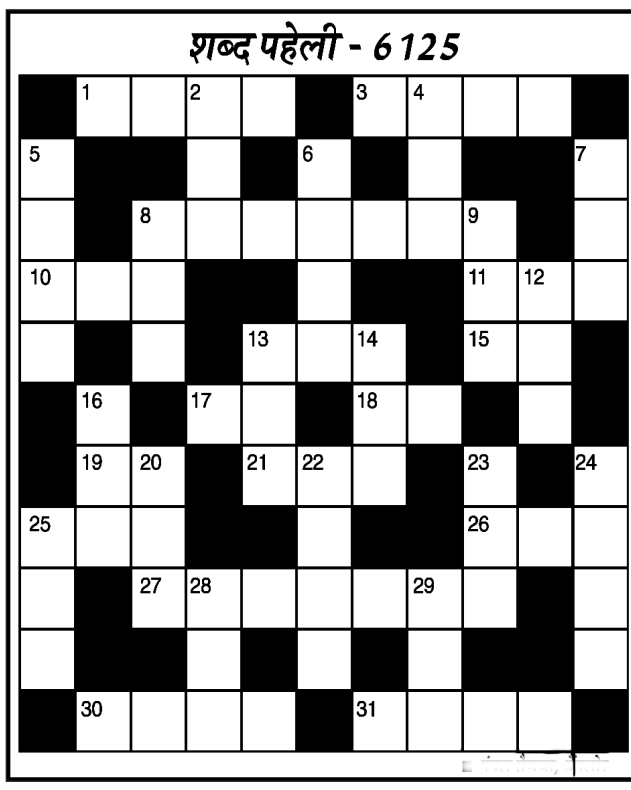

बाएँ से दाए

1. मरघट, कब्रिस्तान-4
3. पागल, बुद्धिहीन-4
8. भगवान, ईश्वर, खुदा-7
10. डांटना, दुत्कार-3
11. तरुण, किशोर-3
13. ओट, घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया, अजनबी-2
18. आनंद, मौज-2
19. सूर्य, भास्कर-2
21. चिंतन, सोच विचार-3
25. वेणी, फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष, आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि, गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर, भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज, पापी, भूत-3
8. शरण, आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट, प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना, अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी, दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली- 6124 का हल

रा	ऊ	ल	के	ला			क	स	क	
ह	जी		श		श	यु	ता		न्या	य
गु			ही	र	क		र			म
ज	ला	व	न			गं		अ	नु	ज
र		च		बे	ल	गा	म		की	
	शा	न		क		ज		ब	ला	
	य		श	रा	र	ल		न्द		त
म	द	द		र			अ	र	मा	न
श			स		शा	य	र			ब
क	म		न	र	म		मा		मा	द
	जा	न	म			म	न	मो	ह	न

सूडोकु नवताल - 6135

कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

MANGAL SEVACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6134 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

विश्व इतिहास की सबसे खूबसूरत और ताकतवर रानियां... जिनके जलवे ऐसे कि दुनिया हुई दीवानी

दुनिया में रॉयल परिवारों की धूम रही है और ये परिवार खास तौर पर इसलिए चर्चा में रहे हैं क्योंकि इन परिवारों की महिलाएं न सिर्फ बेहद सुंदर थीं बल्कि ताकतवर और प्रभावशाली भी रहीं। इनमें से कुछ अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन अपने निधन से पहले ये अपनी खूबसूरती से अमर हो गई हैं। कुछ रानियां अभी भी सुंदरता, प्रभावशालीता और बुद्धिमानी की प्रतिमूर्ति बनी हुई हैं। इन शक्तिशाली महिलाओं ने लैंगिक समानता का मार्ग प्रशस्त किया और उनकी विरासतें हर किसी को प्रेरित करती हैं। ऐसी ही कुछ बेहद खूबसूरत और प्रभावशाली रानियों के बारे में आपको बता रहे हैं।

महारानी गायत्री देवी

जयपुर की राजकुमारी गायित्री देवी अपनी सुंदरता और शालीनता के लिए दुनियाभर में मशहूर हुईं। वोग पत्रिका द्वारा उन्हें दुनिया की सबसे खूबसूरत महिलाओं में से एक घोषित किया गया था। उनका जन्म 23 मई, 1919 को लंदन में हुआ। वह कूच बिहार के राजकुमार जितेंद्र नारायण और बड़ौदा की राजकुमारी इंदिरा राजे की बेटी थीं। जयपुर के महाराजा सवाई मान सिंह II से विवाह के बाद वे जयपुर की महारानी बनीं। 29 जुलाई, 2009 को 90 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।

राजकुमारी डायना

वेल्स की दिवंगत राजकुमारी ने अपने आकर्षण, फैशन और दयालुता से दुनिया को मोहित कर लिया और एक प्रतिष्ठित हस्ती बनी रहीं। राजकुमारी डायना एक समाजसेवी, स्टाइल आइकन और 20वीं सदी की सबसे प्रभावशाली हस्तियों में से एक थीं। हालांकि उन्होंने अपना अधिकांश जीवन चकाचौंध और कड़ी निगरानी में बिताया। फिर भी वे सबकी चहेती बनीं। राजकुमारी डायना की मौत 31 अगस्त, 1997 को पेरिस में एक कार दुर्घटना में हुई थी।

क्लियोपेट्रा VII

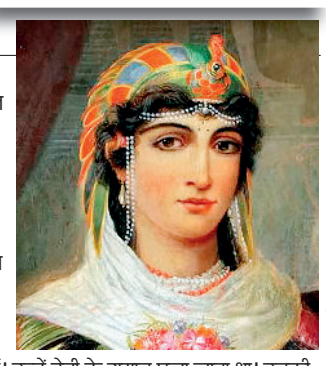

रोमनों के सत्ता संभालने से पहले मिस्र के अंतिम फराओ का अपने शासनकाल में काफी प्रभाव था। उनकी पत्नी क्लियोपेट्रा रोमन सेनापतियों के साथ अपने संबंधों के लिए जानी जाती थीं और उन्होंने तीन बच्चों को जन्म दिया। अपने पति और रोमन सेनापति मार्क एंटनी की आत्महत्या के बाद क्लियोपेट्रा ने सांप से खुद को कटाकर आत्महत्या कर ली। क्लियोपेट्रा बुद्धिमान और राजनीतिक रूप से कुशल थीं, और 17 वर्ष की आयु में मिस्र की सत्ता में आ गईं। उन्हें देवी के समान पूजा जाता था। उनकी मृत्यु के बाद, मिस्र साम्राज्य पर रोमनों का कब्जा हो गया।

नेफरटिटी

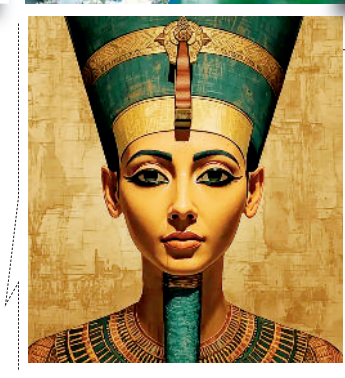

प्राचीन मिस्र की रानी नेफरटिटी अपनी सुंदरता के लिए मशहूर थीं। 14वीं शताब्दी में नेफरटिटी मिस्र की रानी बनीं और उन्होंने मिस्र के धार्मिक बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके तहत अनेक देवताओं की पूजा से हटकर केवल सूर्य देवता अतोह की पूजा की जाने लगी। उनके नाम का अर्थ है 'एक सुंदर स्त्री आ गई है'। वे बेहद खूबसूरत थीं, उनका शरीर सुडौल और चेहरा बेहद आकर्षक था। उन्होंने अपने पति की सह-शासिका के रूप में कार्य किया, उनके छह बच्चे थे।

स्पेन की रानी लेटिजिया

स्पेन की क्वीन लेटिजिया अपने खास स्टाइल, फिटनेस और शाही कर्तव्यों के प्रति समर्पण के लिए जानी जाती थीं। लेटिजिया ओर्टिज़ रोकासोलानो का जन्म 15 सितंबर 1972 को हुआ था और वह स्पेन की रानी हैं और राजा फेलिप VI की पत्नी हैं। उन्होंने एबीसी और ईएफई में पत्रकार के रूप में काम किया और बाद में सीएनएन+ और टेलीविजन एस्पानोला में समाचार एंकर भी बनीं।

जॉर्डन की क्वीन रानिया

जॉर्डन की क्वीन रानिया अल-अब्दुल्ला दुनिया की सबसे खूबसूरत और प्रभावशाली रानियों में गिनी जाती हैं। मुस्लिम देश की होने के बावजूद वे कभी भी हिजाब या बुर्के में नजर नहीं आती हैं। क्वीन रानिया की मौकों पर साफ कह चुकी हैं कि इस्लाम में पर्दा जबरदस्ती नहीं, बल्कि व्यक्तिगत पसंद का विषय है।

हाईकोर्ट की खबरें

35 साल पुराने रिश्ते में तलाक के लिए क्रूरता और परित्याग के ठोस प्रमाण जरूरी

बिलासपुर। शादी के 35 साल बाद पति ने प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए पत्नी से तलाक के लिए याचिका लगाई थी, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। पति का आरोप था कि उसकी पत्नी झगड़ालु है और उसे मानसिक रुप से परेशान कर रही है। 15 साल से उसे छोड़कर बेटी दामाद के घर रह रही है। पत्नी ने यह कहते हुए तलाक को चुनौती दी थी कि पति चरित्र पर शक करते थे। उसे बीपी शुगर है, लेकिन पति ने कभी उनके इलाज का खर्च नहीं उठाया। मजबूरी में उन्हें बेटी के घर रहना पड़ा।

■ हाईकोर्ट ने तलाक के लिए पति द्वारा दायर याचिका खारिज की

दोनों पक्षों की सुनवाई के बादकोर्ट ने कहा कि इतने पुराने वैवाहिक संबंध में क्रूरता और परित्याग के ठोस प्रमाण जरूरी हैं। सिर्फ अंदाजे या सामान्य आरोपों के आधार पर फैसला नहीं दिया जा सकता और तलाक की अपील खारिज कर दी। दरअसल, बेमेतरा जिले के रहने वाले गिरधर दुबे ने फैमिली कोर्ट में हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 13 के तहत तलाक की याचिका दायर की थी। यह मामला 35 साल पुराने वैवाहिक संबंध का था। हाईकोर्ट ने कहा कि तलाक के लिए क्रूरता और परित्याग के ठोस और स्पष्ट प्रमाण जरूरी हैं। इस मामले में न तो क्रूरता साबित हुई और न ही परित्याग। ऐसे में कोर्ट ने पति की अपील खारिज कर दी और बेमेतरा फैमिली कोर्ट का फैसला बरकरार रखा।

आरोप अस्पष्ट और सामान्य पाए गए

फैमिली कोर्ट, बेमेतरा ने 5 जुलाई 2023 को पति की तलाक याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने माना कि पत्नी ने दो वर्ष या उससे अधिक समय तक जानबूझकर परित्याग नहीं किया। पति की ओर से लगाए गए क्रूरता के आरोप अस्पष्ट और सामान्य पाए गए। प्रस्तुत साक्ष्य तलाक के लिए पर्याप्त नहीं माने गए। जस्टिस संजय अग्रवाल जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा की डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया है कि पत्नी का पति से अलग रहना तलाक का आधार नहीं हो सकता। पति के गवाहों के बयान सामान्य पाए गए और उन पर भरोसा नहीं किया जा सका। महिला प्रकोष्ठ की काउंसलिंग रिपोर्ट से पत्नी के आरोप अधिक विश्वसनीय लगे।

अश्लील डांस पर पैसे लूटाने वाले एसडीएम को हाईकोर्ट से राहत

गरियाबंद जिले में कुछ डांसर ने अश्लील डांस किया। उन पर एसडीएम तुलसी दास मरकाम वीडियो बनाते और पैसे लुटाते नजर आए। वीडियो सामने आने के बाद एसडीएम को निलंबित कर दिया गया था। इस मामले में एसडीएम को अब हाईकोर्ट से अंतरिम राहत मिली है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को 10 दिन के अंदर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए हैं। इस मामले की अगली सुनवाई चार हफ्ते बाद तय की गई है। वहीं, 30 जनवरी को तुलसीदास मरकाम ने मैनपुर अनुविभागीय कार्यालय पहुंचकर अपना पदभार संभाल लिया है।दरअसल, डिप्टी कलेक्टर तुलसीदास मरकाम को कमिश्नर महादेव कावरे ने 16 जनवरी को निलंबित करने का आदेश जारी किया था। उन पर नियम खिलाफ ओपेरा की अनुमति देने और अश्लील नृत्य का आनंद लेने का आरोप था। मरकाम ने इस आदेश को गलत बताते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने 29 जनवरी को मामले की सुनवाई करते हुए निलंबन आदेश पर अंतरिम राहत दी थी। तुलसीदास मरकाम ने अपनी याचिका में तर्क दिया था कि, कमिश्नर ने उनका पक्ष सुने बिना कार्रवाई की, जबकि वह राज्य सरकार के अधीन हैं।

दुनिया का सबसे महंगा कीड़ा यार्सागुंबा,कीमत है 20 लाख रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली। हिमालयी वियाग्रा के नाम से मशहूर यार्सागुंबा दुनिया का सबसे महंगा कीड़ा कहलाता है। इस कीड़े की कीमत 20 लाख रुपये प्रति किलो तक है। यह कीड़ा ओफियोकोर्डिसेप्स साइनेन्सिस नामक फंगस और कैटरपिलर का अनूठा मिश्रण है, जो परजीवी के रूप में पनपता है। नेपाल, तिब्बत और भारत के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में पाया जाता है, जहां गर्मियों में लोग इसे इकट्ठा करते हैं। तस्करी और ब्लैक मार्केट में भारी मांग के कारण इसकी कीमत आसमान छूती है। यार्सागुंबा कोई आम कीड़ा नहीं है, बल्कि यह एक कीड़े और फंगस का मिलाजुला रूप है। यह ओफियोकोर्डिसेप्स साइनेन्सिस नाम के फंगस द्वारा बनता है, जो कैटरपिलर की बॉडी में परजीवी की तरह पनपता है। ये कीड़े हिमालय की बर्फीली पहाड़ियों जैसे उत्तराखंड, सिक्किम, नेपाल और तिब्बत में मिलते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com